कक्षा 9

New Era of Entrepreneurial Ecosystem & Vision
उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग
(NEEEV)

विद्यार्थी निर्देशिका 2026-27

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

सोच से सृजन तक - उद्यमिता की उड़ान

विद्यार्थी निर्देशिका

कक्षा 9

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) विद्यार्थी निर्देशिका कक्षा 09

February, 2026

Copies : 201000

Published by:

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

ISBN No.: 978-93-6291-879-6

© 2026 SCERT. All rights reserved.

First Edition: 2026

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise without prior written permission from the publisher.

This publication has been designed as part of SCERT's mission to provide high-quality, innovative educational resources that empower teachers and students across the state. It aims to foster 21st-century skills, including creativity, critical thinking, problem-solving, and real-world application of knowledge.

The content is intended solely for academic purposes and is not for commercial sale or distribution.

चंदू प्रेस, दिल्ली द्वारा मुद्रित

सत्यमेव जयते

रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री, दिल्ली

संदेश

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के युवाओं को न केवल आकांक्षी पेशेवरों के रूप में नहीं बल्कि उद्यम सृजन करने वाले नवप्रवर्तकों के रूप में देखा है। स्टार्टअप इंडिया तथा अटल नवाचार मिशन (AIM) जैसी पहल ने उनकी इस दूरदर्शी सोच को साकार रूप दिया है और देश में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को सुदृढ़ किया है। ये परिवर्तनकारी कदम प्रत्येक युवा मस्तिष्क की सृजनात्मक क्षमता को उजागर करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए कौशल-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देती है, जो विद्यार्थियों को गतिशील विश्व में सफलता हेतु सक्षम बनाता है। इसी क्रम में 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इन परिवर्तनकारी प्रयासों को समर्थन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य हमारे कक्षाओं के भीतर ही उद्यमी चिंतन के बीज बोना है।

यह निर्देशिका हमारे उस सतत प्रयास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से हम शिक्षण स्थलों को नवाचार के केंद्रों में परिवर्तित करना चाहते हैं। ऐसे केंद्र जहाँ विद्यार्थियों को विचार उत्पन्न करने, अन्वेषण करने तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस निर्देशिका का प्रकाशन भविष्य के लिए तत्पर, आत्मनिर्भर, सृजनशील एवं समाज तथा अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम पीढ़ी के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मैं इस निर्देशिका के विकास में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, पाठ्यक्रम विशेषज्ञों एवं सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती हूँ। यह निर्देशिका एक प्रेरणा-दीप के रूप में कार्य करे और हमारे राज्य सहित देशभर के विद्यालयों को उद्यमिता की भावना को अपनाने तथा प्रत्येक शिक्षार्थी में सृजन, नवाचार और नेतृत्व का साहस जागृत करने हेतु प्रेरित करे।

Rekha Gupta

(रेखा गुप्ता)

National Capital Territory of Delhi, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Phone No. 011-23392006, 011-23392020, 011-23392030 || Email- cmdelhi@nic.in

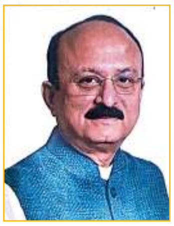

आशीष सूद

गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों,

हमारा देश एक नए दौर के प्रवेश द्वार पर खड़ा है, जहाँ नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

NEEEV केवल एक पाठ्यक्रम नहीं है, यह सोचने और कार्य करने की एक नई पद्धति है। यह हमें सिखाता है कि प्रत्येक विचार, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो यदि उसे परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जाए तो वह समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

इस योजना के माध्यम से विद्यार्थी समस्याओं को अवसरों में बदलना, विचारों को साकार रूप देने वाले समूह बनाना सीखेंगे तथा यह समझेंगे कि असफलता भी विकास की एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे शिक्षक इस यात्रा के वास्तविक मार्गदर्शक हैं। वे केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते अपितु विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संकल्प भी जागृत करते हैं। मुझे विश्वास है कि नीव दिल्ली के प्रत्येक विद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की नई ऊर्जा का संचार करेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि अवसरों का सृजनकर्ता बने, जो अपने सपनों के साथ-साथ राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

(आशीष सूद)

A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Tel. No.:23392116, 23392117 Email : min-hep@delhi.gov.in

पांडुरंग के. पोले, भा.प्र.से
सचिव (शिक्षा)

PANDURANG K. POLE, IAS
SECRETARY (Education)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष: 011–23890187, 23890119
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone: 23890187, 23890119
E-mail : sccyedu@nic.in

संदेश

आज के तीव्र परिवर्तनशील विश्व में शिक्षा केवल ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षा को अब केवल ज्ञान प्रदान करने से आगे बढ़कर बच्चों को नेतृत्व करने, वास्तविक समस्याओं का समाधान करने और निरंतर विकसित होती दुनिया के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम बनाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था और आजीविका परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के इस दौर में हमारे विद्यालयों में उद्यमी मानसिकता का विकास पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

‘उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)’ योजना इसी दिशा में एक साहसिक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा लचीलापन विकसित करना है। हमारे विद्यालय ही राज्य की भावी कार्य शक्ति और नवाचार क्षमता की आधारशिला हैं।

यह निर्देशिका ऐसे शैक्षिक परिवेश के निर्माण के लिए तैयार की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से सोच सकें, नैतिक रूप से कार्य कर सकें तथा स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। यह हमारे शिक्षकों को उचित दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के साथ इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में हम ऐसे अधिक से अधिक विद्यालयों की कल्पना करते हैं जो विद्यार्थियों को विचार-सृजन, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न करें, जिनका विस्तार पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से कहीं आगे तक हों।

यह निर्देशिका शिक्षकों को NEEEV की परिकल्पना को व्यवहारिक रणनीतियों, कक्षा-गतिविधियों और चिंतनशील अभ्यासों के माध्यम से लागू करने में सहायक होगी। यह हमारे उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी में ऐसे विचार विकसित करने की क्षमता है, जो उनके आस-पास की दुनिया को सकारात्मक रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर NEEEV को परिवर्तन का उत्प्रेरक बनाएँ, जहाँ प्रत्येक विद्यालय नवाचार का केंद्र बने, प्रत्येक शिक्षक भावी नेतृत्व का मार्गदर्शक बने और प्रत्येक विद्यार्थी राज्य तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बने।

(पांडुरंग के. पोले)

वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.
निदेशक, शिक्षा एवं खेल

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Old Secretariat
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

हम आज ऐसे समय में जी रहे हैं, जब विश्व पहले से कहीं अधिक तीव्र गति से बदल रहा है। इस परिवर्तित परिदृश्य में सृजनात्मकता, अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी शैक्षणिक उपलब्धियाँ। एक शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व केवल विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए तैयार करना नहीं बल्कि उन्हें जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ भविष्य का निर्माण कर सकें।

NEEEV का उद्देश्य एक सशक्त, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यालयों को उद्यमी अधिगम के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है। इस निर्देशिका के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उद्यमिता केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित न रहे। प्रत्येक कक्षा एक ऐसा मंच बने, जहाँ हर विद्यार्थी, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक परिवेश कोई भी हो वह विचारों की खोज कर सके, पहल कर सके और नेतृत्व गुणों का विकास कर सके। यह केवल भविष्य के व्यवसायियों को तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक ऐसी मानसिकता विकसित करने पर बल देती है, जो चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें, उत्तरदायित्व निभाए और समुदाय के व्यापक हित में योगदान दे। यह निर्देशिका एक ऐसे शैक्षिक वातावरण की परिकल्पना करती है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतन, सहयोगात्मक कार्य तथा विचारों को क्रियान्वयन में बदलने के लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे युग की शुरुआत करें, जहाँ हमारे विद्यार्थी कर्मशील, स्वप्नदृष्टा और परिवर्तन के अग्रदूत बनें।

Veditha

(वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.)

डॉ. रीता शर्मा
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

संदेश

आज की कक्षाएँ केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रह सकतीं, उन्हें विद्यार्थियों को सृजनात्मक चिंतक, नवप्रवर्तक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना विद्यालयी शिक्षा में उद्यमी कौशलों को समाहित करते हुए इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह निर्देशिका हमारे शिक्षकों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा उद्यमियों की पीढ़ी तैयार करने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

NEEEV का मूल दर्शन विभिन्न विषयों में उद्यमी कौशलों के समन्वित समावेशन पर आधारित है, जिससे विद्यार्थी अपने दैनिक अधिगम में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिंतन विकसित कर सकें। यह योजना विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप बनाने, प्रयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को साकार करने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल विद्यार्थियों को स्टार्टअप जगत के उन अनुभवी मार्गदर्शकों से जोड़ती है, जिन्होंने स्वयं सफलता की इस यात्रा को तय किया है ताकि उन्हें उद्यमिता का वास्तविक और व्यावहारिक मार्गदर्शन मिल सके। इस प्रकार शिक्षार्थियों को ऐसी चुनौतियों से परिचित कराया जाता है जो सतत नवाचार और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि नीव एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहाँ किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा सार्थक योगदान देने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनता है। यह निर्देशिका शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसे विद्यालयों का निर्माण करें, जहाँ नवाचार फले-फूले और प्रत्येक शिक्षार्थी साहस, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हो।

(डॉ. रीता शर्मा)

प्रस्तावना

आज विश्व में शिक्षा का परिदृश्य अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित हो रहा है, जहाँ अधिगम अब केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहा है। आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली के भीतर एक सशक्त उद्यमी परिवेश विकसित किया जाए, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान करने, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने, नवाचारी विचार प्रस्तुत करने, असफलताओं से सीखने तथा समाज के लिए मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाए। ऐसा उद्यमी परिवेश विद्यार्थियों को न केवल भविष्य के व्यवसायों के लिए बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी तैयार करता है, जिसमें लचीलापन, अवसरों की पहचान, नैतिक निर्णय क्षमता तथा समाधान-केंद्रित दृष्टिकोण का विकास होता है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना को दिल्ली सरकार द्वारा सितंबर 2025 में प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यम-उन्मुख क्षमताओं का समावेशन करना है। नीव, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है, जो दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति तथा 21वीं सदी की क्षमताओं पर बल देती है। यह 'विकसित भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जिसके अंतर्गत आत्मविश्वासी, सक्षम एवं राष्ट्र-निर्माण के लिए तत्पर युवाओं का निर्माण लक्ष्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह योजना विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता और उसके उत्तरदायी उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि विचार-सृजन, शोध, प्रोटोटाइप निर्माण, संप्रेषण और उत्पादकता में के साथ ही नैतिकता, पूर्वाग्रह और डेटा गोपनीयता की समझ विकसित करती है।

NEEEV के अंतर्गत विकसित यह निर्देशिका एक संरचित अधिगम मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की क्षमताओं को आधारभूत अवधारणाओं से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक क्रमिक रूप से विकसित करने में सहायक है। यह वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण कौशल, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अभिकल्प चिंतन, बाज़ार की समझ, प्रलेखन तथा प्रस्तुतीकरण जैसे आवश्यक कौशलों का भी सुदृढ़ीकरण करती है। संरचित गतिविधियों, सहपाठी अधिगम और वास्तविक जीवन से जुड़े संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को सार्थक समाधानों में रूपांतरित किया जाएगा, सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा तथा उत्तरदायी प्रभाव की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। यह निर्देशिका विद्यार्थियों में नवाचार से संबंधित विधिक एवं नियामकीय जागरूकता, जैसे- आधारभूत अनुबंध, बौद्धिक संपदा, उपभोक्ता जागरूकता, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता एवं अनुपालन को भी प्रोत्साहित करती है। यह नैतिक मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित होकर समावेशी और सतत समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

यह निर्देशिका केवल एक अधिगम संसाधन नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पित है, जो सभी विद्यालयों में एक सशक्त उद्यमी परिवेश के निर्माण में सहायक होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे भावी उद्यमियों के रूप में विकसित करना है, जो विद्यालय समुदाय के भीतर और उससे आगे सतत विकास को गति प्रदान करें।

डॉ. सपना यादव
सहायक प्राध्यापक /अध्यक्ष, NEEEV
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

विषय-सूची

क्र.स.	अध्याय का नाम	पेज नं.
अध्याय 1	NEEEV का परिचय	1
अध्याय 2	उद्यमियों की खोज - लक्षण, मिथक और तथ्य	12
अध्याय 3	उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र - संरचना और कार्यप्रणाली	22
अध्याय 4	सोचने और निर्माण करने की कला	32
अध्याय 5	मानसिकता की शक्ति	50
अध्याय 6	हमारी टीम, हमारी क्षमता	65
अध्याय 7	डिजिटल कौशल का उपयोग	73
अध्याय 8	वित्तीय साक्षरता (व्यवसाय के लिए ईंधन)	81
अध्याय 9	कानूनी साक्षरता और व्यावसायिक अनुपालन	90
शब्दावली		104
संदर्भ		106

अध्याय 01

NEEEV का परिचय

कालांश – 2

हर बड़ा परिवर्तन एक साधारण विचार से प्रारंभ होता है। जब शिक्षार्थी अपने परिवेश का अवलोकन करते हैं, सार्थक प्रश्न पूछते हैं और अपने अधिगम को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में लागू करते हैं, तब शिक्षा उद्देश्यपूर्ण बन जाती है। यह अध्याय शिक्षार्थियों में उद्यमशील चिंतन और समस्या-समाधान की मानसिकता विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

आज के प्रौद्योगिकी एवं नवाचार-प्रधान विश्व में शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए समस्या-समाधान, सृजनात्मकता, समन्वय, संप्रेषण कौशल, समालोचनात्मक चिंतन, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, विधिक साक्षरता तथा नैतिक चिंतन जैसे कौशलों की आवश्यकता होती है। वास्तविक जीवन की प्रेरक कहानियों और व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से यह अध्याय उद्यमिता को एक जीवन-कौशल के रूप में प्रस्तुत करता है तथा यह दर्शाता है कि विचारों को किस प्रकार क्रियान्वित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-स्कूली शिक्षा (NCFSE) 2023 के अनुरूप, यह अध्याय नीव योजना (कक्षा 8–12) के अंतर्गत **'करके सीखने'** की पद्धति का अनुसरण करती है, जिससे शिक्षार्थी आत्मनिर्भर एवं भविष्य के लिए तैयार सृजनकर्ता बन सकें।

आइए कक्षा के एक शिक्षिका और दो शिक्षार्थियों के बीच का संवाद पढ़ें।

सुप्रभात, बच्चों! मैं जानना चाहती हूँ कि क्या तुमने कभी अपना कार्य पूरा करने के लिए कोई आसान तरीका खोजने का प्रयास किया है?

हाँ मैडम। मैंने अपने प्रोजेक्ट को जल्दी पूरा करने के लिए जानकारी खोजने हेतु इंटरनेट का उपयोग किया है।

यह पाठ्यपुस्तक से आगे बढ़कर सोचने का एक अच्छा उदाहरण है। आज हम इस विषय पर चर्चा करेंगे कि शिक्षा किस प्रकार बदल रही है और अंकों के साथ-साथ कौशल क्यों महत्त्वपूर्ण हैं।

मैडम, क्या अंक ही सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं होते?

अंक महत्त्वपूर्ण हैं, परंतु इस पर विचार करो—यदि दो विद्यार्थियों के समान अंक हों, तो वह शिक्षार्थी जो समस्याओं का समाधान कर सकता है, टीम में कार्य कर सकता है और सृजनात्मक रूप से सोच सकता है, वास्तविक जीवन में सफलता की अधिक संभावना रखता है।

जी मैडम, यह बिल्कुल सही है|

भारत एक स्टार्टअप और नवाचार-प्रेरित अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हो रहा है। आज सफलता केवल उत्तर जानने में नहीं, बल्कि समाधान खोजने में निहित है। सृजनात्मकता, टीमवर्क, संप्रेषण कौशल और अनुकूलनशीलता जैसे कौशल अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

क्या हम यह सब अपने विषयों में पहले से नहीं सीखते?

कभी-कभी अधिगम केवल रटने तक सीमित रह जाता है, जबकि वास्तविक अधिगम तब होता है जब हम अपने ज्ञान का उपयोग वास्तविक परिस्थितियों में करते हैं। इसी कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 'करके सीखने' पर बल देती हैं।

करके सीखने' का क्या अर्थ है?

इसका अर्थ है वास्तविक समस्याओं का समाधान करना। उदाहरण के लिए, यदि विद्यालय की कैंटीन में अधिक अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है, तो आप उसे कम करने के उपाय सोचते हैं, विचार-विमर्श करते हैं, समाधान का प्रयास करते हैं और उनमें सुधार करते हैं।

क्या अन्य देशों में भी शिक्षार्थी इसी प्रकार सीखते हैं?

हाँ। फ़िनलैंड, सिंगापुर और इज़राइल जैसे देशों में शिक्षार्थी विद्यालय स्तर पर वास्तविक परियोजनाओं और छोटे उद्यमों पर कार्य करते हैं।

क्या यह भारत में भी हो रहा है?

हाँ। गुजरात, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र और अब दिल्ली जैसे राज्यों में विद्यालय-स्तरीय उद्यमिता कार्यक्रम विकसित हो रहे हैं।

मैडम, क्या इसका अर्थ है कि हमें विद्यालय में अपने छोटे व्यवसायिक परियोजनाएँ प्रारंभ करने का अवसर मिलेगा?

दिल्ली में कक्षा 8 से 12 तक के लिए नीव योजना प्रारंभ की गई है, ताकि वैश्विक श्रेष्ठ प्रथाओं को विद्यालयों में लागू किया जा सके।

NEEEV हमारी किस प्रकार सहायता करता है?

NEEEV आपको घर, विद्यालय या अपने आसपास की समस्याओं का अवलोकन करने और उनके समाधान के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है। यह आत्मविश्वास का निर्माण करता है तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

क्या यह विद्यालय से आगे भी जुड़ा हुआ है?

हाँ। NEEEV राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और सम्मानजनक रोजगार को बढ़ावा देता है।

तो क्या यह हमारे भविष्य में भी सहायक होगा?

निश्चय ही। प्रारंभिक अवस्था से ही कौशलों का विकास करके NEEEV आपको भविष्य के समस्या-समाधानकर्ता, रोजगार सृजनकर्ता और नवप्रवर्तक बनने में सहायता करता है।

भारत का विकसित होता स्टार्टअप एवं नवाचार पारितंत्र केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित ज्ञान से आगे बढ़कर विभिन्न कौशलों की माँग करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 तथा स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 के अनुरूप, आज की शिक्षा अनुभवात्मक एवं दक्षता-आधारित अधिगम पर बल देती है। यह दृष्टिकोण शिक्षार्थियों में सृजनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता, नैतिक चिंतन, अनुकूलनशीलता तथा सहयोग की भावना जैसे कौशलों का विकास करता है, जो भविष्य के व्यवसायों और समाज में सार्थक सहभागिता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप, NEEEV योजना कक्षा 8 से 12 तक उद्यमशील चिंतन का समावेश करते हुए कक्षा-अधिगम और वास्तविक जीवन की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करती है। 'करके सीखने' की पद्धति के माध्यम से शिक्षार्थियों को समस्याओं की पहचान करने, उनके समाधान खोजने तथा मूल्य सृजन करने के लिए प्रेरित किया जाता है। नीव शिक्षार्थियों को केवल रोजगार खोजने के लिए ही नहीं, बल्कि, बेरोजगारी कम करने तथा आत्मविश्वासी, उत्तरदायी और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनने के अवसर उत्पन्न करने के लिए भी तैयार करती है।

NEEEV का पूर्ण रूप है उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

- **N** New
- **E** Era of
- **E** Entrepreneurial
- **E** Ecosystem
- **V** Vision

यह नाम इस योजना के उद्देश्य को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यमशील सोच, नवाचार और मूल्य सृजन के एक नए युग की शुरुआत करना है।

NEEEV योजना के उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को आत्मविश्वास, अनुकूलनशीलता तथा उच्च शिक्षा, रोजगार और उभरते अवसरों के लिए तत्परता के साथ भविष्य के लिए तैयार उद्यमी के रूप में विकसित करना।
- समुदाय, मार्गदर्शकों, निवेशकों, इनक्यूबेटरों, ग्राहकों, सरकारी सहयोग, वित्तपोषण संस्थाओं तथा संबद्ध नेटवर्क सहित एक सशक्त विद्यालय-आधारित उद्यमशील पारितंत्र का निर्माण करना।
- सृजनात्मकता, पहल, सहयोग, नेतृत्व, समालोचनात्मक चिंतन, समस्या-समाधान तथा अन्य संबंधित दक्षताओं जैसे 21वीं सदी के कौशलों के साथ उद्यमशील सोच का संवर्धन करना।
- वित्तपोषित प्रोटोटाइप निर्माण, परियोजना-आधारित अधिगम, उद्यम स्थापना तथा व्यवहारिक अनुभव के माध्यम से स्टार्टअप विकास का अनुभव प्राप्त करना।
- समस्याओं की पहचान, समाधान के विचार प्रस्तुत करना, प्रोटोटाइप विकसित करना, मॉडल का परीक्षण करना तथा निरंतर सुधार की प्रक्रिया अपनाते हुए डिज़ाइन थिंकिंग का अनुप्रयोग करना।
- बजट निर्माण, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण, विपणन, मूल्य सृजन तथा सूचित निर्णय लेने जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से वित्तीय एवं व्यावसायिक साक्षरता का विकास करना।
- उत्तरदायी प्रौद्योगिकी उपयोग, नवाचारी व्यवहार, साइबर सुरक्षा तथा नैतिक डिजिटल आचरण के माध्यम से डिजिटल साक्षरता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना, जिससे उनकी उद्यमशील यात्रा सशक्त हो सके।

1.1 NEEEV का परिचय

गतिविधि 1.1 आप क्या करेंगे?

उद्देश्य

यह समझना कि जब हम अलग ढंग से सोचते हैं, तो दैनिक जीवन की समस्याएँ भी नए विचारों में परिवर्तित हो सकती हैं।

निर्देश

- परिस्थिति को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- 2–3 मिनट तक शांत होकर विचार करें।
- अपने पास बैठे एक या दो सहपाठियों के साथ अपने विचार साझा करें।
- अपने विचारों को संक्षिप्त बिंदुओं में अपनी नोटबुक में लिखें।

कल्पना कीजिए कि यह विद्यालय का एक सामान्य दिन है और आप प्रतिदिन की भाँति विद्यालय आए हैं। जैसे ही आपकी प्रायोगिक परीक्षा प्रारंभ होने वाली है, आपको अचानक याद आता है कि आप अपनी परियोजना फाइल या नोटबुक घर पर ही भूल आए हैं। आज अंतिम प्रायोगिक/प्रैक्टिकल परीक्षा है और परियोजना/प्रोजेक्ट जमा करना अनिवार्य है। परीक्षा आरंभ होने वाली है, इसलिए घर वापस जाना संभव नहीं है और आपके पास समय भी बहुत कम है। आप चिंता और उलझन महसूस कर रहे हैं, परंतु आपको यह निर्णय लेना है कि आगे क्या करना चाहिए।

यह स्थिति असामान्य नहीं है; विद्यालय जीवन में अनेक शिक्षार्थी ऐसी समस्याओं का सामना करते हैं। प्रश्न सिर्फ यह नहीं है कि क्या गलत हुआ, बल्कि यह है कि आप उस समस्या का सामना कैसे करते हैं।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. इस परिस्थिति में आप कैसा महसूस करेंगे और आगे क्या करेंगे?

....

प्र.2. क्या इस समस्या का समाधान घर वापस गए बिना किया जा सकता है?

....

प्र.3. हमारे आसपास पहले से ऐसी कौन-सी वस्तुएँ या संसाधन उपलब्ध हैं जो सहायता कर सकते हैं?

....

उद्यमिता अंतर्दृष्टि : अधिकांश लोग समस्या पर ही रुक जाते हैं, उद्यमी संभावनाएँ तलाशते हैं।

केस स्टोरी — एक छोटी समस्या से बड़ा विचार

निर्देश

उद्यमिता को बेहतर समझने के लिए एक 13 वर्षीय बालक की कहानी पढ़िए, जिसने एक समस्या का सामना किया—परीक्षा से पहले उसका अध्ययन-सामग्री समय पर नहीं पहुँची।

तिलक मेहता – कक्षा 10 से पहले एक पारितंत्र का निर्माण करने वाला किशोर

तिलक मेहता केवल 13 वर्ष के थे, जब पाठ्यपुस्तक की देरी से हुई डिलीवरी ने उन्हें दैनिक जीवन की समस्याओं के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया। असहाय महसूस करने के बजाय उन्होंने एक प्रभावशाली प्रश्न पूछा— "यदि मुंबई डब्बावाला प्रतिदिन हजारों टिफिन समय पर पहुँचा सकते हैं, तो छोटे पार्सल उतनी ही शीघ्रता से क्यों नहीं पहुँचाए जा सकते?"

तिलक मेहता

PAPERS N PARCELS

तिलक ने यह समझने का प्रयास किया कि डब्बावाला प्रणाली इतनी दक्षता से कैसे कार्य करती है। उन्होंने महसूस किया कि इस विश्वसनीय नेटवर्क का उपयोग केवल टिफिन पहुँचाने तक सीमित न रहकर, शहर के भीतर छोटे पार्सल और दस्तावेज़ों की डिलीवरी के लिए भी किया जा सकता है। जिज्ञासा और दृढ़ संकल्प के साथ तिलक ने कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए—

- शहर के मार्गों और मूलभूत लॉजिस्टिक्स का अध्ययन किया।
- यह सीखा कि डिलीवरी को ट्रैक करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है।
- डब्बावालों के साथ साझेदारी स्थापित की।
- मार्गदर्शकों, निवेशकों और ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया।

अपने माता-पिता के सहयोग और अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से तिलक ने Papers N Parcels नामक एक डिजिटल मंच की स्थापना की, जो उसी दिन डिलीवरी सेवा प्रदान करता था। उनकी कम आयु के कारण अनेक लोगों ने उन पर संदेह किया। फिर भी तिलक की स्पष्ट दृष्टि, सुदृढ़ मूल्य और सीखने की तत्परता ने उन्हें चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने में सहायता की। विद्यालय के एक शिक्षार्थी द्वारा अनुभव की गई एक छोटी-सी समस्या शीघ्र ही एक सफल डिलीवरी कंपनी में परिवर्तित हो गई, जिसने अनेक लोगों को रोजगार भी प्रदान किया। तिलक मेहता की यह यात्रा दर्शाती है कि उद्यमिता की शुरुआत समस्याओं का अवलोकन करने, सही प्रश्न पूछने और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए विचारों को प्रभाव में बदलने के साहस से होती है।

तिलक मेहता की यात्रा में उद्यमशील पारितंत्र की भूमिका

पारितंत्र घटक	भूमिका	योगदान
उद्यमी (तिलक)	समस्या की पहचान, समाधान निर्माण, दृष्टि का नेतृत्व	वास्तविक समस्या का अवलोकन किया, समाधान की कल्पना की, उसे परखा और कार्यान्वित किया। परियोजना का नेतृत्व किया, उत्पाद विकसित किया और ब्रांड को आकार दिया।
परिवार (माता-पिता)	भावनात्मक सहयोग, मार्गदर्शन एवं नेटवर्क	लॉजिस्टिक्स समझने में सहायता की, संपर्कों से परिचित कराया, भावनात्मक समर्थन दिया और विचार को गंभीरता से लिया—जो एक किशोर संस्थापक के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण था।
मार्गदर्शक (मेंटर्स)	रणनीतिक सलाह एवं योजना सहयोग	प्रौद्योगिकी विकास, डिलीवरी मार्ग निर्धारण, ग्राहक संवाद, वित्तीय योजना एवं साझेदारी निर्माण में मार्गदर्शन दिया। सीखने की गति को तेज किया।
मुंबई डब्बावाला Mumbai Dabbawalas	विश्वसनीय वितरण सहयोगी	टिफिन के साथ पार्सल पहुँचाए, समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित की, प्रत्येक मार्ग का स्थानीय ज्ञान प्रदान किया। मौजूदा व्यवस्था को नवाचार में परिवर्तित किया।
निवेशक	वित्तीय सहायता एवं विस्तार सहयोग	ऐप, कर्मचारियों और संचालन के लिए धन उपलब्ध कराया। विचार की संभावनाओं पर विश्वास किया और मॉडल के विस्तार में सहयोग दिया।
ग्राहक	विश्वास, प्रतिपुष्टि एवं मौखिक प्रचार	विश्वास प्रदान किया, सुझाव दिए और मौखिक प्रचार के माध्यम से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ा।
निष्कर्ष: विचार तब विकसित होते हैं जब लोग जुड़ते हैं, सहयोग करते हैं और किसी बड़े उद्देश्य के लिए मिलकर कार्य करते हैं।		

चिंतन प्रश्न

प्र.1. तिलक मेहता ने किस समस्या का सामना किया और उसे व्यवसायिक विचार में कैसे परिवर्तित किया?

....

....

....

प्र.2. तिलक के पारितंत्र में आपको कौन-सा घटक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण लगता है और क्यों?

....

....

....

प्र.3. अपने दैनिक जीवन में आने वाली किसी एक समस्या के बारे में सोचिए—यदि आपको उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिले, तो वह किस प्रकार एक अवसर में परिवर्तित हो सकती है?

....

....

....

उद्यमशील अंतर्दृष्टि

तिलक मेहता की कहानी कोई अपवाद नहीं है, बल्कि यह इस बात का उदाहरण है कि जब युवा मस्तिष्कों को प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और सहयोग मिलता है, तो क्या-क्या संभव हो सकता है। नीव का उद्देश्य प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए ऐसे ही अवसरों का निर्माण करना है।

NEEEV के अंतर्गत आप केवल एक शिक्षार्थी नहीं हैं, बल्कि एक चिंतक, समस्या-समाधानकर्ता और भावी नेता हैं, जो आने वाले कल की नीव रख रहे हैं।

यहीं से हमारी यात्रा प्रारंभ होती है— नीव रूपरेखा के अंतर्गत नए अधिगम मार्गों और अवसरों की खोज की दिशा में।

NEEEV के बारे में

NEEEV – दृष्टि, मिशन और उद्देश्य

NEEEV एक विद्यालय-आधारित पहल है, जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों में उद्यमशील चिंतन, नवाचार और नेतृत्व कौशल का विकास करना है। यह योजना शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने, सृजनात्मक ढंग से सोचने तथा उत्तरदायी समाधान तैयार करने के लिए तैयार करती है, जो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दें।

दृष्टि (VISION)

एक ऐसी सशक्त, उद्यमशील और सामाजिक रूप से सजग नवप्रवर्तकों की पीढ़ी का निर्माण करना, जो भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में सक्षम हो।

मिशन (MISSION)

विद्यालयी शिक्षार्थियों में उद्यमशील कौशल, नवाचार तथा वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान की क्षमता का संवर्धन करना, साथ ही समावेशी और समान अवसर आधारित अधिगम को बढ़ावा देना।

उद्देश्य (AIM)

विद्यालयों में एक भविष्य-उन्मुख उद्यमशील पारितंत्र का निर्माण करना, जिससे शिक्षार्थी व्यवहारिक कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों से सशक्त बन सकें।

NEEEV योजना के प्रमुख घटक

NEEEV पाठ्यक्रम (NEEEV Curriculum)

एक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन के संदर्भों के माध्यम से उद्यमिता की अवधारणाओं, नवाचार, वित्तीय साक्षरता और समस्या-समाधान से परिचित कराता है।

NEEEV संवाद (NEEEV Dialogue)

उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के साथ संवादात्मक सत्र, जो शिक्षार्थियों को प्रेरित करते हैं तथा कक्षा-अधिगम को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं।

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स (Startup Stormers)

एक ऐसा मंच जहाँ शिक्षार्थी अपने स्टार्टअप विचारों का विकास, प्रस्तुतीकरण और परिष्कार करते हैं, जिससे सृजनात्मकता, टीमवर्क और उद्यमशील आत्मविश्वास को प्रोत्साहन मिलता है।

विशेष कार्यशालाएँ (Specialised Workshops)

कौशल-आधारित कार्यशालाएँ, जो डिज़ाइन थिंकिंग, व्यवसाय योजना, संप्रेषण कौशल, नेतृत्व तथा डिजिटल कौशलों पर केंद्रित होती हैं।

उद्योग/इनक्यूबेशन सेल भ्रमण (Industry/Incubation Cell Visit)

अनुभवात्मक अधिगम के अवसर, जिनमें शिक्षार्थी स्टार्टअप्स, उद्योगों और नवाचार केंद्रों का भ्रमण करते हैं। इससे वे वास्तविक व्यावसायिक कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हैं, कार्यस्थल संस्कृति को समझते हैं तथा सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक अनुभव से जोड़ते हैं।

NEEEV के अंतर्गत विकसित किए जाने वाले प्रमुख मूल्य

NEEEV – की संरचना : SIC – ZIC – DIC

यह एक तीन-स्तरीय नवाचार सहयोग प्रणाली है—

स्पॉट – प्रश्न – कनेक्ट | साप्ताहिक कार्य

अपने विद्यालय, घर या आसपास के क्षेत्र में ध्यानपूर्वक देखिए। किसी एक ऐसी समस्या के बारे में सोचिए, जो बार-बार उत्पन्न होती है। यह समस्या आपकी स्वयं की हो सकती है या अन्य लोगों की।

अपने उत्तर लिखिए—

प्र.1. समस्या क्या है?

....

....

प्र.2. यह समस्या किन लोगों को प्रभावित करती है

....

....

प्र.3. यह कितनी बार उत्पन्न होती है?

....

....

उद्यमी की तरह सोचें

अब इस समस्या के बारे में एक सशक्त प्रश्न पूछिए। आपका प्रश्न क्यों या "कैसे" से प्रारंभ होना चाहिए।

प्र.1. अपना प्रश्न लिखिए

....

....

प्र.2. इस समस्या का समाधान सरल या शीघ्र तरीके से कैसे किया जा सकता है?

....

....

प्र.3. क्या कोई व्यक्ति, समूह या सेवा है जो इसी प्रकार की समस्या का समाधान करता हो?

आप निम्न के बारे में विचार कर सकते हैं—

- शिक्षक या विद्यालय मॉनिटर
- बस सेवाएँ या परिवहन
- स्थानीय दुकानदार या विक्रेता
- मोबाइल ऐप या ऑनलाइन सेवाएँ
- सामुदायिक सहायक

लिखिए कि वे इस समस्या को बेहतर या नए तरीके से हल करने में कैसे सहायता कर सकते हैं :

....

....

....

आपके विचार के लिए सहयोग

अंत में विचार कीजिए कि आपके विचार को सफल बनाने में कौन सहायता कर सकता है। अपनी नोटबुक में निम्न तालिका पूर्ण कीजिए—

पारितंत्र घटक (व्यक्ति / समूह / सेवा)	वे किस प्रकार सहायता कर सकते हैं

अन्वेषणात्मक कार्य

उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन खुली स्रोत सामग्री या इंटरनेट के माध्यम से कीजिए। अगली कक्षा में चर्चा के लिए तैयार रहें।

....

संकल्पना बॉक्स

- **NEEEV क्या है?**

  उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) एक उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रम है, जिसे विद्यालयों में इस उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है कि शिक्षार्थी व्यवहारिक जीवन-कौशल विकसित कर सकें। यह 'करके सीखने' पर आधारित है और शिक्षार्थियों को सृजनात्मक रूप से सोचने, वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने तथा पहल करने के लिए प्रेरित करता है।

- **NEEEV का उद्देश्य क्या है?**

  NEEEV का उद्देश्य कक्षा-अधिगम और वास्तविक जीवन की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करना है। इसके प्रमुख लक्ष्य हैं—

  - ❖ शिक्षार्थियों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का निर्माण करना।
  - ❖ केवल व्यावसायिक ज्ञान नहीं, बल्कि उद्यमशील सोच का विकास करना।
  - ❖ परिवर्तित होती अर्थव्यवस्था में भविष्य के व्यवसायों के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करना।
  - ❖ अधिगम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप बनाना।

- **NEEEV शिक्षार्थियों के विकास में कैसे सहायक है?**

  NEEEV विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक कौशल विकसित कर शिक्षार्थियों के समग्र विकास का समर्थन करता है—

  - ❖ उद्यमिता और नवाचार: समस्याओं की पहचान, समाधान का निर्माण और मूल्य सृजन।
  - ❖ कैरियर तत्परता: निर्णय-निर्माण, टीमवर्क, नेतृत्व और अनुकूलनशीलता जैसे कौशल।
  - ❖ वित्तीय एवं आर्थिक समझ: मूलभूत वित्तीय साक्षरता और आर्थिक जागरूकता।
  - ❖ सामाजिक और नैतिक विकास: उत्तरदायित्व, नैतिक चिंतन और समाज के प्रति योगदान।
  - ❖ व्यक्तिगत विकास: आत्मविश्वास, संप्रेषण कौशल, सृजनात्मकता और धैर्यशीलता।

NEEEV शिक्षार्थियों को ऐसे आत्मविश्वासी समस्या-समाधानकर्ता के रूप में विकसित करता है, जो स्वयं और दूसरों के लिए अवसरों का सृजन कर सकें।

अध्याय 02

उद्यमियों की खोज-लक्षण, मिथक और तथ्य

U5T3A1

कालांश 3

यह अध्याय, उद्यमी को एक व्यक्ति के रूप में समझने पर केंद्रित है। इसमें उद्यमियों से जुड़े सामान्य गुणों की जांच की गई है, उद्यमिता से जुड़े तथ्यों को पेश किया गया है और उन प्रचलित भ्रांतियों को दूर किया गया है जो अक्सर भ्रम पैदा करती हैं। इस विस्तृत चर्चा के माध्यम से, यह अध्याय इस बात पर जोर देता है कि उद्यमिता केवल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच और कौशलों का समूह है जिसे कोई भी व्यक्ति प्राप्त कर सकता है।

सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी इस योग्य बन पाएंगे कि वे

- उद्यमियों में सामान्यतः पाए जाने वाले कुछ प्रमुख गुणों की पहचान कर सकें।
- उद्यमशीलता से जुड़ी प्रचलित भ्रांतियों और वास्तविक तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट कर सकें।
- वास्तविक जीवन की स्थितियों के साथ सामंजस्य बिठा सकें और उन पर चिंतन कर सकें, ताकि वे यह समझ सकें कि उद्यमिता एक सोच है जिसे समय के साथ विकसित किया जा सकता है।

2.1 उद्यमी – वास्तव में कौन हैं?

एक विद्यालय एकदिवसीय मेले के आयोजन की घोषणा करता है, जिसकी योजना और संचालन विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा। जैसे ही यह घोषणा होती है, विभिन्न विद्यार्थी अपनी-अपनी तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। एक विद्यार्थी हिचकिचाता है और सोचता है, "मैं इतना रचनात्मक नहीं हूँ कि स्टॉल लगा सकूं।" यह सोच उस विद्यार्थी को कोशिश करने से रोक देती है। दूसरा विद्यार्थी कहता है, मेरे पास स्टॉल लगाने के लिए पैसे नहीं हैं। यह धारणा कम लागत और संसाधनपूर्ण विकल्पों को खोजने से पहले ही उसके सामने एक बाधा खड़ी कर देती है।

हालाँकि, एक तीसरा विद्यार्थी अलग तरह से सोचता है। वह कहता है, "क्यों न मैं कुछ कम से शुरू करूँ और उससे कुछ सीखूँ? मैं उन चीजों से शुरुआत कर सकता हूँ जो मेरे पास पहले से मौजूद हैं। इसी सोच के साथ, वह विद्यार्थी अपने

विचारों को कार्यों से जोड़ता है और एक छोटा सा कदम उठाता है—जैसे कि घर का बना खाद्य पदार्थ बेचना मेहंदी, लगाने जैसी सेवा देना। मेले के अंत तक, हो सकता है कि इस तीसरे विद्यार्थी ने अधिक लाभ न कमाया हो, लेकिन उसे कुछ ऐसा मिलता है जो उतना ही मूल्यवान है-आत्मविश्वास, व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक चुनौतियों से मिली सीख। यही अनुभव भविष्य में उद्यमी के रूप में विकास की नींव बनते हैं। **उद्यमिता का अर्थ 'विशेष' होना नहीं है। इसका सीधा संबंध इस बात से है कि आप चुनौतियों के प्रति कैसी सोच रखते हैं, कैसे कार्य करते हैं और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।**

जब हम उद्यमियों के बारे में सोचते हैं, तो अक्सर हमारे दिमाग में बड़े नाम, बड़ी कंपनियाँ, या बहुत सारा पैसा और विशेष प्रतिभा वाले लोग आते हैं। लेकिन क्या यह वाकई सच है? क्या उद्यमी जन्मजात होते हैं, या वे समय के साथ सीखते और आगे बढ़ते हैं? क्या सफल होने के लिए उनका अमीर या अत्यंत बुद्धिमान होना ज़रूरी है? वास्तव में वह क्या है, जो किसी व्यक्ति को 'उद्यमी' बनाता है?

उद्यमी का दृष्टिकोण

उद्यमी वह देख पाते हैं जिसे अक्सर दूसरे अनदेखा कर देते हैं। जहाँ ज़्यादातर लोगों को सिर्फ एक 'समस्या' दिखाई देती है, वहाँ उन्हें एक 'संभावना' नज़र आती है। वे संसाधनों की पूर्ति के लिए, किसी बड़े फंड या किसी प्रभावशाली व्यक्ति का इंतज़ार नहीं करते। उनकी शुरुआत एक विचार, एक सवाल या यहाँ तक कि किसी छोटी सी झुंझलाहट से भी हो सकती है।

अपनी रचनात्मकता, साहस और दृढ़ता के बल पर, वे छोटी-छोटी समझ को सार्थक कार्यों में बदल देते हैं। वे परीक्षण करते हैं, सीखते हैं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालते हैं और फिर से प्रयास करते हैं। ऐसा करके, वे केवल व्यवसाय ही नहीं खड़ा करते, बल्कि वे समाज के लिए समाधान, अवसर और सकारात्मक बदलाव का निर्माण करते हैं।

केस स्टोरी — स्केच से स्टार्टअप तक – एक्वाटैप की कहानी

एक छोटे से कस्बे में, कुछ विद्यार्थियों ने गौर किया कि बहुत से लोग सार्वजनिक नलों से पानी पीने से कतराते हैं क्योंकि वे नल देखने में अस्वच्छ लगते थे। इस समस्या को नज़रअंदाज़ करने के बजाय, उन विद्यार्थियों ने लोगों की समस्या को समझने की कोशिश की। उन्होंने सवाल पूछे और लोगों की बातों को ध्यान से सुना।

अपनी इन्ही बारीकियों और समझ के आधार पर, उन्होंने 'AquaTap' (एक्वाटैप) नाम के एक विचार का स्केच तैयार किया—एक ऐसा नल जिसमें फिल्टर साफ दिखाई देता था और पानी की शुद्धता बताने के लिए एक रंगीन इंडिकेटर लगा था। फिल्टर करने की प्रक्रिया को पारदर्शी और समझने में आसान बनाकर, उन्होंने यूज़र्स के बीच एक भरोसा पैदा किया अब लोग अपनी आँखों से देख सकते थे कि पानी सुरक्षित है।

जो सफर एक साधारण से स्केच से शुरू हुआ था, वह धीरे-धीरे एक वर्किंग मॉडल बना और बाद में एक स्टार्टअप में बदल गया। यह यात्रा सिखाती है कि सफल विचारों के लिए हमेशा बड़े निवेश की ज़रूरत नहीं होती। उनकी शुरुआत अक्सर समानुभूति, जिज्ञासा और कुछ नया करने के साहस से होती है।

प्रेरक सीख

कल्पना सरोज का जन्म महाराष्ट्र के एक छोटे से गाँव में हुआ और उनका बचपन अत्यधिक गरीबी में बीता। सामाजिक और आर्थिक दबावों के कारण, बहुत कम उम्र में ही उनकी शादी कर दी गई। जीवन कठिन था और उनके पास शिक्षा व संसाधनों की भारी कमी थी। उनके आसपास के कई लोगों का मानना था कि व्यापार और सफलता केवल अमीरों या उच्च शिक्षित लोगों के लिए ही बनी है।

कल्पना लगभग खाली हाथ मुंबई आ गईं। उन्होंने छोटे-मोटे कामों से शुरुआत की और बाद में कपड़े सिलकर बेचना शुरू किया। बहुत कम पैसों के साथ, उन्होंने धीरे-धीरे सीखा कि बाज़ार कैसे काम करता है, ग्राहकों का व्यवहार कैसा होता है और पैसों का प्रबंधन कैसे किया जाता है। वे कई बार असफल हुईं, पैसे गँवाए और तिरस्कार का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

वर्षों बाद, उन्होंने 'कमानी ट्यूब्स' नामक एक बंद फैक्ट्री की कमान संभाली, जिसके बारे में कई लोगों का मानना था कि इसे कभी पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता। अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और व्यावहारिक निर्णयों के माध्यम से, उन्होंने इसे फिर से एक लाभदायक कंपनी में बदल दिया। उनकी यह यात्रा दर्शाती है कि उद्यमिता किस्मत, पारिवारिक पृष्ठभूमि या बड़ी डिग्रियों के बारे में नहीं है—यह निरंतरता और समस्याओं को सुलझाने के कौशल के बारे में है। उनके योगदान के सम्मान में, उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक, पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

रुकें और सोचें

कल्पना सरोज के जीवन-सफर से आप कौन-सी विशेषता अपनाना चाहेंगे?

गतिविधि 2.1.1 उद्यमियों के बारे में मिथक और तथ्य

उद्यमियों के बारे में बहुत से लोगों की अपनी-अपनी राय हो सकती है, लेकिन वे सभी बातें सच नहीं होतीं। इस गतिविधि में, आप कुछ प्रचलित धारणाओं का परीक्षण करेंगे और तय करेंगे कि वे मिथक हैं या तथ्य। इससे आपको उद्यमिता के वास्तविक अर्थ और उसके निहितार्थों को समझने में सहायता मिलेगी।

उद्देश्य

- यह समझना कि उद्यमी अलग-अलग पृष्ठभूमियों और जीवन की विभिन्न परिस्थितियों से आते हैं।
- यह समझना कि उद्यमिता से जुड़े कौशल समय के साथ सीखे और विकसित किए जा सकते हैं।

निर्देश

- प्रत्येक कथन को ध्यान से पढ़ें।
- अपने सहपाठियों के साथ इस पर चर्चा करें या स्वयं इसके बारे में सोचें।
- फिर सही विचार को समझने के लिए दी गई व्याख्या को पढ़ें।

मिथक 1- उद्यमी पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते।

तथ्य: रचनात्मकता, नेतृत्व संवाद और निर्णय लेने जैसे उद्यमी कौशल अभ्यास और अनुभव के माध्यम से समय के साथ सीखे और सुधारे जा सकते हैं।

मिथक 2- केवल अमीर लोग ही व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

तथ्य: कई सफल उद्यमियों की शुरुआत सीमित धन, लेकिन मजबूत विचारों, योजना और मेहनत के साथ होती है। सीखने और दृढ़ता के साथ संसाधन अपने आप बढ़ते जाते हैं।

मिथक 3- असफलता का अर्थ है सब खत्म हो जाना।

तथ्य: असफलता अंत नहीं है। यह सीखने का एक अवसर है जो उद्यमियों को यह समझने में मदद करता है कि क्या बदलना है और कैसे सुधार करना है।

मिथक 4- उद्यमी अकेले काम करते हैं।

तथ्य: उद्यमी आमतौर पर टीम में काम करते हैं और सफल होने के लिए वे अपने मार्गदर्शकों, भागीदारों, ग्राहकों और समुदायों पर निर्भर होते हैं।

मिथक 5- पुरुष महिलाओं की तुलना में व्यवसाय में बेहतर होते हैं।

तथ्य: व्यावसायिक सफलता लिंग आधारित नहीं होते। रचनात्मकता, नेतृत्व, निर्णय लेने और समस्या सुलझाने जैसे कौशल किसी के भी द्वारा विकसित किए जा सकते हैं। अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं सफल व्यवसाय शुरू करने, प्रबंधित करने और उन्हें आगे बढ़ाने में समान रूप से सक्षम हैं।

चिंतन

प्र.1. किस मिथक ने आपको सबसे ज्यादा हैरान किया? और क्यों?

....

प्र.2. क्या किसी तथ्य ने उद्यमियों के बारे में आपकी सोच को बदला है?

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमी केवल धन या भाग्य से नहीं पहचाने जाते—उन्हें जिज्ञासा, समानुभूति , साहस और निरंतर सीखने के कौशलों से पहचाना जाता है। सही मानसिकता के साथ, कोई भी इस यात्रा की शुरुआत कर सकता है।

मिथकों पर पुनर्विचार: वास्तविक उद्यमियों से सीख

साप्ताहिक कार्य

प्रेरणा सीख और 'मिथक एवं तथ्य' गतिविधि के आधार पर

प्र.1. उद्यमियों के बारे में किसी एक ऐसे मिथक (गलत धारणा) को पहचानें जिसे आप पहले सच मानते थे।

....

प्र.2. इस गतिविधि के किस तथ्य या वास्तविक उदाहरण ने आपकी सोच बदल दी? संक्षेप में समझाएं।

....

प्र.3. कल्पना सरोज की यात्रा से, किसी एक ऐसे उद्यमशीलता के गुण का उल्लेख करें जिसकी आप सराहना करते हैं और जिसे आप स्वयं में विकसित करना चाहेंगे।

....

आत्म-चिंतन

प्र.1. आपको क्या लगता है कि आपके भीतर उद्यमशीलता का कौन सा गुण पहले से मौजूद है?

....

प्र.2. आप अपने अंदर उद्यमशीलता के और किन गुणों का विकास करना चाहेंगे?

....

2.2 उद्यमशीलता के गुणों को समझना

उद्यमियों की पहचान केवल उनके द्वारा शुरू किए गए व्यवसायों से नहीं होती। वे अपनी उन खूबियों और आदतों से पहचाने जाते हैं, जो वे रोजमर्रा की स्थितियों का सामना करते समय दिखाते हैं। इन गुणों को उद्यमशीलता के गुण कहा जाता है। ये गुण यह तय करते हैं कि कोई व्यक्ति समस्याओं को सुलझाते, दूसरों की मदद करते या कुछ नया करने की कोशिश करते समय कैसा सोचता है, महसूस करता है और व्यवहार करता है। आइए, उन कुछ सामान्य गुणों को समझते हैं जो अक्सर उद्यमियों में पाए जाते हैं।

जिज्ञासा और अवलोकन

उद्यमी हमेशा ऐसे सवाल पूछते रहते हैं, जैसे— "ऐसा क्यों होता है?" या "क्या इसे और बेहतर तरीके से किया जा सकता है?" वे उन समस्याओं पर गौर करते हैं जिन्हें अक्सर दूसरे लोग अनदेखा कर देते हैं।

सोचें: ऐसी कौन सी समस्या है जो आप अपने स्कूल या पड़ोस में देखते हैं?

दूसरों के प्रति समानुभूति

उद्यमी यह समझने की कोशिश करते हैं कि लोग कैसा महसूस करते हैं और उनकी ज़रूरतें क्या हैं। यह उन्हें ऐसे समाधान तैयार करने में मदद करता है जो उपयोगी और सार्थक हों।

खुद से पूछें: इस समस्या का सामना कौन कर रहा है और यह उन्हें किस तरह प्रभावित करती है?

जोखिम उठाने की इच्छा

कुछ भी नया शुरू करने में हमेशा अनिश्चितता शामिल होती है। उद्यमी सोचे समझकर जोखिम उठाते हैं—वे सफलता की गारंटी न होने पर भी सोचते हैं, योजना बनाते हैं और फिर कदम उठाते हैं।

चिंतन : क्या आपने कभी कुछ ऐसा नया करने की कोशिश की है, जिसमें आपको परिणाम का भरोसा न रहा हो?

दृढ़ता और लचीलापन

कोई भी कार्य हमेशा पहली कोशिश में सफल नहीं होता। उद्यमी असफलताओं के बाद भी हार नहीं मानते और आगे बढ़ते रहते हैं। वे सीखते हैं, सुधार करते हैं और फिर से प्रयास करते हैं।

याद रखें: हर गलती कुछ न कुछ मूल्यवान सिखाती है।

समस्याओं को सुलझाने में रचनात्मकता

कोई भी कार्य हमेशा पहली कोशिश में सफल नहीं होता। उद्यमी असफलताओं के बाद भी हार नहीं मानते और आगे बढ़ते रहते हैं। वे सीखते हैं, सुधार करते हैं और फिर से प्रयास करते हैं।

याद रखें: हर गलती कुछ न कुछ मूल्यवान सिखाती है।

गतिविधि 2.2.1 उद्यमशीलता के गुणों को पहचानें

उद्देश्य

- यह पहचानना कि रोज़मर्रा की स्थितियों में प्रमुख उद्यमशील गुण कैसे दिखाई देते हैं।
- यह समझना कि उद्यमशीलता की शुरुआत सोच और व्यवहार से होती है।
- यह जोड़ना कि वास्तविक जीवन के कार्यों को उद्यमशील सोच के साथ कैसे देखा जा सकता है।
- यह पहचानना कि छोटे-छोटे कार्य भी मजबूत उद्यमशील गुणों को दर्शा सकते हैं।

जिज्ञासा और अवलोकन, समानुभूति , रचनात्मकता, दृढ़ता और लचीलापन, जोखिम उठाने की इच्छा।

निर्देश

- प्रत्येक स्थिति को ध्यान से पढ़ें।
- प्रत्येक मामले में आपको जो उद्यमशीलता का गुण दिखाई दे, उसे लिखें।

1. सुभान ने गौर किया कि कई विद्यार्थियों को अपनी नोटबुक व्यवस्थित रखने में परेशानी होती है। उसने बेकार कागजों का उपयोग करके सरल, कम लागत वाले 'नोटबुक डिवाइडर' बनाना शुरू किया और अपने सहपाठियों के साथ उनका परीक्षण किया।
   दर्शाया गया गुण : ....
   ....

2. अमन द्वारा हाथ से बनाई गई मोमबत्तियों का पहला स्टॉक ठीक से नहीं बिका। हार मानने के बजाय, उसने ग्राहकों से प्रतिक्रिया मांगी और उनके डिज़ाइन और खुशबू में सुधार किया।
   दर्शाया गया गुण : ....
   ....

3. मेहुल ने देखा कि उसके पड़ोस के बुजुर्गों को मोबाइल ऐप इस्तेमाल करने में कठिनाई होती है। उसने धैर्यपूर्वक उन्हें स्टेप्स समझाए और उनके लिए एक सरल मार्गदर्शिका तैयार की।
   दर्शाया गया गुण : ....
   ....

4. रूबी इको फ्रेंडली बैग बनाने के लिए बाजार से नया सामान ना खरीद कर, घर पर बचे हुए पुराने कपड़ों का प्रयोग करती है। उसने कचरे और लागत को काम करने का एक रचनात्मक समाधान खोजा।
   दर्शाया गया गुण : ....
   ....

5. जॉयस ने स्कूल मेले में अपनी पॉकेट मनी से पौधों का स्टॉल लगाया, भले ही उसे पता था कि शुरुआत में लाभ न भी हो सकता है।
   दर्शाया गया गुण: ....
   ....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमशीलता के गुण रोजमर्रा के कार्यों में झलकते हैं, जैसे समस्याओं का अवलोकन करना, समानुभूति दिखाना, रचनात्मक तरीके से सोचना, असफलता के बाद भी डटे रहना और सोच-समझकर जोखिम उठाना।

इन गुणों को विकसित करने से शिक्षार्थियों को आत्मविश्वास से भरपूर समस्या-समाधानकर्ता बनने में मदद मिलती है, जो भविष्य में छोटी चुनौतियों को भी सार्थक अवसरों में बदल सकते हैं।

व्यवहार में उद्यमशीलता के गुणों की पहचान

साप्ताहिक कार्य

अपने स्कूल, घर या पड़ोस के दैनिक जीवन के बारे में सोचें।

प्र.1. किसी ऐसी वास्तविक स्थिति का वर्णन करें जहाँ आपने या आपके किसी परिचित ने किसी छोटी समस्या या चुनौती का सामना किया हो।

....

....

प्र.2. समझाएं कि उस स्थिति से निपटने के लिए क्या कदम उठाया गया या क्या कार्रवाई की गई।

....

....

प्र.3. उस कार्रवाई में दिखाई देने वाले किसी एक उद्यमशीलता के गुण की पहचान करें (जैसे जिज्ञासा, समानुभूति , रचनात्मकता, दृढ़ता, या जोखिम उठाने की इच्छा)।

....

....

प्र.4. इस गुण को विकसित करना भविष्य में आपकी किस प्रकार मदद कर सकता है, इस पर एक वाक्य लिखें।

....

2.3 एक उद्यमी के रूप में खुद को समझना

हर उद्यमी अपनी यात्रा की शुरुआत खुद को समझने से करता है। उद्यमशीलता का मतलब यह नहीं है कि आपके भीतर शुरू से ही सभी सही गुण मौजूद हों। सबसे ज़्यादा मायने यह रखता है कि आप उन गुणों को पहचानें जो आपके पास पहले से हैं और उन गुणों को चिन्हित करें जिन्हें आप विकसित करना चाहते हैं। उद्यमशीलता के गुण समय के साथ जागरूकता, अभ्यास और छोटे-छोटे रोज़मर्रा के कार्यों से बढ़ते हैं। अपनी खूबियों और सुधार के क्षेत्रों पर विचार करके, आप एक उद्यमशील मानसिकता विकसित करने की दिशा में अपना पहला कदम उठाते हैं।

गतिविधि 2.3.1 मेरा उद्यमशील स्वरूप

उद्देश्य

- यह समझना कि अपनी शक्तियों और सुधार के क्षेत्रों पर आत्म-चिंतन करना क्यों महत्वपूर्ण है।
- यह पहचानना कि अपने भीतर प्रमुख उद्यमशील गुण कैसे विकसित हो सकते हैं।

निर्देश

प्रत्येक उद्यमशीलता के गुण को ध्यान से पढ़ें। जिन गुणों को आप महसूस करते हैं कि वे आपमें पहले से हैं, उन पर सही (✓) का निशान लगाएं। जिन गुणों को आप और विकसित करना चाहते हैं, उन पर गोला (✗) लगाएं। आप एक ही गुण पर सही का निशान और गोला दोनों लगा सकते हैं, यदि आपको लगता है कि वह गुण आपमें प्रतिशत तक है लेकिन आप उसे और सुधारना चाहते हैं।

उद्यमशीलता गुण सूची

- ☐ जिज्ञासा – मुझे प्रश्न पूछना और यह समझना पसंद है कि चीजें कैसे काम करती हैं।
- ☐ रचनात्मकता – मुझे नए विचारों या अलग-अलग समाधानों के बारे में सोचना अच्छा लगता है।
- ☐ समानुभूति – मैं यह समझने की कोशिश करती/करता हूँ कि दूसरे लोग कैसा महसूस करते हैं और उन्हें क्या चाहिए।
- ☐ आत्मविश्वास – मैं अपने विचार और मत दूसरों के साथ साझा करने के लिए तैयार रहती/रहता हूँ।
- ☐ जोखिम उठाना – सफलता का भरोसा न होने पर भी मैं कोशिश करने के लिए तैयार रहता/रहती हूँ।
- ☐ समस्या समाधान – मुझे समस्याओं को ठीक करना या बेहतर तरीके खोजना पसंद है।
- ☐ दृढ़ता – चीजें कठिन होने पर मैं आसानी से हार नहीं मानता/मानती।
- ☐ टीम वर्क – मैं दूसरों के साथ मिलकर अच्छा काम कर सकता/सकती एमएलएमहूँ और अलग-अलग विचारों का सम्मान करता/करती हूँ।
- ☐ अनुशासन – मैं अपने काम की योजना बना सकता/सकती हूँ और अपनी दिनचर्या का पालन करता हूँ।
- ☐ नेतृत्व – मैं दूसरों का मार्गदर्शन कर सकती /सकता हूँ या ज़रूरत पड़ने पर ज़िम्मेदारी ले सकती /सकता हूँ।

सोचो और लिखो

प्र.1. वह गुण। जिसमें मैं सबसे मज़बूत हूँ।

....

....

प्र.2. एक गुण जिसे मैं वास्तव में विकसित करना चाहता हूँ।

....

....

प्र.3. उस गुण को सुधारने के लिए मैं इस महीने कौन सा एक छोटा कदम उठा सकता हूँ।

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमी की पहचान उसकी उम्र, धन या पृष्ठभूमि से नहीं होती। सबसे अधिक महत्व समानुभूति, लचीलापन और जिज्ञासा जैसे गुणों का होता है। उद्यमशीलता के बारे में कई सामान्य धारणाएँ केवल मिथक होती हैं। वास्तविक उद्यमी लगातार सीखते हैं, स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढालते हैं और प्रयास करना जारी रखते हैं।

याद रखें

बड़े उद्यमी छोटे-छोटे दैनिक कार्यों से आगे बढ़ते हैं। इस सप्ताह उठाया गया एक विचारशील कदम जीवन के लिए एक मज़बूत आदत बन सकता है।

स्वच्छता अभियान के दौरान, कक्षा के विद्यार्थियों ने देखा कि अलग-अलग प्रकार का कचरा अक्सर एक ही कूड़ेदान में डाल दिया जाता था। आरुषि ने कागज और प्लास्टिक के कचरे के लिए अलग-अलग डिब्बे रखने का सुझाव दिया। उसने अपने सहपाठियों को डिब्बों पर लेबल लगाने में मदद करने के लिए मनाया और समझाया कि कचरे को अलग-अलग करना क्यों महत्वपूर्ण था। जब शुरू में कुछ विद्यार्थियों ने इस व्यवस्था को अनदेखा किया, तब भी उसने धैर्यपूर्वक उन्हें याद दिलाया और अपने प्रयासों को तब तक जारी रखा जब तक कि अधिकांश कक्षा ने इस पद्धति का पालन करना शुरू नहीं कर दिया।

प्र.1. आरुषि ने अपने आस-पास क्या समस्या देखी?

....

....

प्र.2. स्थिति को संभालते समय उसने कौन सा उद्यमशील गुण प्रदर्शित किया?

....

....

प्र.3. उसके कार्यों ने सभी के लिए स्थिति को बेहतर बनाने में कैसे मदद की?

....

....

प्र.4. क्या आप ऐसी ही किसी स्थिति के बारे में सोच सकते हैं जहाँ आप इस तरह का गुण दिखा सकें?

....

....

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपको क्या लगता है कि कौन सा उद्यमशील गुण सबसे महत्वपूर्ण है? और क्यों?

....

....

प्र.2. उद्यमशीलता के बारे में किस भ्रम या मिथक ने आपको सबसे ज्यादा हैरान किया?

....

....

प्र.3. 'एक्वा-टैप' की कहानी पढ़ने के बाद उद्यमियों के बारे में आपकी सोच में क्या बदलाव आया?

....

....

संकल्पना

1. **उद्यमी -** वह व्यक्ति जो अपने आस-पास की समस्याओं को पहचानता है और उनके लिए ऐसे व्यावहारिक समाधान निकालता है, जो समाज के लिए उपयोगी हों।
2. **उद्यमशील गुण-** जिज्ञासा, समानुभूति, रचनात्मकता, दृढ़ता, आत्मविश्वास, टीम वर्क और जोखिम उठाने की इच्छा जैसे गुण, जो किसी व्यक्ति के सोचने और काम करने के तरीके को आकार देते हैं।
3. **पैसे से ऊपर मानसिकता-** उद्यमशीलता की शुरुआत आपके नजरिए और कार्यों से होती है, न कि आपकी संपत्ति या पृष्ठभूमि से।
4. **भ्रम बनाम तथ्य -** उद्यमी जन्मजात 'खास' नहीं होते, वे हमेशा अकेले काम नहीं करते और न ही उन्हें अमीर होने की जरूरत है—ये सब सामान्य भ्रम हैं। इन कौशलों को सीखा और सुधारा जा सकता है।
5. **असफलता से सीखना -** गलतियाँ सीखने, सुधार करने और बेहतर समझ के साथ दोबारा प्रयास करने के अवसर होती हैं।

मुख्य संदेश

छोटे-छोटे दैनिक कार्य और सोच-समझकर अपनाई गई आदतें समय के साथ उद्यमी गुणों का विकास करती हैं।

अध्याय 03

उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र-संरचना और कार्यप्रणाली

कालांश 3

यह अध्याय उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना का परिचय कराता है। इसमें बताया गया है कि विभिन्न व्यक्ति और संस्थाएँ मिलकर उद्यमियों को उनकी यात्रा के अलग-अलग चरणों में किस प्रकार सहयोग प्रदान करती हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट करता है कि विचारों को सफल व्यवसाय में बदलने की प्रक्रिया में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी इस योग्य बन पाएंगे कि वे

- उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख घटकों (मुख्य भागीदारों) की पहचान कर सकें और यह समझ सके कि वे एक-दूसरे का कैसे सहयोग करते हैं।
- उदाहरणों के साथ स्टार्टअप, वेंचर और व्यवसाय के बीच अंतर स्पष्ट कर सकें।
- यह वर्णन कर सके कि भारत के विभिन्न शहर और क्षेत्र किस प्रकार उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्रके रूप में कार्य करते हैं।

3.1 उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र

उद्यमशीलता पारितंत्र, वह सामाजिक और आर्थिक वातावरण है, जो नए उद्यमों (व्यवसायों) को विकसित होने में सहायता करता है। यह लोगों, व्यवसायों और संस्थाओं का एक समूह होता है, जो किसी उद्यमी को एक विचार को सफल व्यवसाय में बदलने में मदद करता है। कोई भी कंपनी अकेले अपने दम पर विस्तार नहीं कर सकती और लंबे समय तक व्यवसाय में नहीं टिक सकती। उसे धन, मार्गदर्शन, ग्राहकों और अन्य प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होती है।

प्रेरक सीख

SEWA (Self Employed Women's Association) एक बरगद के पेड़ की तरह है, जहाँ महिलाएँ यूनियन, सहकारी समितियों और छोटे व्यवसायों के माध्यम से एक-दूसरे का सहयोग करती हैं। इसकी स्थापना इला भट्ट ने 12 अप्रैल 1972 को की थी। आज SEWA, भारत के असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं का सबसे बड़ा ट्रेड यूनियन है जिसके 20 राज्यों में लगभग 37 लाख सदस्य हैं। इसका मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में स्थित है।

SEWA उन महिलाओं के साथ काम करता है, जिन्हें सामान्य तौर पर नौकरी की सुरक्षा, नियमित आय या सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती जबकि वे अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को पूर्ण रोज़गार दिलाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

केस स्टोरी

क्या सभी व्यवसाय एक जैसे होते हैं?

दोस्त अपने भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए मिले।

वह बोली, “जब लोग मेरे बनाए बुकमार्क चुनेंगे और मुस्कुराएँगे तो मुझे बहुत खुशी होगी!” इसके बाद अर्जुन ने कहा, “मैं और मेरा चचेरा भाई डिलीवरी में होने वाली देरी की समस्या हल करने के लिए एक ऐप बना रहे हैं।”

वह उत्साहित होकर बोला, “अभी यह सिर्फ एक विचार है लेकिन बहुत रोमांचक है!” फिर मेहुल ने कहा, “मेरे परिवार की किराने की दुकान कई सालों से चल रही है। यह विश्वसनीय और स्थिर व्यवसाय है।”

हर दोस्त अपनी-अपनी तरह से मेहनत कर रहा था। एक ने कहा, “मैं एक छोटा व्यवसाय शुरू कर रही हूँ।” दूसरे ने कहा, “मैं कुछ नया बना रहा हूँ।” और तीसरे ने कहा, “हम सभी अपने-अपने तरीके से मूल्य बना कर रहे हैं।”

आयरा विद्यालय मेले के लिए हाथ से बुकमार्क बना रही थी। वह केवल अपने दम पर एक छोटा अतिरिक्त काम करके देखना चाहती थी। अर्जुन और उसके कज़िन ने इस बारे में चर्चा की कि वे अपने क्षेत्र में डिलीवरी में होने वाली देरी की समस्या को हल करने के लिए एक ऐप कैसे बनाएँगे। उनके पास केवल अपने विचार और जिज्ञासा ही साधन थे। मेहुल ने बताया कि उसके परिवार का किराने का व्यवसाय बीस वर्षों से चल रहा है और ईमानदार तथा विश्वसनीय सेवा के कारण ग्राहकों का विश्वास बना हुआ है।

हर व्यवसाय अलग होता है, लेकिन सभी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्हें समझ में आया कि भले ही तीनों अपने-अपने तरीके से बदलाव ला रहे थे लेकिन उनका काम अलग-अलग था। एक पारिवारिक व्यवसाय था जिसकी लंबी परंपरा थी, दूसरा एक नया स्टार्टअप विचार था और तीसरा एक छोटा व्यवसायिक प्रयास। उन्होंने यह भी समझा कि मित्रों, परिवार और ग्राहकों का सहयोग उनकी सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसी सहयोग के जाल (नेटवर्क) को “उद्यमशीलता पारितंत्र” कहा जाता है।

गतिविधि 3.1.1 उद्यमी सहयोग तंत्र को समझना

एक विद्यार्थी के पास एक अच्छा व्यवसायिक विचार हो सकता है लेकिन सफलता के लिए उसे धन, ग्राहक, मार्गदर्शन और उचित नियमों की आवश्यकता होती है। कोई भी उद्यमी अकेले काम नहीं करता। वे सहयोग देने वाले लोगों और संस्थाओं के एक समूह पर निर्भर करते हैं, जिन्हें पारिस्थितिकी तंत्र के घटक कहा जाता है। ये लोग धन, सलाह, कार्यस्थल और अन्य सहायता प्रदान करते हैं। यह गतिविधि आपको समझने में मदद करेगी कि ये सभी घटक मिलकर एक छोटे विचार को सफल उद्यम में कैसे बदलते हैं।

उद्देश्य

- यह समझना कि उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का क्या अर्थ होता है।
- यह पहचानना कि विभिन्न घटक मिलकर किस प्रकार एक उद्यमी की सहायता करते हैं और व्यवसाय को बढ़ाने में योगदान देते हैं।

निर्देश

नीचे दिए गए पारिस्थितिकी तंत्र के घटकों (सदस्यों) के नाम और उनकी भूमिकाएँ पढ़ें। हर घटक को उसकी सही भूमिका से मिलाएँ और सही विकल्प खाली स्थान में लिखें।

निम्नलिखित का मिलान करें

क्रम	पारिस्थितिकी तंत्र के घटक	सही विकल्प	विवरण
1.	निवेशक	अ	उत्पाद या सेवाएँ खरीदता है
2.	ग्राहक	ब	पूँजी या धन प्रदान करता है
3.	इनक्यूबेटर	स	नियम और नीतियां बनाते है जो व्यवसायों का समर्थन करते हैं
4.	सरकार	द	स्थान, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करता है

चिंतन

प्र.1. उद्यमी को व्यवसाय शुरू करने में कौन सहायता करता है?

....

....

प्र.2. उद्यमी को व्यवसाय के विचार को आगे बढ़ाने और सुधारने में कौन मदद करता है?

....

....

प्र.3. व्यवसायों के काम करने के लिए सुरक्षित और सहयोगी वातावरण कौन तैयार करता है?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमशीलता अकेले की यात्रा नहीं है। एक सफल व्यवसाय ऐसे पारिस्थितिकी तंत्रमें विकसित होता है जहाँ निवेशक, ग्राहक, इनक्यूबेटर और सरकार सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ये सभी घटक मिलकर काम करते हैं तो वे ऐसा सहयोग तंत्र तैयार करते हैं, जो विचारों को स्थायी उद्यम (sustainable ventures) में बदलने में मदद करता है।

उद्यमी सहायता चक्र

साप्ताहिक कार्य

प्र.1. उद्यमी को व्यवसाय शुरू करने में कौन सहायता करता है?

....

प्र.2. उद्यमी को व्यवसाय बढ़ाने में कौन मदद करता है?

....

प्र.3. सुरक्षित और सहयोगी वातावरण बनाने में कौन सहायता करता है?

....

3.2 स्टार्टअप, वेंचर और व्यवसाय के बीच अंतर

आप किसी भी आय कमाने वाली गतिविधि को व्यवसाय कह सकते हैं लेकिन हर व्यवसाय की शुरुआत एक विचार से होती है। यह विचार अलग-अलग चरणों से गुजरता है— स्टार्टअप, वेंचर और अंत में एक स्थापित व्यवसाय बनता है। आइए समझें कि एक छोटा प्रयोग कैसे स्थायी आय का स्रोत बन जाता है।

स्टार्टअप – विचार का चरण

स्टार्टअप, व्यवसायिक यात्रा का पहला चरण है। इसकी शुरुआत एक विचार से होती है और एक महत्वपूर्ण प्रश्न से— क्या यह काम करेगा? इस चरण में ध्यान मुख्य रूप से प्रयास करने, सीखने और सुधार करने पर होता है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई विद्यार्थी अपने सहपाठियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए विद्यालय में हाथ से बने बुकमार्क बेचता है तो वह एक स्टार्टअप है। इसका उद्देश्य बड़ा लाभ कमाना नहीं बल्कि यह समझना है कि विचार उपयोगी है या नहीं।

स्टार्टअप की मुख्य विशेषताएँ

1. विचार नया होता है और अभी परखा नहीं गया होता।
2. जोखिम और अनिश्चितता अधिक होती है।
3. ध्यान लाभ पर नहीं बल्कि सीखने पर होता है।
4. छोटे स्तर पर और लचीले तरीके से काम किया जाता है।

वेंचर – विकास का चरण

जब स्टार्टअप अच्छा प्रदर्शन करने लगता है तो वह वेंचर बन जाता है। अब विचार को पहचान मिल चुकी होती है और वह अधिक योजनाबद्ध तरीके से बढ़ रहा होता है।

वेंचर की मुख्य विशेषताएँ

1. उत्पाद या सेवा को बेहतर बनाना।
2. अधिक ग्राहकों तक पहुँचना।
3. समय, धन और टीमवर्क का बेहतर प्रबंधन।

उदाहरण के लिए, यदि वही छात्र विद्यालय के बाहर भी अपने बुकमार्क बेचने लगे, ऑनलाइन ऑर्डर लेने लगे और बिक्री बढ़ाने लगे तो स्टार्टअप वेंचर में बदल जाता है।

वेंचर के महत्वपूर्ण पहलू

विचार को परखा जा चुका है और उसे बेहतर बनाया गया है। ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। बेहतर योजना और टीम के साथ काम करने की आवश्यकता होती है। जोखिम अभी भी है लेकिन दिशा स्पष्ट होती जा रही है।

व्यवसाय – स्थिरता का चरण

जब वेंचर स्थिर हो जाता है और नियमित रूप से आय कमाने लगता है, तब वह एक स्थापित व्यवसाय बन जाता है। विचार अब प्रमाणित हो चुका होता है, काम व्यवस्थित हो जाता है और ग्राहक भरोसे के साथ लौटते हैं।

उदाहरण के लिए, एक स्टेशनरी की दुकान जहाँ निश्चित मूल्य हों, नियमित ग्राहक हों और दैनिक काम सुचारु रूप से चलता हो, वह एक व्यवसाय है।

व्यवसाय की मुख्य विशेषताएँ

1. प्रमाणित और स्थिर मॉडल।
2. नियमित और भरोसेमंद आय।
3. पहले के चरणों की तुलना में कम जोखिम।
4. स्पष्ट भूमिकाएँ और व्यवस्थित प्रक्रियाएँ।

गतिविधि 3.2.1 उद्यमी की यात्रा - स्टार्टअप , वेंचर और व्यवसाय

उद्देश्य

- यह समझना कि मुख्य विशेषताओं के आधार पर स्टार्टअप, वेंचर और व्यवसाय के बीच क्या अंतर होता है।
- यह पहचानना कि जोखिम, पैमाना, नवाचार और स्थिरता जैसे संकेतों के आधार पर किसी विचार के स्तर का विश्लेषण कैसे किया जा सकता है।

निर्देश

नीचे दिए गए परिदृश्यों को देखें और तय करें कि वह व्यक्ति स्टार्टअप, वेंचर या व्यवसाय में से क्या चला रहा है।

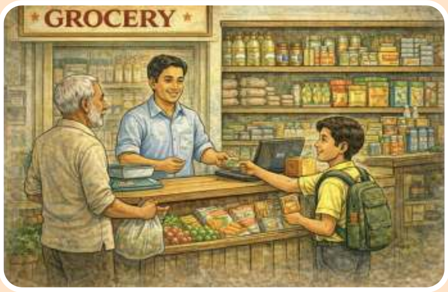

परिदृश्य अ

राहुल अपने पड़ोस में एक पारंपरिक किराने की दुकान खोलता है। वह उन वस्तुओं को बेचता है जिनकी सभी को ज़रूरत होती है और उसकी दैनिक आय स्थिर है।

यात्रा के प्रकार

....

परिदृश्य ब

अनन्या एक नया ऐप बनाती है जो दृष्टिबाधित लोगों को उनके फोन कैमरे के माध्यम से देखने में मदद करने के लिए AI का उपयोग करता है। वह वर्तमान में दस लोगों के साथ इसका परीक्षण कर रही है।

यात्रा का प्रकार

....

परिदृश्य स

दोस्तों का एक समूह अपनी बचत को शहर की गगनचुंबी इमारतों में वर्टिकल फार्म (Vertical farms) बनाने के लिए एक उच्च-जोखिम वाली परियोजना (High-risk project) में निवेश करने का निर्णय लेता है।

यात्रा का प्रकार

....

विकास पर चर्चा

अपनी टीम में इन प्रश्नों पर चर्चा करें और संक्षिप्त उत्तर लिखें:

प्र.1. नवाचार: इन तीनों (स्टार्टअप, वेंचर, व्यवसाय) में से किसके द्वारा पूरी दुनिया के काम करने के तरीके को बदलने की सबसे अधिक संभावना है? और क्यों?

....

....

प्र.2. जोखिम : एक स्टार्टअप को पारंपरिक व्यवसाय की तुलना में अधिक जोखिम भरा क्यों माना जाता है?

....

....

परिवर्तन की कहानी

साप्ताहिक कार्य

किसी प्रसिद्ध कंपनी को चुनें (जैसे एप्पल, जोमैटो कोई आपका पसंदीदा स्थानीय ब्रांड)। उसके बारे में जानकारी खोजें-

- वह एक स्टार्टअप कब थी? (उनका नया विचार या इनोवेटिव आइडिया क्या था?)
- वह एक व्यवसाय कैसे बनी? (वे आज भी नियमित रूप से कैसे बेचते हैं?)

3.3 केस स्टोरी: भारत के उद्यमशीलता केंद्र

भारत के विभिन्न हिस्से उद्यमशीलता को अलग-अलग तरीकों से सहायता प्रदान करते हैं। कुछ स्थान मजबूत तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं जबकि अन्य बाज़ारों तक पहुँच, सरकारी पहल, कुशल श्रमिक, या लंबे समय से चली आ रही व्यावसायिक संस्कृति प्रदान करते हैं। ये कारक मिलकर यह प्रभावित करते हैं कि व्यवसाय कैसे शुरू होते हैं, बढ़ते हैं और सफल होते हैं। उपलब्ध संसाधनों और सहायता के कारण कुछ शहर और राज्य विशिष्ट प्रकार के स्टार्टअप और उद्योगों के लिए जाने जाते हैं। एक मजबूत उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र स्थान, लोगों, नीतियों और अवसरों को एक साथ लाता है, जिससे साधारण विचारों को भी सफल उद्यमों में बदलने में मदद मिलती है।

1. **बेंगलुरु – भारत की सिलिकॉन वैली**

   बेंगलुरु को भारत के टेक्नोलॉजी स्टार्टअप हब के रूप में जाना जाता है। यहाँ कुशल आईटी व्यवसायी, वैश्विक तकनीकी कंपनियों, निवेशकों और स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स का एक बड़ा समूह है। यह मजबूत इकोसिस्टम नवाचार और

प्रयोगों को प्रोत्साहित करता है। फ्लिपकार्ट और स्विगी जैसे प्रसिद्ध स्टार्टअप बेंगलुरु में तकनीकी विशेषज्ञता, मजबूत नवाचार संस्कृति और निवेशक नेटवर्क तक आसान पहुँच के कारण विकसित हुए। यह शहर दिखाता है कि कैसे प्रतिभा और तकनीक मिलकर उद्यमशीलता को आगे बढ़ा सकते हैं।

2. **दिल्ली-एनसीआर – मार्केट कनेक्टर**

   दिल्ली-एनसीआर स्टार्टअप्स को बड़े बाज़ारों, मीडिया घरानों और सरकारी संस्थानों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ई-कॉमर्स, शिक्षा, लॉजिस्टिक्स और सेवा जैसे क्षेत्रों में व्यवसायों को सहायता प्रदान करता है। यह क्षेत्र स्टार्टअप्स को ग्राहकों, नीति निर्माताओं और फंडिंग के अवसरों तक सीधी पहुँच प्रदान करता है। यह दिल्ली-एनसीआर को इस बात का उदाहरण बनाता है कि कैसे बाज़ार तक पहुँच और नीतिगत सहायता उद्यमशीलता को मजबूत करती है।

3. **हैदराबाद – उभरता हुआ नवाचार केंद्र**

   मजबूत सरकारी पहल, किफायती बुनियादी ढांचे और टी-हब जैसे नवाचार केंद्रों के कारण हैदराबाद एक तेजी से बढ़ते स्टार्टअप हब के रूप में उभरा है। यह शहर विशेष रूप से बायोटेक, हेल्थ-टेक और सास स्टार्टअप्स के लिए जाना जाता है। एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, हैदराबाद यह दर्शाता है कि कैसे नियोजित सरकारी सहायता उद्यमशीलता के विकास को बढ़ावा दे सकती है।

4. **गुजरात – उद्यमशीलता का पावरहाउस**

   गुजरात में उद्यमशीलता और व्यवसाय की एक लंबी संस्कृति रही है। राज्य औद्योगिक पार्कों स्टार्टअप-अनुकूल नीतियों और निर्माण एवं एम एस एम ई (M.S.M.E) के लिए मजबूत समर्थन के माध्यम से स्टार्टअप्स को बढ़ावा देता है। अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा जैसे शहर कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और व्यापार में स्टार्टअप्स के लिए जाने जाते हैं। यहाँ का व्यवसाय-अनुकूल वातावरण और मजबूत सामुदायिक नेटवर्क दिखाते हैं कि कैसे संस्कृति और स्थानीय सहायता प्रणालियाँ उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करती हैं।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

यह केस स्टडी इस बात पर प्रकाश डालती है कि उद्यमशीलता अकेले या अलग-थलग रहकर विकसित नहीं होती है। भारत के विभिन्न क्षेत्र अलग-अलग तरीकों से योगदान देते हैं, जैसे- तकनीक, बाज़ार, नवाचार सहायता, सरकारी नीतियों या व्यावसायिक संस्कृति के माध्यम से, जो भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विविध और गतिशील बनाते हैं।

गतिविधि 3.3.1 चिंतन प्रश्न

सोचो और लिखो

प्र.1. आप भारत के किस स्टार्टअप हब में काम करना चाहेंगे और क्यों?

....

....

....

प्र.2. आपके अनुसार एक नए उद्यमी के लिए इकोसिस्टम का सबसे महत्वपूर्ण घटक कौन है? क्यों?

....

....

....

प्र.3. क्या आपका कस्बा या शहर एक स्टार्टअप हब बन सकता है? इसे किस तरह की सहायता या बदलावों की आवश्यकता होगी?

....

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमशीलता की सफलता केवल विचारों पर ही नहीं बल्कि उन्हें सहारा देने वाले वातावरण पर भी निर्भर करती है। स्टार्टअप हब और इकोसिस्टम के घटक उद्यमियों को सीखने, आगे बढ़ने और सफल होने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन कारकों को समझकर, शिक्षार्थी बेहतर ढंग से समझ सकते हैं कि स्थानीय समुदाय उद्यमशीलता को कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं।

अपने आस-पास की उद्यमशीलता को समझना

साप्ताहिक कार्य

अपने स्थानीय परिवेश का अवलोकन करें। इसमें आपके पड़ोस की कोई दुकान, सर्विस प्रोवाइडर (जैसे मोबाइल रिपेयर या टेलर), घर से चलने वाला कोई व्यवसाय, या कोई छोटा स्टार्टअप शामिल हो सकता है। किसी एक स्थानीय उद्यम को चुनें और ध्यान से देखें कि वह कैसे काम करता है। उद्यम का प्रकार लिखें: क्या यह एक स्टार्टअप है, वेंचर है या एक स्थापित व्यवसाय है?

प्र.1. इस उद्यम को कौन सहायता प्रदान करता है?

....

....

....

....

प्र.2. किस तरह की सहायता की कमी है या किसमें सुधार किया जा सकता है? (उदाहरण के लिए-धन, प्रशिक्षण, डिजिटल टूल्स, मार्केटिंग, या मेंटरशिप)

....

....

....

....

संकल्पना

एक उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र वह संपूर्ण सहायता प्रणाली है जो एक विचार को एक छोटे प्रयोग से एक सफल व्यवसाय में बदलने में मदद करती है। जिस प्रकार एक पौधे को धूप, पानी और मिट्टी की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार एक उद्यमी को सफल होने के लिए लोगों, संसाधनों और सही वातावरण की आवश्यकता होती है।

इस पारिस्थितिकी तंत्र में शामिल हैं:

- **उद्यमी** – वे लोग जो विचारों को वास्तविकता में बदलते हैं।
- **ग्राहक** – वे लोग जो उत्पाद या सेवा का उपयोग करते हैं और उसके लिए भुगतान करते हैं।
- **निवेशक** – वे जो विचार को आगे बढ़ाने के लिए धन प्रदान करते हैं।
- **मेंटर्स** – अनुभवी मार्गदर्शक जो सलाह और दिशा देते हैं।
- **इनक्यूबेटर्स** – वे संगठन जो स्थान, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करते हैं।
- **सरकार** – नीतियाँ, योजनाएँ और नियम जो शुरुआत करना आसान बनाते हैं।
- **बाज़ार और तकनीक** – वे प्लेटफॉर्म जो ग्राहकों तक पहुँचने में मदद करते हैं।
- इस इकोसिस्टम में विचार तीन चरणों से गुजरते हैं:
  - **स्टार्टअप** – एक नए विचार का परीक्षण करना।
  - **वेंचर** – विचार को बढ़ाना और उसमें सुधार करना।
  - **व्यवसाय** – एक स्थिर, आय अर्जित करने वाली गतिविधि चलाना।

जब इकोसिस्टम के सभी हिस्से मिलकर काम करते हैं, तो उद्यमी तेजी से सीखने, मजबूती से बढ़ने और स्थायी रूप से सफल होने में सक्षम होते हैं।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमी न केवल अपने विचारों के कारण सफल होते हैं बल्कि उस पारिस्थितिकी तंत्रके कारण भी सफल होते हैं, जो उन्हें सहायता प्रदान करता है। मजबूत सहायता एक छोटे से विचार को भी एक सतत उद्यम में बदल सकती है।

मुख्य संदेश

उद्यमशीलता एक मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र के सहयोग से फलती-फूलती है, जिसमें लोग, संसाधन और संस्थाएँ मिलकर कार्य करते हैं। उद्यमियों को अपने विचारों को सतत व्यवसायों में बदलने के लिए मार्गदर्शन, वित्तपोषण, ग्राहकों और सहायक नीतियों की आवश्यकता होती है। जैसे-जैसे विचारों का परीक्षण और सुधार किया जाता है, वे विभिन्न चरणों—स्टार्टअप , वेंचर और व्यवसाय—से होकर विकसित होते हैं। अलग-अलग क्षेत्र उद्यमशीलता को अलग-अलग तरीकों से समर्थन देते हैं, जो यह दर्शाता है कि सही वातावरण मिलने पर छोटे विचार भी सफल उद्यमों के रूप में विकसित हो सकते हैं।

अध्याय 04

सोचने और निर्माण करने की कला

कलांश 5

यह अध्याय इस समझ पर आधारित है कि उद्यमिता केवल धन या व्यावसायिक योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत वास्तविक जीवन की स्थितियों को देखने, समस्याओं की पहचान करने और सार्थक समाधानों के बारे में सोचने से होती है। यह इस बात का अन्वेषण करता है कि कैसे जिज्ञासा, सवाल पूछने और ध्यानपूर्वक अवलोकन के माध्यम से नए विचार उभरते हैं। यह अध्याय शिक्षार्थियों को सोचने के एक उद्यमी तरीके को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है

सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी इस योग्य बन पाएंगे कि वे-

- वास्तविक जीवन के अवलोकनों के आधार पर विचार उत्पन्न करने तथा उन्हें व्यवस्थित करने के लिए SCAMPER और माइंड मैपिंग जैसे रचनात्मक सोच के उपकरणों का उपयोग करना।
- समूह में कार्य करते समय निर्णय लेने, सहयोग करने तथा नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करना।
- सतत और स्थायी विचारों के चयन तथा उन्हें उचित ठहराने के लिए 3P फ्रेमवर्क (People, Planet, Profit) का प्रयोग करना।

4.1 – एक समस्या, कई संभावनाएँ

आयरा ने अपने स्कूल में एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण समस्या पर ध्यान दिया। कई शिक्षार्थी अपनी पानी की बोतलें लाना भूल जाते थे। कुछ लोग बाहर से प्लास्टिक की बोतलें खरीदते थे, जिससे कचरा जमा होता था, जबकि अन्य दिन भर प्यासे ही रहते थे।

जहाँ कुछ शिक्षार्थियों ने इस मुद्दे को अनदेखा कर दिया और अन्यों ने केवल शिकायत की, वहीं आयरा ने खुद से पूछा, क्या होगा अगर इसका कोई सरल समाधान हो? उसने अपने सहपाठियों का अवलोकन करना और ब्रेक के दौरान उनसे बात करना शुरू किया और उनकी परेशानियों को समझने लगी। अपने दोस्तों के साथ विचारों पर चर्चा करने के बाद, उसने एक व्यावहारिक योजना बनाई।

आयरा ने कक्षा के दरवाजे के पास एक 'वॉटर बॉटल रिमाइंडर चार्ट' लगाने का सुझाव दिया और आपात स्थिति के लिए कुछ अतिरिक्त साफ बोतलों के साथ एक 'रिफिल वॉटर स्टेशन' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। उसने अपना विचार एक शिक्षक के साथ साझा किया और समझाया कि कैसे इससे प्लास्टिक का कचरा कम हो सकता है और छात्रों को हाइड्रेटेड रहने में मदद मिल सकती है।

आयरा ने पैसे या किसी बड़ी योजना से शुरुआत नहीं की। उसने जिज्ञासा, समानुभूति और विचारशील कार्रवाई के साथ शुरुआत की। और यहीं से वास्तव में उद्यमिता की शुरुआत होती है।

सोचें और लिखें

1. आयरा ने किस समस्या का अवलोकन किया?

   ....

   ....

2. उसकी प्रतिक्रिया दूसरों से किस प्रकार भिन्न थी?

   ....

   ....

रचनात्मकता

एक कौशल जिसे आप विकसित कर सकते हैं

रचनात्मकता

कोई दुर्लभ प्रतिभा नहीं है। यह एक ऐसा कौशल है जिसे कोई भी जिज्ञासा और अभ्यास के माध्यम से विकसित कर सकता है। इसकी शुरुआत तब होती है जब हम सवाल करते हैं कि चीजें कैसे काम करती हैं, बेहतर संभावनाओं की कल्पना करते हैं, नए विचारों को परखते हैं और गलतियों से सीखते हैं।

रचनात्मक सोच का अर्थ यह नहीं है कि पहली ही कोशिश में पूर्णता प्राप्त हो। यह एक सरल प्रक्रिया का पालन करती है जिस में अवलोकन, कल्पना, प्रयोग और सुधार करना आता है। छोटे-छोटे प्रश्न अक्सर बड़े परिवर्तन का कारण बनते हैं। उदाहरण के लिए, भारी वस्तुओं को ले जाने को आसान बनाने के लिए पहिये का आविष्कार किया गया और तेज़ संचार के लिए मैसेजिंग ऐप्स विकसित किए गए।

माइंड मैपिंग, स्कैम्पर, ब्रेनस्टॉर्मिंग, और रोल प्ले जैसे साधन विचारों को व्यावहारिक समाधानों में बदलने में मदद करते हैं।

रुकें और सोचें

अपने आस पास की किसी एक छोटी समस्या को पहचानकर शुरुआत करें।

संकल्पना

विचार-मंथन
विचारों का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान करें!
निर्णय नहीं, मात्रा पर ध्यान दें!
स्कैम्पर
S प्रतिस्थापन
क्या बदला जा सकता है?
C संयोजन
क्या हम साथ जुड़ सकते हैं?
A अनुकूलन
हम इसे कैसे समायोजित कर सकते हैं?
M संशोधन
हम क्या बदल सकते हैं?
P अन्य उपयोग में लाएँ
क्या इसका उपयोग करने का कोई नया तरीका है?
E हटाना
हम क्या हटा सकते हैं?
R पुनर्गठन
क्या हम स्विच या पुनर्गठित कर सकते हैं?
भूमिका निर्वाह
वास्तविक जीवन की स्थितियों का अभिनय करें!
ग्राहक
उपयोगकर्ता

गतिविधि 4.1.1 एक अन्वेषक की तरह सोचें (SCAMPER स्प्रिंट)

उद्देश्य

इस अध्याय के अध्ययन के उपरांत शिक्षार्थी सक्षम होंगे-

- यह समझना कि नवाचार रोज़मर्रा की साधारण वस्तुओं से भी शुरू हो सकता है।
- यह सीखना कि नए विचारों का इंतज़ार करने के बजाय मौजूदा विचारों को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

निर्देश

1. छोटे समूह बनाएँ - 3-4 शिक्षार्थियों के समूहों में काम करें।
2. नीचे लिखी प्रतिदिन की वस्तुओं में से किसी एक को चुनें-
   - स्कूल बैग
   - पानी की बोतल
   - टिफिन बॉक्स
3. SCAMPER पद्धति का उपयोग करके सोचें

4. इन प्रश्नों को पूछकर अपनी चुनी हुई वस्तु पर चर्चा करें-

   a. प्रतिस्थापन – क्या किसी हिस्से को किसी बेहतर चीज़ से बदला जा सकता है?

   ....

   ....

   ....

   b. संयोजन – क्या इसे किसी अन्य विशेषता या वस्तु के साथ जोड़ा जा सकता है?

   ....

   ....

   ....

   c. अनुकूलन–क्या इसे अलग-अलग उपयोगकर्ताओं या स्थितियों के लिए समायोजित किया जा सकता है?

   ....

   ....

   ....

   d. संशोधन–क्या इसका आकार, आकृति या डिज़ाइन बदला जा सकता है?

   ....

   ....

   ....

   e. अन्य उपयोग–क्या इसका उपयोग किसी नए या अलग तरीके से किया जा सकता है?

   ....

   ....

   ....

   f. हटाना–क्या इसमें कुछ भी अनावश्यक है जिसे हटाया जा सकता है?

   ....

   ....

   g. पुनर्व्यवस्था– क्या इसके हिस्सों को अलग तरह से व्यवस्थित या क्रम मे रखा जा सकता है?

   ....

   ....

5. एक समूह के रूप में, अपनी वस्तु के लिए कम से कम तीन बेहतर विचार लिखें। इसे अधिक उपयोगी, आरामदायक, सुरक्षित या सुविधाजनक बनाने पर ध्यान दें।

   ....

   ....

   ....

   ....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

नवाचार का अर्थ हमेशा कुछ बिल्कुल नया बनाना नहीं होता। अक्सर, इसका अर्थ उन चीज़ों को बेहतर बनाना होता है जो पहले से मौजूद हैं।

एक छोटी समस्या का समाधान करें

साप्ताहिक कार्य

नवाचार प्रतिदिन की ज़िंदगी को ध्यान से देखने और चीज़ों को बेहतर बनाने के सरल तरीके खोजने से शुरू होता है।

प्रत्येक खंड को ध्यान से पढ़ें और वर्कशीट को पूरा करें।

अपने घर, स्कूल या पड़ोस की दिनचर्या के बारे में सोचें। एक ऐसी समस्या लिखें जिसे आप नियमित रूप से देखते हैं। यह निम्नलिखित में से किसी से भी संबंधित हो सकती है-

- समय का प्रबंधन
- चीज़ों को व्यवस्थित रखना
- संसाधनों को साझा करना
- आराम या सुविधा
- स्वच्छता या कचरा

प्र.1 समस्या को एक स्पष्ट वाक्य में लिखें।

....

....

प्र.2 कौन सा सरल विचार, परिवर्तन या कार्य इस समस्या को हल करने में मदद कर सकता है, और इस समाधान से किसे लाभ होगा?

मेरा समाधान है

....

....

यह समाधान मददगार होगा क्योंकि

....

....

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दें

a. आपने इस समस्या को क्यों चुना?

....

b. आपका समाधान जीवन को आसान या बेहतर कैसे बनाता है?

....

आत्म-चिंतन

उस कथन पर सही (✓) का निशान लगाएँ जो आपके अनुभव का सबसे अच्छा वर्णन करता है

☐ मुझे अपने आसपास की चीज़ों का अवलोकन करना अच्छा लगा। ☐ मुझे समाधानों के बारे में सोचना आसान लगा।

☐ मुझे एहसास हुआ कि छोटे विचार बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

इस गतिविधि से आपने जो सीखा, उसके बारे में लिखें

....

....

4.2 3P फ्रेमवर्क: सतत विचारों के लिए एक मार्गदर्शिका

किसी भी विचार को चुनने या विकसित करने से पहले, तीन मुख्य प्रश्नों पर विचार करना महत्वपूर्ण है, जिन्हें 3P फ्रेमवर्क के रूप में जाना जाता है।

1. People – क्या यह विचार किसी वास्तविक समस्या को हल करता है या लोगों के जीवन में सुधार लाता है?
2. Plane – क्या यह विचार पर्यावरण के अनुकूल है और क्या यह प्रकृति को होने वाले अनावश्यक नुकसान से बचता है?
3. Profit – क्या यह विचार समय के साथ चलते रहने और बढ़ने के लिए पर्याप्त पैसा कमा सकता है?

जब People, Planet, और Profit संतुलित होते हैं, तो एक व्यवसाय मजबूत, जिम्मेदार और सतत बनता है। ऐसे उद्यम न केवल उद्यमी को लाभ पहुँचाते हैं, बल्कि समाज और पर्यावरण को भी लाभ पहुँचाते हैं ।

सतत कौशल – भविष्य के लिए निर्माण

एक अच्छा विचार केवल पैसा कमाने के बारे में नहीं है। इसे लोगों या पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना लंबे समय तक टिके रहने के योग्य होना चाहिए। जो व्यवसाय केवल झटपट लाभ के बारे में सोचते हैं, वे अक्सर लंबी अवधि में विफल हो जाते हैं। सतत विचार सफलता के साथ-साथ जिम्मेदारी पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।

सतत कौशल में संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करना, दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में सोचना और समाज तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी से कार्य करना शामिल है। ये कौशल उद्यमियों को ऐसे समाधान बनाने में मदद करते हैं जो आज के लिए उपयोगी हों और भविष्य के लिए सुरक्षित हों।

गतिविधि 4.2.1 रोल प्ले – साथ मिलकर हल करें

दोपहर के भोजन (लंच ब्रेक) के दौरान, विद्यालय में बहुत सारा भोजन व्यर्थ हो जाता है। इसका कारण यह है कि शिक्षार्थी आवश्यकता से अधिक भोजन लाते हैं, उन्हें कुछ व्यंजन पसंद नहीं होते, या बचे हुए भोजन के प्रबंधन की कोई व्यवस्था नहीं है। इससे गंदगी फैलती है, पर्यावरण को नुकसान पहुँचती है और यह एक अनुचित बर्बादी है।

आपके समूह को एक सरल समाधान सुझाने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस कार्य में सतत कौशल और 3P ढांचे (People, Planet, Prosperity) को ध्यान में रखें। इस गतिविधि में, आप वास्तविक जीवन की भूमिकाएँ निभाएंगे और भोजन की बर्बादी को कम करने के व्यावहारिक तरीके खोजने के लिए टीमवर्क का उपयोग करेंगे और सम्मानपूर्वक एक-दूसरे को सुनेंगे।

उद्देश्य

- यह समझना कि दैनिक जीवन की समस्याओं को मिल-जुलकर कैसे सुलझाया जा सकता है।
- यह देखना कि किसी भी विषय को अलग-अलग नजरियों से कैसे समझा जा सकता है।
- यह सीखना कि सुनने का अभ्यास, विचारों का आदान-प्रदान और सामूहिक निर्णय कैसे लिए जाते हैं।

निर्देश

1. चार शिक्षार्थियों का समूह बनाएँ। समूह शिक्षक द्वारा बनाए जा सकते हैं या गिनती (1–4) बोलकर बनाए जा सकते हैं। अपनी सोच को दिशा देने के लिए, प्रत्येक शिक्षार्थी एक

विशेष भूमिका निभाएगा। प्रत्येक शिक्षार्थी अपनी सोच को दिशा देने के लिए एक विशिष्ट भूमिका निभाएगा।

2. प्रत्येक शिक्षार्थी को एक भूमिका दी जाएगी या वह स्वयं एक भूमिका चुनेगा।
3. समूह में भूमिकाएँ
   - टीम लीडर - समूह को चर्चा पर केंद्रित रखता है, यह सुनिश्चित करता है कि हर कोई बोले, और समूह को एक अंतिम निर्णय तक पहुँचने में मदद करता है।
   - रचनात्मक विचारक - नए और दिलचस्प विचार सुझाता है, भले ही वे थोड़े अलग या असामान्य हों।
   - पर्यावरण समर्थक - स्वच्छता, कचरे में कमी और पर्यावरण की देखभाल के बारे में सोचता है।
   - बजट योजनाकार - धन और संसाधनों के बारे में व्यावहारिक रूप से सोचता है और जाँचता है कि विचार किफायती और वास्तविक है या नहीं।
4. दी गई स्थिति (भोजन की बर्बादी) को साथ मिलकर ध्यान से पढ़ें और अपनी भूमिका के नजरिए से अपने विचार साझा करें।
5. एक-दूसरे को सुनें और संभावित समाधानों पर चर्चा करें। किसी एक ऐसे समाधान पर सहमत हों जिसे आपका समूह सबसे अच्छा मानता है।
6. एक समूह के रूप में, अपने चुने हुए समाधान के बारे में 4–5 पंक्तियाँ लिखें और यह भी बताएँ कि आपको क्यों लगता है कि यह भोजन की बर्बादी को कम करने में मदद करेगा।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

अच्छे समाधान हमेशा अकेले नहीं बनाए जाते। वे तब बनते हैं जब लोग एक-दूसरे को सुनते हैं, विभिन्न विचारों का सम्मान करते हैं और मिलकर काम करते हैं।

3P फ्रेमवर्क लागू करना

साप्ताहिक कार्य

"घर पर कचरे की किसी एक समस्या की पहचान करें और उसका समाधान प्रस्तावित करने के लिए 3P फ्रेमवर्क का उपयोग करें।"

दिन	कार्य	मेरी प्रगति/नोट्स
दिन 1- अवलोकन	किसी एक चीज़ को चुनें (जैसे—पुरानी बाल्टी, स्कूल का डेस्क, झाड़ू या लंच बॉक्स)। इस चीज़ के बारे में वह कौन सी एक बात है जो आपको सबसे ज़्यादा परेशान करती है ?	चुनी हुई चीज़ .... परेशानी ....
दिन 2- माइंड मैप	अपनी चुनी हुई चीज़ का एक 'माइंड मैप' बनाएँ। इसके हिस्से क्या हैं? यह किन चीज़ों (सामग्री) से बना है? इसे कौन इस्तेमाल करता है?	(अपनी कॉपी में 'माइंड मैप' बनाएँ।)
दिन 3- The SCAMPER Flip	SCAMPER में से कोई भी दो अक्षर चुनें। उदाहरण के लिए- C Combine- क्या मैं अपने लंच बॉक्स और पानी की बोतल को आपस में जोड़ सकता हूँ? E Eliminate-क्या मैं प्लास्टिक के हैंडल को हटा सकता हूँ?	अक्षर 1 .... अक्षर 2 ....

दिन 4- चित्र	SCAMPER के आइडियाज़ का इस्तेमाल करके अपनी चुनी हुई चीज़ का एक '2.0 वर्ज़न' स्केच तैयार करें। फिर इसे एक बढ़िया सा नाम दें!	प्रोजेक्ट का नाम ....
दिन 5- 3P की जाँच	अपने नए डिज़ाइन को '3P जाँच' से गुज़ारें। क्या यह हमारे Planet के लिए बेहतर है? क्या यह People के लिए उपयोगी है?	
दिन 6- फीडबैक चक्र	अपने बनाए हुए स्केच को अपने परिवार के एक सदस्य को दिखाएं। उनसे पूछें-इसकी एक खूबी क्या है? इसमें सुधार के लिए एक सुझाव क्या है?	खूबी .... सुझाव ....
दिन 7- अंतिम रूप	मिले हुए फीडबैक के आधार पर अपने स्केच को और बेहतर बनाएँ। अपने नवाचार को कक्षा में सबके साथ साझा करने के लिए तैयार रहें!	अंतिम सुधार ....

4.3 साथ मिलकर सीखना: फीडबैक विचार को कैसे बढ़ाता है

अच्छे विचार अपने आप मज़बूत नहीं बनते। वे तब और बेहतर होते हैं जब लोग एक-दूसरे की बात सुनते हैं, सुझाव साझा करते हैं और सम्मान के साथ मिलकर काम करते हैं। चाहे स्कूल हो, दफ्तर हो या व्यापार—बेहतर समाधान खोजने में 'फीडबैक' की बहुत बड़ी भूमिका होती है। प्यार और दयालुता के साथ फीडबैक देना और लेना सीखने से शिक्षार्थी आत्मविश्वासी वक्ता और बेहतर टीम मेंबर बनते हैं। यह खंड हमें दिखाता है कि कैसे फीडबैक से विचार फलते-फूलते हैं और असल ज़िंदगी की समस्याओं को सुलझाने के लिए टीम वर्क क्यों ज़रूरी है।

केस स्टोरी — स्कूल फेयर स्टॉल में सुधार

स्कूल मेले के दौरान, शिक्षार्थियों के एक समूह ने हाथ से बने बुकमार्क्स बेचने का एक स्टॉल लगाने की योजना बनाई। उनका विचार रचनात्मक था, लेकिन जब उन्होंने इसे अपनी कक्षा के साथ साझा किया, तो उन्हें बहुत मददगार फीडबैक मिले। शिक्षार्थी "मुझे आपके डिज़ाइन बहुत पसंद आए क्योंकि वे रंगीन और साफ़-सुथरे हैं।" दूसरे ने सुझाव दिया "आप छात्रों के लिए प्रेरक विचार वाले बुकमार्क्स बनाने के बारे में भी सोच सकते हैं।" तीसरे ने जोड़ा "शायद आप कीमतें थोड़ी कम रख सकते हैं ताकि ज़्यादा शिक्षार्थी उन्हें खरीद सकें।" मेले के दिन, उनके स्टॉल ने बहुत सारे छात्रों को आकर्षित किया और उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया।

समूह को एहसास हुआ कि उनका विचार इसलिए मज़बूत नहीं बना क्योंकि उन्होंने अकेले काम किया था, बल्कि इसलिए बना क्योंकि दूसरों ने फीडबैक के ज़रिए इसे बेहतर बनाने में मदद की थी।

इस केस स्टोरी से हमें क्या सीख मिलती है?

- फीडबैक हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारे विचार में क्या खूबियाँ है और किन हिस्सों में सुधार की आवश्यकता है।
- दूसरों की बात सुनने से हमें बेहतर विचार मिलते हैं।
- सम्मानपूर्वक सुझाव टीम वर्क को बढ़ावा देते हैं ।
- साथ मिलकर काम करना, एक साधारण विचार को सफल परिणाम में बदल देता है ।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमी, नेता और बदलाव लाने वाले लोग कभी अकेले सफल नहीं होते। वे एक दूसरे की बात सुनने, सीखने और मिलकर विचारों को बेहतर बनाने से ही आगे बढ़ते हैं।

गतिविधि 4.3.1 फीडबैक सर्कल – विचारों को बढ़ने में मदद करे

उद्देश्य

- यह समझना कि टीमवर्क विचारों को कैसे बेहतर बनाता है।
- यह सीखना कि ध्यान से सुनना और सम्मान के साथ बोलना क्यों महत्वपूर्ण है।
- यह अभ्यास करना कि दूसरों को मददगार और सकारात्मक फीडबैक कैसे दिया जाए।

निर्देश

1. समूह बनाएं - शिक्षक पूरी कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित करेंगे।
2. एक विचार बनाएं-

   प्रत्येक समूह-
   - दी गई समस्या या कार्य पर चर्चा करेगा।
   - एक साथ मिलकर एक स्पष्ट समाधान का तैयार करेगा।
   - यह सुनिश्चित करेगा कि समूह के सभी सदस्य विचार को अच्छी तरह समझते हों।
3. एक प्रस्तुतकर्ता चुनें - प्रत्येक समूह अपने में से एक सदस्य को चुनेगा जो कक्षा के सामने अपना विचार प्रस्तुत करेगा।
4. विचार प्रस्तुत करें - प्रस्तुतकर्ता को ये बातें बतानी होंगी-
   - समूह ने किस समस्या पर काम किया?
   - समूह ने क्या समाधान सुझाया?
   - यह समाधान कैसे मदद करेगा?
5. ध्यान से सुनें - जब एक समूह अपना विचार प्रस्तुत कर रहा हो, तो बाकी सभी विद्यार्थी:
   - शांति से सुनेंगे।
   - विचार की खूबियों और सुधार की संभावनाओं के बारे में सोचेंगे।
6. फीडबैक दें-
   - दूसरे समूहों के शिक्षार्थी हाथ उठाएंगे।
   - फीडबैक केवल समूह के विचार पर दिया जाना चाहिए, किसी व्यक्ति विशेष पर नहीं।

यह वह तरीका है जिससे उद्यमी , नेता और समूह मिलकर काम करके वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करते हैं।

फीडबैक लेंस

साप्ताहिक कार्य

घर पर कचरे की किसी समस्या की पहचान करें और समाधान प्रस्तावित करने के लिए 3P फ्रेमवर्क का उपयोग करें।

दिन	कार्य	मेरे नोट्स
दिन 1-2 विचार	किसी को दिखाने के लिए एक छोटा प्रोजेक्ट चुनें। यह एक चित्र, आपके स्कूल बैग को व्यवस्थित करने का एक नया तरीका या आपकी मदद से बनाई गई कोई रेसिपी भी हो सकती है।	मेरा प्रोजेक्ट है: ……………………………… ……………………………………………… ………………………………………………
दिन 3-4 प्रस्तुतीकरण	अपना प्रोजेक्ट परिवार के किसी सदस्य या मित्र को दिखाएं। समझाएं कि यह क्या है और आपने इसे क्यों बनाया।	मैंने इसे ……………………………………… के साथ साझा किया।
दिन 5 फीडबैक प्राप्त करना	उनसे पूछें, क्या आप मुझे एक खूबी और एक सुझाव दे सकते हैं? बिना टोके शांति से सुनें।	उनके द्वारा बताई गई ताकत: ……………………… ……………… उनके द्वारा दिया गया सुझाव: ……………………… ………………
दिन 6 पिवट	उनके सुझाव को शामिल करने का प्रयास करें। क्या प्रोजेक्ट अब बेहतर दिखता है या काम करता है?	मेरे द्वारा किया गया एक बदलाव: ……………… ………………………………………………
दिन 7 चिंतन	सुधार के लिए सुझाव सुनकर कैसा लगा? क्या इसने आपके विचार को और मजबूत बनाया?	मेरी मुख्य सीख……………………………………… ………………………………………………

4.4 एक विचार की पुष्टि करना: 3P चेक

एक विचार होना एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन उद्यमी केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ते क्योंकि कोई विचार रोमांचक लगता है। वे रुकते हैं और ध्यानपूर्वक सोचते हैं कि क्या विचार वास्तविक जीवन में काम कर सकता है और दीर्घकालिक मूल्य बना सकता है। चिंतन और समीक्षा की इस प्रक्रिया को विचार का पुष्टिकरण कहा जाता है। किसी विचार को पुष्टि करने का एक सरल और प्रभावी तरीका 3P चेक का उपयोग करना है, जो (People), (Planet), और (Profit) पर केंद्रित है।

People-विचार किसकी मदद करता है?

प्रत्येक अर्थपूर्ण विचार लोगों से शुरू होता है। उद्यमी पूछते हैं कि क्या उनका विचार किसी वास्तविक समस्या को हल करता है और दैनिक जीवन में सुधार करता है। वे इस बारे में सोचते हैं कि विचार का उपयोग कौन करेगा, यह किन कठिनाइयों को दूर करता है, और क्या यह जीवन को आसान, सुरक्षित या बेहतर बनाता है। किसी विचार का मूल्य तभी होता है जब वह वास्तविक मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करता है।

Planet-क्या विचार प्रकृति के प्रति जिम्मेदार है?

उद्यमी पर्यावरण पर अपने विचारों के प्रभाव पर भी विचार करते हैं। वे इस बात पर चिंतन करते हैं कि क्या यह विचार कचरे को कम करता है, संसाधनों की बचत करता है, या मौजूदा समाधानों की तुलना में कम नुकसान पहुँचाता है। जो विचार प्रकृति की परवाह करते हैं, वे Planet की रक्षा करने और सतत जीवन का समर्थन करने में मदद करते हैं।

Profit-क्या विचार समय के साथ बना रह सकता है?

profit का अर्थ केवल पैसा कमाना नहीं है। इसका अर्थ यह भी है कि एक विचार स्वयं को बनाए रख सकता है और लंबे समय तक जारी रह सकता है। उद्यमी इस बारे में सोचते हैं कि क्या विचार किफायती है, क्या यह समय के साथ जीवित रह सकता है, और क्या यह आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त मूल्य पैदा करता है। सततता के बिना, एक अच्छा विचार भी लंबे समय तक नहीं टिक सकता है।

विचार में सुधार (Improving the Idea)

कभी-कभी एक विचार एक या दो क्षेत्रों में मजबूत हो सकता है लेकिन दूसरे में कमजोर। इसका मतलब यह नहीं है कि विचार विफल हो गया है। यह केवल यह दर्शाता है कि कहाँ सुधार की आवश्यकता है। उद्यमी खुद से यह पूछकर आगे बढ़ते हैं कि कौन से छोटे बदलाव उनके विचारों को अधिक संतुलित और मजबूत बना सकते हैं।

प्रेरक सीख

उत्तर-पश्चिम महाराष्ट्र के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में, कई महिलाएं आयोडीन की कमी से पीड़ित हैं, जिससे आहार में आयोडीन की कमी के कारण थायराइड की समस्या, कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

इसे सरल और सार्थक तरीके से हल करने के लिए, एक टीम ने जीवन बिंदी बनाई—एक सामान्य दिखने वाली बिंदी जिसमें आयोडीन की थोड़ी मात्रा मिलाई गई थी। जैसे ही महिलाओं ने इसे प्रतिदिन लगाया, आयोडीन त्वचा के माध्यम से अवशोषित हो गया।

यह समाधान सफल रहा क्योंकि यह मौजूदा आदतों और संस्कृति में उपयुक्त बैठता था, जो एक वास्तविक सामुदायिक समस्या को हल करने में रचनात्मक सोच और समानुभूति को दर्शाता है।

गतिविधि 4.4.1 अपने विचार की पुष्टि करें (3P चेक)

उद्देश्य

- यह समझना कि आगे बढ़ने से पहले किसी विचार की पुष्टि करना क्यों महत्वपूर्ण है।
- यह पहचानना कि कोई विचार लोगों के लिए मूल्य कैसे बनाता है।
- यह समझना कि किसी विचार का पर्यावरण क्या प्रभाव पड़ सकता है।

निर्देश

उस विचार के बारे में सोचें जिस पर आपने इस अध्याय में काम किया है। प्रत्येक खंड को ध्यान से पढ़ें और ईमानदारी से प्रश्नों के उत्तर दें। पूर्ण वाक्यों में लिखें।

A. People - आपका विचार किसकी मदद करता है?

प्र.1. आपके विचार का उपयोग कौन करेगा?

....

....

प्र.2. आपका विचार उनके लिए किस समस्या का समाधान करता है?

....

....

प्र.3. आपका विचार जीवन को आसान, सुरक्षित या बेहतर कैसे बनाता है?

....

....

B. Planet - क्या आपका विचार पर्यावरण के लिए अच्छा है?

प्र.4. क्या आपका विचार कचरे या प्रदूषण को कम करता है?

☐ हाँ ☐ नहीं ☐ पक्का नहीं

अपने उत्तर की व्याख्या करें

....

....

प्र.5. क्या आपका विचार पानी, कागज या बिजली जैसे संसाधनों की बचत करता है?

....

....

C. Profit - क्या आपका विचार समय के साथ जारी रह सकता है?

प्र.6. क्या आपको लगता है कि आपका विचार लंबे समय तक चल सकता है? क्यों?

....

....

प्र.7. क्या आपका विचार लोगों के लिए किफायती और उपयोगी है?

....

....

D. चिंतन

प्र.8. आपके विचार में तीन P (People, Planet, और Profit) में से कौन सा सबसे मजबूत है?

....

....

प्र.9. कौन सा एक छोटा बदलाव आपके विचार को बेहतर या अधिक संतुलित बना सकता है?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

विचार तब सफल होते हैं जब वे लोगों की परवाह करते हैं, planet का सम्मान करते हैं, और profit या मूल्य सृजन के माध्यम से जारी रह सकते हैं। 3P चेक जैसे उपकरण सरल विचारों को विचारशील और जिम्मेदार समाधानों में बदलने में मदद करते हैं।

समस्या से संभावना तक

साप्ताहिक कार्य

1. घर पर या अपने पड़ोस में एक छोटी समस्या का अवलोकन करें और दो संभावित समाधान लिखें।

....

....

....

....

2. 3P फ्रेमवर्क का उपयोग करके दोनों विचारों का परीक्षण करें।

....

....

....

....

4.5 नेतृत्व: विचारों और लोगों को आगे बढ़ने में मार्गदर्शन करना

नेतृत्व जिम्मेदारी लेने, दूसरों का मार्गदर्शन करने और विचारों को आगे बढ़ाने में मदद करने के बारे में है—न कि केवल आदेश देने के बारे में। यह सहकार्यता और समस्या समाधान के माध्यम से लोगों को एक साझा लक्ष्य की ओर एक साथ लाता है।

दैनिक स्थितियों में, नेतृत्व कार्यों को व्यवस्थित करने, विभिन्न राय सुनने और यह सुनिश्चित करने में दिखता है कि हर किसी की बात सुनी जाए। एक नेता चुनौतियों के दौरान शांत रहता है, असफलताओं के बाद दूसरों को प्रेरित करता है, और समूह को गलतियों से सीखने में मदद करता है।

अच्छे नेता समानुभूति के साथ सुनते हैं, विविध दृष्टिकोणों का सम्मान करते हैं और टीम के भीतर विश्वास पैदा करते हैं। उद्यमिता में, नेतृत्व में विचारशील निर्णय लेना शामिल है जो चर्चा, फीडबैक और समाधान खोजने के लिए सही प्रश्नों का उपयोग करके लिए जाते हैं जिससे लोगों और पर्यावरण को लाभ पहुँचाता है।

नेतृत्व एक ऐसा कौशल है जिसका विकास अभ्यास से होता है। प्रत्येक शिक्षार्थी पहल करके, जिम्मेदारी से कार्य करके और विचारों को क्रियान्वित करने में दूसरों का सहयोग करके नेतृत्व कर सकता है।

केस स्टोरी — परिवर्तन का नेतृत्व, एक समय में एक कदम

एक पब्लिक स्कूल का खेल का मैदान आमतौर पर मानसून के दौरान कीचड़ से भरा रहता था। शिक्षार्थी रद्द किए गए स्पोर्ट्स पीरियड के बारे में शिकायत करते थे, फिर भी कुछ नहीं बदला। अधिकांश शिक्षार्थियों ने इसे सामान्य मानकर स्वीकार कर लिया था।

कक्षा VIII की शिक्षार्थी अनन्या ने गौर किया कि समस्या बारिश नहीं, बल्कि खेल के मैदान की अपर्याप्त जल निकासी थी। उसने केवल शिकायत करने के बजाय अपने साथियों से विचार मांगे। कुछ ने रेत बिछाने का सुझाव दिया, जबकि अन्य ने स्कूल अधिकारियों को सूचित करने का सुझाव दिया। सभी को सुनने के बाद, अनन्या ने समूह को सभी व्यवहार्य समाधानों की रूपरेखा तैयार करने में मदद की।

फिर उसने कार्य सौंपे: एक समूह ने सबसे अधिक पानी जमा होने वाली जगह को रिकॉर्ड किया, दूसरे ने तस्वीरें लीं, और तीसरे ने खेल शिक्षक से संपर्क किया। अनन्या ने शांत रहने वाले शिक्षार्थियों को भी बोलने के लिए प्रोत्साहित किया। उसने मतभेद के दौरान समूह को लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

समूह ने अनन्या को एक संक्षिप्त प्रस्ताव लिखने में मदद की, जिसमें समस्या और एक सरल समाधान का विस्तृत विवरण दिया गया था। स्कूल प्रशासन को प्रस्ताव प्राप्त हुआ। जब स्कूल ने खेल के मैदान की जल निकासी की समस्या को हल किया, तो बारिश के बाद खेल फिर से शुरू हो गए।

अनन्या ने न तो कोई आदेश दिया और न ही अकेले काम किया। उसने अपनी टीम का मार्गदर्शन किया, सबकी बात सुनी, जिम्मेदारी ली और सुझावों को लागू किया। उसके नेतृत्व ने दिखाया कि पहल, समानुभूति और समूह में कार्य करना से बदलाव की शुरुआत होती है, अधिकार से नहीं।

व्यक्तिगत चिंतन

प्र.1. क्या आपने कभी किसी समस्या पर गौर किया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की? क्यों?

....

....

प्र.2. अनन्या के किन गुणों को आप अपने भीतर विकसित करना चाहेंगे?

....

....

प्र.3. यदि आप उसकी जगह होते, तो आप क्या अलग करते?

....

....

प्र.4. आप अपनी कक्षा या समुदाय में इस प्रकार के नेतृत्व को कैसे लागू कर सकते हैं?

....

....

गतिविधि 4.5.1 नेतृत्व का व्यावहारिक स्वरूप

उद्देश्य

- यह समझना कि नेतृत्व सुनने, दूसरों का मार्गदर्शन करने, जिम्मेदारी लेने और समस्याओं को मिलकर हल करने जैसे कार्यों के माध्यम से दिखाई देता है।
- अपने उद्यमशील कौशलों पर विचार करना और आत्म-चिंतन करना।

परिदृश्य: आपकी कक्षा को स्कूल में पानी की बर्बादी कम करने के लिए एक छोटा जागरूकता अभियान चलाने के लिए कहा गया है। कक्षा को समूहों में विभाजित किया गया है, लेकिन कुछ शिक्षार्थी विचारों पर असहमत हैं, कुछ शांत हैं, और अन्य जल्दी निर्णय लेना चाहते हैं। समूह को किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो चर्चा का मार्गदर्शन करे, सभी की बात सुने और टीम को एक व्यावहारिक समाधान पर सहमत होने में मदद करे। अपने समूह में, निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करें और संक्षिप्त उत्तर लिखें:

प्र.1. साथ मिलकर काम करते समय समूह को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है?

....

....

प्र.2. इस स्थिति में एक अच्छे नेता को क्या कदम उठाने चाहिए?

....

....

प्र.3. एक नेता यह कैसे सुनिश्चित कर सकता है कि हर कोई सम्मानित महसूस करे और उसकी बात सुनी जाए?

....

....

प्र.4. विचारों को कार्रवाई में बदलने के लिए नेतृत्व क्यों महत्वपूर्ण है?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

नेतृत्व नियंत्रण के बारे में नहीं है। यह लोगों का मार्गदर्शन करने, विश्वास बनाने और टीम वर्क के माध्यम से विचारों को विकसित करने में मदद करने के बारे में है।

आपके आस-पास नेतृत्व

साप्ताहिक कार्य

सप्ताह के दौरान स्कूल, घर या अपने पड़ोस में अपने परिवेश का अवलोकन करें।

प्र.1. एक ऐसी स्थिति की पहचान करें जहाँ किसी ने नेतृत्व दिखाया हो (उदाहरण के लिए, किसी समूह कार्य, पारिवारिक निर्णय या स्कूल की गतिविधि के दौरान)।

....

....

प्र.2. वर्णन करें कि उस व्यक्ति ने नेतृत्व दिखाने के लिए क्या किया।

....

....

प्र.3. नेतृत्व के किसी एक गुण का उल्लेख करें जिसे आपने देखा (जैसे सुनना, जिम्मेदारी, सहानुभूति या निर्णय लेना)।

....

....

प्र.4. इस बारे में एक वाक्य लिखें कि आप अपने जीवन में नेतृत्व के इस गुण का अभ्यास कैसे कर सकते हैं।

....

....

आइए चिंतन करें

प्र.1. किस रचनात्मक उपकरण ने आपकी सबसे अधिक मदद की? क्यों?

....

प्र.2. एक टीम में काम करने से आपके विचार में क्या बदलाव आया?

....

प्र.3. किस तरह के फीडबैक ने आपको सुधार करने में मदद की?

....

प्र.4. आपने किस भूमिका का सबसे अधिक आनंद लिया—नेता, विचारक, या योजनाकार?

....

संकल्पना

रचनात्मकता ऐसी चीज़ नहीं है जिसके साथ केवल कुछ ही लोग पैदा होते हैं। यह केवल किसी समस्या का सामना करने पर अलग तरह से सोचने की एक आदत है।

अधिकांश नवाचार दैनिक चुनौतियों के अवलोकन से शुरू होते हैं। बहुत पहले, भारी सामान ले जाने को आसान बनाने के लिए पहिये का आविष्कार किया गया था। उसी तरह, इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप्स विकसित किए गए क्योंकि लोग संवाद करने के तेज़ और सरल तरीके चाहते थे। ये विचार अचानक प्रकट नहीं हुए—वे सावधानीपूर्वक अवलोकन और विचारशील सोच से विकसित हुए।

रचनात्मक विचारक पहले विचार पर नहीं रुकते। वे कई संभावनाओं का पता लगाते हैं, विकल्पों की तुलना करते हैं, और फिर उस समाधान को चुनते हैं जो सबसे अच्छा काम करता है।

इस प्रक्रिया को समर्थन देने के लिए, उद्यमी सरल उपकरणों का उपयोग करते हैं।

SCAMPER- एक व्यावसायिक विचार में सुधार करना

SCAMPER हमें एक विचार को विभिन्न कोणों से देखने और इसे विकसित करने के नए या बेहतर तरीके खोजने में मदद करता है।

SCAMPER - **पूर्ण रूप**

S – प्रतिस्थापित करें - क्या बदला या परिवर्तित किया जा सकता है?

C – संयोजित करें - किन चीजों को एक साथ जोड़ा जा सकता है?

A – अनुकूलित करें - नई ज़रूरत को पूरा करने के लिए क्या समायोजित या संशोधित किया जा सकता है?

M – संशोधित करें - क्या बेहतर बनाया जा सकता है, बढ़ाया जा सकता है या कम किया जा सकता है?

P – अन्य उपयोग में लाएं- क्या इसका उपयोग किसी अलग तरीके से किया जा सकता है?

E – हटा दें - इसे सरल या बेहतर बनाने के लिए क्या हटाया जा सकता है?

R – पुनर्व्यवस्थित करें/उल्टा करें- क्या क्रम, प्रक्रिया या डिज़ाइन को बदला जा सकता है?

माइंड मैपिंग - बेहतर निर्णय लेने के लिए विचारों को व्यवस्थित करना

यह एक विज़ुअल थिंकिंग टूल है जो आपको अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यवस्थित करने में मदद करता है। यह एक मुख्य विचार से शुरू होता है और संबंधित विचारों, संभावनाओं और समाधानों की शाखाओं में बँटा होता है। संबंधों को विज़ुअल रूप से देखकर, आप समस्याओं को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और निर्णय लेने से पहले कई विकल्पों का पता लगा सकते हैं।

हालाँकि, केवल अकेले सोचना ही काफी नहीं है। उद्यमी को यह भी करना चाहिए-

- सूचित निर्णय लें,
- टीमों में प्रभावी ढंग से काम करें, और
- आवश्यकता पड़ने पर नेतृत्व संभालें।

ये कौशल तब विकसित होते हैं जब लोग सहकार्यता करते हैं, विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनते हैं और वास्तविक जीवन की समस्याओं को मिलकर हल करते हैं।

विचार से परे सोचना: जिम्मेदारी और प्रभाव

मज़बूत विचार न केवल रचनात्मक होते हैं; वे जिम्मेदार भी होते हैं। एक वास्तव में अच्छा उद्यमशील विचार तीन महत्वपूर्ण पहलुओं को संतुलित करता है:

(People) – क्या विचार लोगों की मदद करता है या उनके जीवन में सुधार करता है?

(Planet) – क्या यह पर्यावरण की रक्षा करता है या प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करता?

(Profit) – क्या यह ऐसा मूल्य या आय पैदा करता है जिसे समय के साथ बनाए रखा जा सके?

इस संतुलन को 3P फ्रेमवर्क (3P Framework) के माध्यम से समझाया गया है।

3P फ्रेमवर्क

3P फ्रेमवर्क आपको यह जाँचने में मदद करता है कि क्या कोई विचार है-

- समाज के लिए उपयोगी,
- पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार, और
- आर्थिक रूप से व्यावहारिक।

इस फ्रेमवर्क का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि विचार सतत, नैतिक और यथार्थवादी हों।

मुख्य संदेश

उद्यमिता की शुरुआत वास्तविक जीवन की समस्याओं के अवलोकन और उनके समाधानों के बारे में रचनात्मक रूप से सोचने से होती है। स्कैम्पर (SCAMPER) और माइंड मैपिंग जैसे रचनात्मक उपकरण विचारों को उत्पन्न करने और उन्हें व्यवस्थित करने में मदद करते हैं, जबकि टीम वर्क निर्णय लेने, सहयोग और नेतृत्व को बढ़ावा देता है। फीडबैक के माध्यम से विचारों में सुधार होता है और जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो वे विचार और भी सशक्त बन जाते हैं।

3P फ्रेमवर्क People, Planet, और Profit—उन समाधानों को चुनने में मदद करता है जो उपयोगी, जिम्मेदार और सतत हों। विचारों के प्रमाणीकरण और टीमों के प्रभावी मार्गदर्शन द्वारा, साधारण अवलोकनों को सार्थक और व्यावहारिक समाधानों में बदला जा सकता है।

अध्याय 05

मानसिकता की शक्ति

F1Y4W2

कालांश – 5

यह अध्याय इस बात की खोज करता है कि कैसे हमारी मानसिकता सीखने, टीम वर्क और कठिनाइयों का सामना करने की क्षमता को प्रभावित करती है। कहानियों, प्रतिबिंबों और गतिविधियों के माध्यम से, यह बताता है कि कैसे उद्यमी और नवाचार करने वाले लोग चुनौतियों को स्वीकार करते हैं, असफलताओं से सीखते हैं, लचीलापन विकसित करते हैं और अपने आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं। यह भी दर्शाता है कि कैसे विकासशील मानसिकता को अपनाने से शैक्षणिक प्रदर्शन, सहकार्यता और रोजमर्रा के निर्णय लेने पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी इस योग्य बन पाएंगे कि वे-

- स्थिर मानसिकता और विकासशील मानसिकता के बीच अंतर को समझना तथा यह जानना कि मानसिकता सफलता को किस प्रकार प्रभावित करती है।
- यह समझना कि उद्यमी लचीलापन और आत्मविश्वास विकसित करके असफलता के डर पर कैसे विजय प्राप्त करते हैं।
- विद्यालय के कार्य, टीमवर्क तथा वास्तविक जीवन की चुनौतियों में विकासशील मानसिकता को अपनाना और उसका प्रयोग करना।

जैसे-जैसे आप इस अध्याय को पढ़ेंगे, आप नए विचार सीखेंगे, अपने सहपाठियों के साथ टीमों में काम करेंगे, और ऐसी चुनौतियों का सामना करेंगे जो शायद पहली बार में पूरी तरह सफल न हों। यह ठीक है; अंत में, इस पृष्ठ पर वापस आएँ और देखें कि क्या आपकी सोच में कोई बदलाव आया है।

सोचें और निशान लगाएँ

इस अध्याय को शुरू करने से पहले, खुद पर विचार करने के लिए कुछ मिनट निकालें। हर किसी को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, कभी-कभी अनिश्चितता महसूस होती है और गलतियाँ होती हैं। कथनों के प्रत्येक जोड़े को ध्यान से पढ़ें। उस सही कथन के सामने (✓) का चिह्न लगाएँ। आपकी सामान्य सोच या व्यवहार से सबसे बेहतर मेल खाता है:

- ☐ मैं उन चीजों को करने से बचता हूँ/बचती हूँ जहाँ मैं असफल हो सकता हूँ/सकती हूँ।
- ☐ अनिश्चित होने पर भी मैं कोशिश करता हूँ/करती हूँ
- ☐ प्रयास से ज्यादा प्रतिभा मायने रखती है।
- ☐ प्रयास कौशल और क्षमताओं को सुधारने में मदद करता है/करती हूँ।
- ☐ गलतियाँ करने का मतलब है कि मैं कमजोर हूँ।
- ☐ गलतियाँ करने से मुझे सीखने और सुधार करने में मदद मिलती है।

5.1 आपके सोचने की क्षमता

मानसिकता क्या है?

आपकी मानसिकता से तात्पर्य उन विचारों और विश्वासों से है जो आप अपने बारे में, अपनी क्षमताओं, सीखने, गलतियों और संभावनाओं के बारे में रखते हैं। यह इस बात को प्रभावित करती है कि जब परिस्थितियाँ अनुकूल होती हैं तो आप कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, और विशेष रूप से तब आप क्या करते हैं जब परिस्थितियाँ कठिन हो जाती हैं। कुछ लोग चुनौतियों को ऐसी समस्याओं के रूप में देखते हैं जिनसे बचना चाहिए, जबकि अन्य लोग उन्हें सीखने और आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखते हैं। यह अंतर व्यक्ति की मानसिकता के कारण होता है। उद्यमियों के लिए मानसिकता का विशेष महत्व होता है। वे केवल अच्छे विचारों या संसाधनों के कारण सफल नहीं होते, बल्कि इसलिए सफल होते हैं क्योंकि वे समस्याओं के बारे में कैसे सोचते हैं और चुनौतियों का सामना किस प्रकार करते हैं। जब कोई विचार सफल नहीं होता, तो उद्यमी आसानी से हार नहीं मानते। इसके जगहवे यह सोचते हैं, "मैं इससे क्या सीख सकता हूँ?" और नए दृष्टिकोण के साथ पुनः प्रयास करते हैं।

सोचने के दो प्रकार - स्थिर मानसिकता और विकासवादी मानसिकता

स्थिति- दो शिक्षार्थी- एक चुनौती- दो अलग-अलग सोच।

जब शिक्षिका ने बोर्ड पर एक प्रश्न हल करने के लिए अयान का नाम पुकारा, तो उसका दिल तेज़ी से धड़कने लगा। वह धीरे-धीरे खड़ा हुआ, लेकिन उसके मन में पहले से ही यह विचार था, "मैं इसमें अच्छा नहीं हूँ।"

उसने सोचा कि यदि वह गलत उत्तर लिख देगा तो सभी उसे देखेंगे। घबराहट के कारण वह आगे नहीं बढ़ा और अपनी जगह किसी अन्य शिक्षार्थी को जाने दिया। बाद में जब उसने अपनी कॉपी में उसी प्रकार का प्रश्न देखा, तो उसने उसे बंद कर दिया और कहा, "मैं यह नहीं कर सकता।" अयान सीखना चाहता था, लेकिन उसे गलतियाँ करने से डर लगता था।

कुछ दिनों बाद शिक्षिका ने फिर से इसी प्रकार का प्रश्न पूछा। इस बार ज़ारा का नाम पुकारा गया। वह भी थोड़ी घबराई हुई थी और उसका दिल तेज़ी से धड़क रहा था। फिर भी बोर्ड की ओर जाते हुए उसने अपने आप से कहा, "हो सकता है कि मैं इसे अभी न जानती हूँ, लेकिन मैं इसे सीख सकती हूँ।"

ज़ारा ने प्रश्न हल करने का प्रयास किया। उससे एक छोटी-सी गलती हो गई। वह शर्मिंदा होने के जगह शिक्षिका द्वारा बताए गए सुधार को ध्यान से सुनती रही। उसी शाम उसने घर पर उसी प्रश्न का दोबारा अभ्यास किया।

अगले दिन वह उस प्रश्न को पहले से बेहतर समझ चुकी थी। अयान और ज़ारा में बहुत अंतर नहीं था। वास्तविक अंतर उनकी सोच में था। अयान का मानना था कि गलतियाँ असफलता का संकेत हैं, जबकि ज़ारा का मानना था कि गलतियाँ सीखने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अयान ने कहा, "मैं यह नहीं कर सकता।" ज़ारा ने कहा, "मैं यह अभी नहीं कर सकती।" "अभी" (yet) शब्द ने उनकी सोच और सीखने के तरीके में एक बड़ा अंतर पैदा कर दिया।

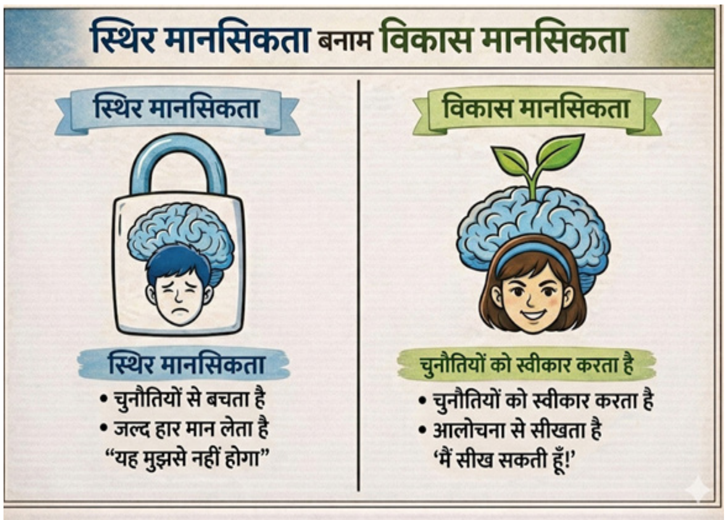

मानसिकता समझना - स्थिर और विकासशील

अयान और ज़ारा ने एक ही घटना को अलग-अलग तरह से देखा। अयान ने सोचा कि गलतियों का मतलब है कि वह बुरा था। यह एक स्थिर मानसिकता है। एक स्थिर दृष्टिकोण यह मानता है कि क्षमताएं बदल नहीं सकतीं, जिससे चुनौतियां डरावनी और गलतियां अपमानजनक विफलताएं लगती हैं।

इसके विपरीत, ज़ारा ने अलग तरह से सोचा। उसने सोचा कि अभ्यास से वह सीख सकती है, भले ही वह तुरंत कुछ न कर पाए। यह एक विकासशील मानसिकता है। इसके साथ विफलताएं सबक हैं और बाधाएं आगे बढ़ने के अवसर हैं।

विकासशील दृष्टिकोण रखने का अर्थ यह नहीं मानना है कि "मैं यह नहीं कर सकता/सकती" । आप दावा करते हैं कि "मैं अभी नहीं कर सकता"। यह सरल शब्द "अभी" आपको याद दिलाता है कि सीखना एक यात्रा है और आप निरंतर सुधार कर रहे हैं।

रुको और सोचो

अपनी नोटबुक में इन प्रश्नों के उत्तर दें-

प्र.1. जब आपको कुछ कठिन लगता है, तो आपकी कहानी किसके जैसी लगती है, अयान की या ज़ारा की? क्यों?

....

....

प्र.2. ऐसी स्थिति के बारे में सोचें जहाँ आपने कहा या सोचा, "मैं यह नहीं कर सकता/सकती"। आप उस सोच को "मैं अभी यह नहीं कर सकता/सकती" में कैसे बदल सकते हैं?

....

....

प्र.3. ऐसी कौन सी एक छोटी सी चुनौती है जिसे आप इस सप्ताह बिना गलतियों के डर के आजमा सकते हैं?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

आपकी मानसिकता स्थिर नहीं है। अभ्यास, धैर्य और प्रयास के साथ, आप अपने दिमाग को उद्यमियों की तरह विकसित होने के लिए प्रशिक्षित कर सकते हैं।

केस स्टोरी

नंदिता बुटीक – असफलता से सीखना

बचपन में नंदिता ने अपनी माँ से सिलाई सीखी और अपनी खुद की सिलाई की दुकान खोलने का सपना देखा। वर्षों की बचत के बाद, उसने अंततः सफलता की उम्मीद में अपने घर के पास एक छोटी सी दुकान खोली। लेकिन ग्राहक कम थे, कई लोग बने-बनाए कपड़े पसंद करते थे और उसकी बचत खत्म होने लगी। उसने निराशा महसूस की लेकिन हार नहीं मानी।

एक शाम, उसने खुद से पूछा, "मैं इससे क्या सीख सकती हूँ?"। उस प्रश्न ने उसके दृष्टिकोण को बदल दिया। वह एक स्वयं सहायता समूह में शामिल हो गई, अपने काम के बारे में आत्मविश्वास से बोलना सीखा और एक डिजिटल मार्केटिंग कोर्स किया। उसने व्हाट्सएप पर अपने डिजाइनों की तस्वीरें साझा करना शुरू किया और ग्राहकों से उनकी पसंद के बारे में पूछा। उसने कपड़े के थैलों का उपयोग करना भी शुरू किया, जिसे लोगों ने सराहा। धीरे-धीरे, ऑर्डर बढ़ने लगे—खासकर त्योहारों के दौरान। एक साल के भीतर, उसकी दुकान लाभदायक हो गई और उसने तीन अन्य महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया। नंदिता ने महसूस किया कि असफलता उसकी सबसे बड़ी शिक्षक रही है, जिसने उसे आत्मविश्वास और सफलता में बढ़ने में मदद की।

गतिविधि 5.1.1 मैं क्या करूँगा/करूँगी

आप सभी विद्यालय में ऐसी परिस्थितियों का सामना करते हैं। वास्तविक अंतर इस बात से पड़ता है कि जब कोई कार्य योजना के अनुसार नहीं होता, तब आप उसकी कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। इसे बेहतर समझने के लिए आइए एक गतिविधि करें।

उद्देश्य

- यह समझना कि विकासशील मानसिकता और स्थिर मानसिकता के बीच क्या अंतर होता है।
- यह सीखना कि नकारात्मक अनुभवों को नए दृष्टिकोण से कैसे देखा जा सकता है।

निर्देश

- प्रत्येक स्थिति को ध्यान से पढ़ें और वह उत्तर चुनें जो आपके पहले विचार से सबसे अधिक मेल खाता हो। इसमें कोई अंक या मूल्यांकन नहीं है।
- पहचानें कि कौन से विचार आपको आगे बढ़ने से रोकते हैं और कौन से विचार आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।
- एक ऐसे अनुभव के बारे में 5–6 पंक्तियाँ लिखें जब आपने जल्दी हार मान ली थी, और एक ऐसे अनुभव के बारे में जब आपने दोबारा प्रयास करने का निर्णय लिया था।
- अपनी नई सकारात्मक सोच का अभ्यास करने के लिए यह वाक्य लिखें -

  "मैं यह अभी नहीं कर सकता/सकती... लेकिन सीख सकता/सकती हूँ।"

स्थिति 1- आकस्मिक मूल्यांकन

आपने पढ़ाई की थी, लेकिन प्रश्नपत्र अपेक्षा से अधिक कठिन था और आपके अंक कम आए।

अ कुछ शिक्षार्थी सोचते हैं, "मैं इस विषय में अच्छा नहीं हूँ। कोशिश करने का क्या लाभ?"

ब अन्य सोचते हैं, "इस बार मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मुझे अपनी तैयारी की पद्धति में सुधार करना चाहिए।"

स्थिति 2- शिक्षक की प्रतिक्रिया

आपके शिक्षक पूरी कक्षा के सामने आपकी कॉपी में हुई गलतियों की ओर ध्यान दिलाते हैं।

अ कुछ शिक्षार्थी शर्मिंदा और निराश महसूस करते हैं।

ब अन्य सोचते हैं, "अब मुझे पता चल गया है कि मुझे कहाँ सुधार करना है।"

स्थिति 3- समूह परियोजना

आपके समूह के सदस्यों ने आपके विचार को नहीं चुना।

अ कुछ शिक्षार्थी सोचते हैं, "कोई मेरी बात नहीं सुनता।"

ब अन्य सोचते हैं, "मैं अपने विचार में सुधार कर सकता हूँ या किसी अन्य विचार को बेहतर बनाने में सहयोग कर सकता हूँ।"

स्थिति 4-कुछ नया सीखना

आप एक नया अध्याय या कौशल सीख रहे हैं, लेकिन उसे तुरंत समझ नहीं पा रहे हैं।

A. कुछ शिक्षार्थी सोचते हैं, "बाकी सभी इसे समझते हैं, लेकिन मैं नहीं समझ पा रहा/रही हूँ।"

B. अन्य सोचते हैं, "यदि मैं अभी नहीं समझ पा रहा/रही हूँ, तो भी अभ्यास से सीख सकता/सकती हूँ।"

स्थिति 5-मित्रों से तुलना

आपका एक मित्र आपसे अधिक अंक प्राप्त करता है।

A. कुछ शिक्षार्थी सोचते हैं, "मैं कभी उनके जितना अच्छा नहीं बन पाऊँगा/पाऊँगी।"

B. अन्य सोचते हैं, "मैं उनके पढ़ने के तरीके से क्या सीख सकता/सकती हूँ?"

अब एक क्षण रुककर विचार करें

प्र.1. कौन-सी प्रतिक्रियाएँ आपको आगे बढ़ने में सहायता करती हैं?

....

प्र.2. कौन-सी प्रतिक्रियाएँ आपको प्रयास करने से रोकती हैं? याद रखें, आपको सब कुछ एक साथ बदलने की आवश्यकता नहीं है। अपनी सोच पर ध्यान देना ही एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

....

....

प्र.3. अपनी किसी हाल की चुनौती के बारे में सोचें

(क) उसे कठिन बनाने वाले कारण क्या थे?

(ख) आपने उस समय क्या किया?

(ग) अगली बार हार मानने के जगहआप क्या प्रयास कर सकते हैं?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

एक आत्मविश्वासी शिक्षार्थी या उद्यमी होने का मतलब यह नहीं है कि आप परफेक्ट हों। इसका अर्थ है कि जब चीज़ें आपके मनमुताबिक न हों, तब अलग तरह से सोचना। आपके सोचने के तरीके में छोटे बदलाव धीरे-धीरे आपके सीखने और आगे बढ़ने के तरीके में बड़े बदलाव ला सकते हैं।

मेरी सोच सीखने को कैसे प्रभावित करती है।

साप्ताहिक कार्य

अपने दैनिक अनुभवों से कोई भी दो स्थितियाँ चुनें, जैसे कि किसी कठिन परीक्षा या क्विज़ का सामना करना, शिक्षक से फीडबैक या सुधार मिलना, किसी ग्रुप में काम करना जहाँ आपके विचार को नहीं चुना गया, किसी विषय को समझने में संघर्ष करना, या अपने प्रदर्शन की तुलना अपने दोस्तों से करना। ध्यान दें कि इन पलों में आप खुद से क्या कहते हैं—क्या आप निराश महसूस करते हैं, या आप इस बारे में सोचते हैं कि आप कैसे सुधार कर सकते हैं? यह गतिविधि आपको आपके सोचने के पैटर्न को समझने में मदद करेगी और यह भी कि वे आपके सीखने और आत्मविश्वास को कैसे प्रभावित करते हैं। प्रत्येक स्थिति के लिए, नोट करें-

प्र.1. प्रत्येक स्थिति में आपने कैसा महसूस किया?

....

....

प्र.2. आपका पहला विचार क्या था?

....

....

प्र.3. एक ऐसी स्थिति जहाँ आप आमतौर पर हार मान लेते हैं या जल्दी निराश महसूस करते हैं।

....

....

प्र.4. एक ऐसी स्थिति जहाँ आप पहले से ही दोबारा प्रयास करते हैं।

....

....

5.2 सीखना, लचीलापन और शुरू करने का साहस

केस स्टोरी — उद्यमशील मानसिकता

पेट्रीसिया नारायण

पेट्रीसिया नारायण की कहानी हमें याद दिलाती है कि उद्यमिता अक्सर किसी पद की इच्छा के जगह अस्तित्व की लड़ाई से शुरू होती है। महज 19 साल की उम्र में, चेन्नई के मरीना बीच पर दो भूखे बच्चों के साथ खड़ी पेट्रीसिया के पास कोई बिजनेस प्लान नहीं था। उसने अपने परिवार का पेट पालने की आवश्यकता देखी और अपने पहले 50 पैसे के लाभ को वित्तीय लाभ के रूप में नहीं, बल्कि अपने बच्चों के लिए दूध के पैकेट के रूप में देखा। इस यात्रा के लिए एक अविश्वसनीय ग्रोथ माइंडसेट की आवश्यकता थी, क्योंकि उसने अपनी परिस्थितियों की शर्म को इस सरल विश्वास से बदल दिया कि उसकी खाना पकाने की क्षमता ही शुरू करने के लिए काफी है। वर्षों तक, 'कॉफी अक्का' के रूप में, उसने गर्मी, बारिश और भारी ठेला खींचने की शारीरिक कठिनाइयों का सामना किया। उसने मुस्कुराहट बनाए रखने के लिए लचीलेपन अंतर्दृष्टि निष्कर्ष को एक ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। सफलता प्राप्त करने के बाद भी, उसने अपनी बेटी को खोने जैसी बड़ी मानवीय त्रासदी का सामना किया—फिर भी उसने उस गहरे दर्द को एक मिशन में बदल दिया और अपनी बेटी की याद में अपना पहला बड़ा रेस्तरां 'संदीपा' खोला।

गतिविधि 5.2.1 — कक्षा चर्चा — मानवीय दृष्टिकोण

उद्यमशीलता केवल व्यावसायिक विचारों या लाभ के बारे में नहीं है। यह भावनाओं, मूल्यों और कठिन समय के दौरान आगे बढ़ने की ताकत के बारे में भी है। यह गतिविधि आपको पेट्रीसिया की कहानी का उदाहरण देते हुए उद्यमशीलता को मानवीय दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रोत्साहित करती है।

उद्देश्य

- उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली भावनात्मक चुनौतियों को समझने में।
- कठिनाइयों को दूर करने में साहस और मानसिकता की भूमिका को पहचानने में।

- यह समझने में कि कैसे व्यक्तिगत मूल्य और उद्देश्य सार्थक व्यवसायों को आकार देते हैं।

निर्देश

सवालों को ध्यान से सुनें और जवाब देने से पहले सोचें। अपने विचार सम्मानपूर्वक साझा करें। कोई भी सही या गलत उत्तर नहीं है।

निम्नलिखित पर चर्चा करें:

1. **समानुभूति**

   पेट्रीसिया के बारे में सोचें जब वह बीच कार्ट चलाने का अपना पहला दिन बिता रही थी। आपको क्या लगता है कि उस समय वह भावनात्मक और मानसिक रूप से कैसा महसूस कर रही होगी?

   ....

   ....

2. **साहस और मानसिकता**

   यदि आप उसकी जगह होते, तो आपके मन में कौन से नकारात्मक या डरावने विचार आते? उन विचारों को बदलने और आगे बढ़ने के लिए आपको किस तरह की 'विकास-उन्मुख आंतरिक आवाज़' की आवश्यकता होती?

   ....

   ....

3. **विरासत और अर्थ**

   पेट्रीसिया ने अपने रेस्टोरेंट का नाम किसी ऐसे व्यक्ति के नाम पर रखा जिसे वह प्यार करती थी। आपको क्यों लगता है कि प्यार, याद या उद्देश्य पर बना व्यवसाय केवल एक ट्रेंडी या आकर्षक नाम वाले व्यवसाय से अधिक शक्तिशाली हो सकता है?

   ....

   ....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

हर व्यवसाय के पीछे एक मानवीय कहानी होती है। समानुभूति, साहस, मूल्य और विकास की मानसिकता उद्यमी यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मानवीय उद्यम साक्षात्कार

साप्ताहिक कार्य

अपने पड़ोस में किसी ऐसे व्यक्ति को खोजें जो छोटा व्यवसाय चलाता हो: एक दर्जी, चाय वाला, या किराने की दुकान का मालिक। उनसे पूछें- आपके व्यवसाय में अब तक का सबसे कठिन दिन कौन सा रहा? उस समय आपने हार न मानने का फैसला क्यों और कैसे लिया?

प्र.1. यहाँ उनका उत्तर लिखें: ....

....

प्र.2. आपने उनसे क्या सीखा: ....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. सीखना कोशिश करने, गलतियाँ करने और सुधार करने से होता है—न कि पहली बार में ही परफेक्ट होने से।
2. असफलता अंत नहीं है; यह अगली बार बेहतर करने के लिए उपयोगी फीडबैक देती है।
3. गलतियों पर चर्चा करना और मिलकर विचार करना टीमों को बेहतर समाधान खोजने में मदद करता है।
4. टीम वर्क, धैर्य और शांत सोच परिणामों में सुधार लाती है।
5. सीखने पर आधारित छोटे बदलाव बड़े सुधारों की ओर ले जा सकते हैं।
6. उद्यमी विचारों का परीक्षण करके, असफलता से सीखकर और आत्मविश्वास के साथ दोबारा प्रयास करके आगे बढ़ते हैं।

5.3 सोचने की कला - आलोचनात्मक और रचनात्मक

सोचने की कला - रचनात्मक और आलोचनात्मक होना

व्यवसाय में हर विचार, चुनाव और कार्य की शुरुआत सोच से होती है। लेकिन अच्छी तरह से सोचने के लिए, आपको यह जानना होगा कि स्थिति के आधार पर कई तरीकों से कैसे सोचा जाए। इसीलिए रचनात्मक और आलोचनात्मक दोनों तरह की सोच आवश्यक है।

रचनात्मक सोच आपको नए विकल्पों पर ध्यान देने में मदद करती है। यह आपको विभिन्न दृष्टिकोणों से देखकर समस्याओं को हल करने के नए तरीके सोचने में मदद करती है। नवाचार, जैसे इस्तेमाल किए गए कपड़े से पर्यावरण के अनुकूल बैग बनाना या खाली दीवार को लेसन बोर्ड में बदलना, "मैं और क्या कर सकता/सकती हूँ?" या "क्या कोई अलग तरीका है?" जैसे प्रश्न पूछने से आते हैं।

दूसरी ओर, आलोचनात्मक सोच आपको विचारों को गहराई से देखने और काम करने वाले विचार को चुनने में मदद करती है। इसका अर्थ है तथ्यों की जाँच करना, खतरों का पता लगाना और सबसे अच्छा विकल्प चुनना। "क्या यह वास्तविक जीवन में काम करेगा?" और "मुझे किन संसाधनों की आवश्यकता है?" जैसे प्रश्न लोगों को उपयोगी निर्णय लेने में मदद करते हैं।

उद्यमी इन दोनों चीजों का एक साथ उपयोग करते हैं: पहले नए विचारों के साथ आना, और फिर उन्हें सुधारना और परीक्षण करना। यह संतुलन बुनियादी विचारों को उन कार्यों में बदलने में मदद करता है जो मायने रखते हैं।

गतिविधि 5.3.1 रचनात्मक सोचें और सोच-समझकर निर्णय लें।

उद्देश्य:

- यह समझना कि वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच एक साथ कैसे काम करती हैं।
- अपने विचारों का विश्लेषण करने के लिए आलोचनात्मक सोच का उपयोग करें और उस विचार का चयन करें जिसे वास्तव में लागू किया जा सके।

निर्देश

- स्थिति को ध्यान से पढ़ें।
- सबसे पहले, अधिक से अधिक विचार उत्पन्न करने के लिए रचनात्मक सोच का उपयोग करें। इस स्तर पर व्यावहारिकता की चिंता न करें।

स्थिति

आपका स्कूल नोटिस करता है कि हर दिन बड़ी मात्रा में कागज बर्बाद होता है। रफ शीट्स, पुराने नोटिस और बिना उपयोग किए गए नोटबुक के पन्ने अक्सर फेंक दिए जाते हैं।

भाग अ - रचनात्मक सोच – विचार की उत्पत्ति

स्वतंत्र रूप से सोचें और कोई भी चार विचार लिखें जो आपके स्कूल में कागज की बर्बादी को कम करने में मदद कर सकें:

1. ....
2. ....

3. ....

4. ....

भाग ब - आलोचनात्मक सोच – विचारों का विश्लेषण

अब ऊपर लिखे विचारों की समीक्षा करें। एक ऐसा विचार चुनें जो आपको लगता है कि व्यावहारिक है और आपके स्कूल में लागू किया जा सकता है।

प्र.1. आपने कौन सा विचार चुना?

....

प्र.2. आपको क्यों लगता है कि यह विचार व्यावहारिक है?

....

प्र.3. आपको किन सामग्रियों या संसाधनों की आवश्यकता होगी?

....

प्र.4. इस विचार को लागू करते समय क्या चुनौतियाँ आ सकती हैं?

....

प्र.5. आप इन चुनौतियों को कैसे दूर कर सकते हैं?

....

भाग स - निर्णय और कार्रवाई

2-3 पंक्तियों में बताएं कि रचनात्मक और आलोचनात्मक दोनों सोच का उपयोग करने से आपको कई विचारों से एक व्यावहारिक समाधान तक पहुँचने में कैसे मदद मिली।

....

....

चिंतन

आपको किस प्रकार की सोच आसान लगी—रचनात्मक या आलोचनात्मक? क्यों?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. रचनात्मक सोच एक "विस्तार" उपकरण के रूप में कार्य करती है जो उद्यमियों को कचरे में छिपे मूल्य को देखने और पूरी तरह से नई संभावनाओं की कल्पना करने की अनुमति देती है।
2. आलोचनात्मक सोच "फ़िल्टर" के रूप में कार्य करती है जो उपलब्ध संसाधनों, लागत और संभावित जोखिमों के विरुद्ध किसी विचार की वास्तविकता का परीक्षण करती है।
3. "मानसिक गियर शिफ्ट" प्रभावी निर्णय लेने का मूल है, जो आपको व्यापक कल्पना से केंद्रित कार्रवाई की ओर बढ़ने की अनुमति देता है।
4. दोनों सोच शैलियों का संयोजन एक साधारण विचार को व्यावहारिक, टिकाऊ व्यवसाय या सामुदायिक समाधान में बदल देता है।

सोच प्रयोगशाला

साप्ताहिक कार्य

1. **द क्रिएटिव आर्किटेक्ट – दिमाग खोलना**

   रचनात्मक सोच बहुविकल्पीय सोच (Divergent Thinking) के बारे में है। यह एक फव्वारे की तरह है जो बिना किसी निर्णय के कई अलग-अलग विचार बाहर निकालता है। उद्यमी इसका उपयोग बाजार में उन कमियों को खोजने के लिए करते हैं जिन्हें किसी और ने नहीं देखा है।

   चुनौती-एक साधारण स्कूल लंच बॉक्स को देखें। ऐसी तीन "आउट ऑफ द बॉक्स" (अनोखी) विशेषताओं की सूची बनाएं जो एक छात्र के जीवन को अधिक रोमांचक या आसान बना सकें।

   उदाहरण- एक ढक्कन जो सोलर-पावर्ड फोन चार्जर के रूप में भी काम करता हो।

   a. ....

   b. ....

   c. ....

2. **द क्रिटिकल इंजीनियर – दिमाग को केंद्रित करना**

   तार्किक सोच अभिसारी सोच के बारे में है। यह एक कीप की तरह है जो उन सभी जंगली विचारों को लेता है और उन्हें छानकर उस एक विचार तक ले जाता है जो वास्तव में संभव है। इसमें तर्क, प्रमाण और वास्तविक दुनिया के गणित का उपयोग किया जाता है।

   चुनौती- धारा 1 से अपने पसंदीदा विचार को देखें। अब, उसकी वास्तविकता की जांच करें।

   अनुरूपता की जांच- क्या यह विचार एक बच्चे के अनुरूप है?

   ....

   कीमत की जांच-क्या इसकी कीमत इतनी अधिक होगी कि कोई इसे नहीं खरीदेगा?

   ....

   सुरक्षा की जांच-क्या कुछ ऐसा भी है जिससे यह खतरनाक हो सकता है (जैसे, नुकीले किनारे, गर्मी)?

   ....

   परिष्कृत विचार - इन जांचों के आधार पर, आप अपने विचार को व्यावहारिक बनाने के लिए उसमें क्या बदलाव करेंगे?

   ....

5.4 असफलता के डर पर काबू पाना

व्यवसाय और सीखने की प्रक्रिया में असफलता को अक्सर सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। कई बार विद्यार्थी किसी परियोजना या कार्य को शुरू ही नहीं करते क्योंकि उन्हें असफल होने का डर होता है। इसके विपरीत, सफल लोग असफलता को अंत नहीं, बल्कि सीखने का एक महत्वपूर्ण स्रोत मानते हैं।

जब असफलता को जानकारी या अनुभव के रूप में देखा जाता है, तो प्रत्येक असफलता सीखने का एक अवसर बन जाती है। "फेलिंग फास्ट" का विचार यह बताता है कि शुरुआत में ही छोटी और कम लागत वाली गलतियों से सीखना चाहिए, ताकि आगे चलकर बेहतर सुधार किया जा सके। "क्या मैं जीता?" पूछने के बजाय यह प्रश्न अधिक उपयोगी है- "मैंने इससे क्या सीखा?"। इस प्रकार की सोच आत्मविश्वास को बढ़ाती है और असफलता के डर को कम करती है।

व्यवसाय अक्सर इसलिए सफल होते हैं क्योंकि वे अपनी गलतियों और असफलताओं से सीखते हैं। वे समस्याओं के समाधान के लिए रचनात्मक तथा आलोचनात्मक सोच का उपयोग करते हैं।

स्थिर मानसिकता वाले लोग अक्सर असफलता से डरते हैं। इसके विपरीत, विकासशील मानसिकता वाले उद्यमी असफलता को उपयोगी प्रतिक्रिया के रूप में देखते हैं और सावधानीपूर्वक योजना बनाकर संतुलित जोखिम लेते हैं।

गतिविधि 5.4.1 बड़ी नाकामी का पुरस्कार

उद्देश्य

- यह समझना कि असफलता एक सामान्य मानवीय अनुभव है और इसका सामना हर व्यक्ति करता है।

गतिविधि के चरण

- **द स्टोरी सर्कल-** एक घेरे में बैठें। प्रत्येक छात्र और शिक्षक एक ऐसा समय साझा करें जब उन्होंने कुछ कोशिश की और वह पूरी तरह से गलत हो गया, जैसे कि पत्थर जैसा सख्त केक बनाना या किसी स्पोर्ट्स ट्रायल में फेल होना।
- **द पिवट एनालिसिस-**साझा करने के बाद, छात्र को उत्तर देना होगा: "वह कौन सी एक बात है जो मैं अब जानता हूँ जो मैं असफल होने से पहले नहीं जानता था?"
- **द री-ब्रांड-**उस असफलता को एक पेशेवर नाम दें। उदाहरण: पत्थर जैसा सख्त केक "तापमान नियंत्रण और खमीर एजेंटों में एक सबक" बन जाता है।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. असफलता अंत नहीं है—यह फीडबैक है जो आपको दिखाता है कि क्या काम नहीं करता ताकि आप वह ढूंढ सकें जो काम करता है।
2. "फेलिंग फास्ट" का अर्थ है जल्दी सीखने और समय व पैसा बचाने के लिए शुरुआत में छोटी गलतियाँ करना।
3. ग्रोथ माइंडसेट आपको असफलता को एक शिक्षक के रूप में देखने में मदद करता है, न कि इस प्रमाण के रूप में कि आप काफी अच्छे नहीं हैं।
4. हर सफल व्यवसाय पहले असफल हुआ—अंतर यह है कि उन्होंने गलतियों से सीखा और एक बेहतर योजना के साथ फिर से प्रयास किया।

सहजता का दायरा

साप्ताहिक कार्य

- **डर की पहचान करना**

  किसी ऐसे छोटे उद्यम या प्रोजेक्ट के बारे में सोचें जिसे आप आज़माना चाहते थे लेकिन शुरू नहीं किया क्योंकि आपको डर है कि यह काम नहीं करेगा।

  विचार ....

  डर-आपको वास्तव में किस बात का डर है? जैसे, लोग हँसेंगे, या मैं अपनी पॉकेट मनी बर्बाद कर दूँगा/दूँगी।

- **प्री-मॉर्टम (आलोचनात्मक सोच)**

  डर को नज़रअंदाज़ करने के बजाय, आइए उस पर गौर करें। यदि यह प्रोजेक्ट विफल हो जाता है, तो इसकी सबसे संभावित वजह क्या होगी?

  कारण ....

  सेफ्टी नेट प्लान - अगर ऐसा होता है, तो आप इसे कैसे संभालेंगे?

- **द डायवर्जेंट पिवट**

  यदि आपका मूल विचार विफल हो जाता है, तो विचार को बेहतर बनाने के लिए इसे बदलने के दो तरीके खोजने हेतु बहुविकल्पीय सोच का उपयोग करें।

1. ....

2. ....

- छोटा कदम

  इस सप्ताह अपने विचार से जुड़ा एक छोटा जोखिम उठाने का संकल्प लें। यह किसी मित्र से फीडबैक मांगना या सामग्री की कीमत पर शोध करना हो सकता है।

  मैंने क्या किया : ....

  मुझे कैसा लगा : ....

5.5 लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता का निर्माण करना

उद्यमशीलता में, आपकी सबसे बड़ी संपत्ति आपकी मानसिकता है, न कि पैसा या स्थान। चीजें विफल होंगी—लेकिन दो मानसिक ताकतें आपको आगे बढ़ने में मदद करती हैं: लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता।

लचीलापन - यह असफलता के बाद फिर से उभरने की क्षमता है। जैसे साइकिल चलाना सीखते समय आप गिरते हैं, उठते हैं और फिर से कोशिश करते हैं, वैसे ही लचीले लोग पूछते हैं, "मैं अलग तरीके से क्या कर सकता हूँ?"।

आत्म-प्रभावकारिता - यह विश्वास है कि "मैं इसे सीख सकता/सकती हूँ और हल कर सकता/सकती हूँ"। जो छात्र मानते हैं कि वे कोशिश कर सकते हैं, उनके सफल होने की संभावना उन लोगों की तुलना में अधिक होती है जो जल्दी हार मान लेते हैं।

एक साथ मिलकर, लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता उद्यमियों को आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करने और आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

गतिविधि 5.5.1 साक्ष्य दीवार

उद्देश्य

- छात्र अपनी पुरानी सफलताओं को पहचानकर अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने में सक्षम होंगे।

निर्देश

- प्रत्येक छात्र तीन 'स्टिकी नोट्स' या कागज के टुकड़े लें।
- प्रत्येक नोट पर, अतीत में हासिल की गई एक कठिन उपलब्धि के बारे में लिखें (जैसे, 'पाँच बार गिरने के बाद मैंने साइकिल चलाना सीखा', या 'मैंने गणित का एक कठिन अध्याय पूरा किया')।
- इन्हें एक दीवार पर चिपका दें। इसे ही 'एविडन्स वॉल ' कहा जाता है।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. लचीलापन गिरने के बाद तेजी से उठना है, न कि असफलता से पूरी तरह बचना।
2. आत्म-प्रभावकारिता खुद पर विश्वास है—यह आपको हार मानने के जगहकठिन चीजों को आज़माने में मदद करती है।
3. उच्च आत्म-प्रभावकारिता आपको चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है; कम आत्म-प्रभावकारिता आपको उनसे बचाती है।
4. यह याद रखना कि आपने पहले क्या हासिल किया है, नई समस्याओं का सामना करने के लिए आत्मविश्वास पैदा करता है।

दृढ़ता का रिकॉर्ड

साप्ताहिक कार्य

1. **चुनौती का विश्लेषण**

   इस सप्ताह के किसी एक ऐसे कार्य की पहचान करें जो कठिन लगा या जिसने आपको हार मानने पर मजबूर किया (यह स्कूल से संबंधित या कोई व्यक्तिगत प्रोजेक्ट हो सकता है)।

   चुनौती ....

2. **आत्म-प्रभावकारिता जाँच**

   इस कार्य को शुरू करने से पहले खुद पर अपने विश्वास को रेट करें:

   ☐ मुझे लगा कि मैं इसे आसानी से कर सकता/ सकती हूँ।

   ☐ मैं अनिश्चित था लेकिन कोशिश करने को तैयार था/थी।

   ☐ मुझे लगा कि मैं असफल होने वाला/ वाली हूँ।

3. **बाउंस-बैक (लचीलापन)**-जब चीजें कठिन हो गईं, तो आपने आगे बढ़ने के लिए किस आलोचनात्मक सोच रणनीति का उपयोग किया? (जैसे, कार्य को छोटे चरणों में तोड़ना, या मदद मांगना)।

   मेरी रणनीति ....

4. **असफलता को नया रूप देना**

   यदि आप पूरी तरह सफल नहीं हुए, तो असफलता को एक सबक के रूप में दोबारा लिखें।

   क्या हुआ ....

   सीखा गया सबक ....

संकल्पना

मानसिकता आपकी यात्रा को कैसे आकार देती है

1. मानसिकता से तात्पर्य उस तरीके से है, जिससे आप अपनी क्षमताओं, गलतियों और सीखने के बारे में सोचते और अपने आप से बात करते हैं। यह स्थायी नहीं होती, बल्कि समय के साथ विकसित हो सकती है।
2. **स्थिर मानसिकता-** इसमें व्यक्ति मानता है कि उसकी क्षमताएँ सीमित हैं और उनमें अधिक सुधार नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए— "मैं इसमें सुधार नहीं कर सकता/सकती।"

   विकासशील मानसिकता- इसमें व्यक्ति यह विश्वास करता है कि प्रयास और अभ्यास के माध्यम से वह अपनी क्षमताओं को बेहतर बना सकता है। उदाहरण के लिए— "मैं प्रयास और अभ्यास से सुधार कर सकता/सकती हूँ।"
3. गलतियों को असफलता के रूप में नहीं, बल्कि सीखने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। उनसे प्राप्त अनुभव हमें आगे बढ़ने में सहायता करते हैं।
4. **"अभी"** (yet) शब्द का प्रयोग सीखने की संभावना को बनाए रखता है। जैसे— "मैं यह अभी नहीं कर सकता/सकती।"
5. उद्यमी अक्सर सीखने, पुनः प्रयास करने और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता के कारण सफल होते हैं।

6. **रचनात्मक सोच** नए विचारों को उत्पन्न करने में सहायक होती है, जबकि **आलोचनात्मक सोच** उन विचारों का परीक्षण और सुधार करने में मदद करती है।
7. सफल नवाचार करने वाले लोग असफलता को सीखने के अनुभव के रूप में देखते हैं और अपनी योजनाओं में सुधार करने के लिए छोटी-छोटी गलतियों से जल्दी सीखने का प्रयास करते हैं।
8. **लचीलापन** व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों से उबरने में सहायता करता है, जबकि **आत्म-प्रभावकारिता** व्यक्ति में अपनी सीखने और आगे बढ़ने की क्षमता के प्रति विश्वास विकसित करती है।
9. निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच में छोटे-छोटे परिवर्तन लंबे समय में आत्मविश्वास और सफलता के निर्माण में सहायक होते हैं।

मुख्य संदेश

लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता उद्यमियों को आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करने और आगे बढ़ते रहने में मदद करती है।

अध्याय 06

हमारी टीम, हमारी क्षमता

K6S5G8

कालांश – 2

इस अध्याय में आप जानेंगे कि कैसे सही टीम बनाकर एक साधारण से विचार को एक मज़बूत बिज़नेस या उद्यम में बदला जा सकता है। आप अपनी और दूसरों की क्षमता को पहचानना, सही भूमिकाएँ सौंपना और टीम वर्क में नेतृत्व, नैतिकता और सततता के महत्त्व को समझेंगे। चर्चाओं और गतिविधियों के माध्यम से आप यह भी सीखेंगे कि आपसी मतभेदों या विवादों को कैसे सुलझाया जाए, दूसरों की बातों और विचारों को ध्यान से कैसे सुना जाए, सम्मानजनक बातचीत के द्वारा सबकी सहमति से निर्णय कैसे लिए जाएँ। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, आप जानेंगे कि कोई भी काम तब और भी मज़बूत बनता है जब टीम का हर सदस्य ज़िम्मेदारी, रचनात्मकता और सहयोग के साथ अपना योगदान देता है।

सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी इस योग्य बन पाएगें कि वे-

- भूमिकाओं, क्षमताओं और नेतृत्व गुणों की पहचान करके प्रभावी टीमें बनाना।
- यह समझ सकें कि टीमवर्क, नैतिकता और स्थिरता मजबूत उद्यमों को कैसे आकार देती है।
- सम्मानजनक संचार और नवाचारी सोच का उपयोग करके विवादों का प्रबंधन करें और सहमति बनाएँ।

4.1 प्रभावी टीम बनाना-भूमिकाएँ, क्षमता और नेतृत्व

एक बार, चार विद्यार्थियों ने मिलकर अपने स्कूल में एक छोटा सा उद्यम शुरू करने का फैसला किया। वे सभी बहुत उत्साहित थे और उनके पास ढेरों नए विचार थे। हर कोई चाहता था कि उनका यह प्रोजेक्ट सफल हो—लेकिन बहुत ही जल्द, मुश्किलें सामने आने लगीं। सबके पास अपने-अपने विचार थे, लेकिन कोई भी सच में दूसरे की बात सुन नहीं रहा था। दो विद्यार्थी लगातार इस बात पर बहस कर रहे थे कि ग्रुप का लीडर कौन बनेगा। एक और विद्यार्थी ने अपने सुझाव देने की कोशिश की लेकिन जब उसे लगा कि उसकी

बात अनसुनी की जा रही है तो उसने धीरे-धीरे बोलना ही बंद कर दिया। मीटिंग्स अब चर्चा की जगह उलझन और हताशा का कारण बन गई थीं। एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की जगह वे एक-दूसरे के खिलाफ काम करने लगे। बहुत ही कम समय में वह प्रोजेक्ट पूरी तरह से बिखर गया। ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि उनका विचार कमजोर था और न ही इसलिए कि उन विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी थी। वह प्रोजेक्ट इसलिए फेल नहीं हुआ कि उसमें मेहनत की कमी थी, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि वह टीम, एक 'टीम' की तरह काम ही नहीं कर पाई।

एक महीने बाद, उन्हीं चार विद्यार्थियों को एक और अवसर दिया गया। इस बार उन्होंने कुछ अलग करने का निर्णय किया। काम शुरू करने से पहले, वे सब साथ बैठे और ईमानदारी से इस पर चर्चा की कि पिछली बार उनसे कहाँ गलती हुई थी। उन्होंने भूमिकाएँ स्पष्ट रूप से बाँट लीं ताकि हर किसी को अपनी ज़िम्मेदारी पता हो। फिर उन्होंने एक ऐसे नेता को चुना जिस पर सबको भरोसा था। वे एक-दूसरे की बातें ध्यान से सुनते थे और असहमति को बातचीत से सुलझाते थे। उन्होंने व्यक्तिगत राय पर ध्यान देने की जगह एक साझा लक्ष्य पर फोकस किया।

फिर, अचानक सब कुछ बदलने लगा। ग्रुप का माहौल अब शांत था। हर किसी को यह लग रहा था कि उनकी बात सुनी जा रही है। निर्णय जल्दी लिए जाने लगे और काम सुचारू रूप से आगे बढ़ने लगा। वही विचार जो पहले असफल हुआ था, अब आकार लेने लगा। अंत में, उनका उद्यम इसलिए सफल नहीं हुआ कि विचार बदल गया था, बल्कि इसलिए कि उनके काम करने का तरीका बदल गया था।

सफल उद्यम शायद ही कभी अकेले बनाए जाते हैं। हर मजबूत विचार के पीछे एक टीम होती है जहाँ प्रत्येक सदस्य एक स्पष्ट भूमिका निभाता है, अपनी क्षमता का उपयोग करता है और एक साझे लक्ष्य की ओर काम करता है। एक प्रभावी बनाना टीम यह समझने से शुरू होती है कि कौन क्या करता है और कौन प्रत्येक जिम्मेदारी के लिए सबसे उपयुक्त है। टीम का प्रत्येक सदस्य अद्वितीय क्षमता लाता है- कुछ विचार उत्पन्न करने में अच्छे होते हैं, कुछ योजना बनाने में , कुछ लोगों को प्रबंधित करने में और अन्य पैसे या संसाधनों

को संभालने में। इन क्षमताओं की पहचान करने से टीम को भूमिकाओं को समझदारी से सौंपने में मदद मिलती है। जब लोग ऐसी भूमिकाओं में काम करते हैं जो उनकी क्षमताओं के अनुरूप होती हैं, तो उन्हें आत्मविश्वास, प्रेरणा और टीम की सफलता के लिए जिम्मेदारी महसूस होती है।

टीम बनाने में नेतृत्व एक अन्य महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। एक अच्छा नेता हावी नहीं होता बल्कि मार्गदर्शन करता है, सुनता है और टीम का समर्थन करता है। नेतृत्व के गुणों में स्पष्ट संवाद, निष्पक्षता, निर्णय लेने की क्षमता और सहानुभूति शामिल हैं। एक प्रभावी नेता सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक व्यक्ति की बात सुनी जाए, विवादों को सम्मानपूर्वक सुलझाया जाए और टीम अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहे। जब भूमिकाएँ स्पष्ट हों, क्षमताओं को महत्त्व दिया जाए और नेतृत्व जिम्मेदार हो, तो टीमें सुचारू रूप से काम करती हैं, समस्याओं को बेहतर ढंग से हल करती हैं और विचारों को सफल परिणामों में बदलती है

गतिविधि 6.1.1 अपनी टीम बनाएं और अपने सी.ई.ओ का चयन करें

उद्देश्य

- यह समझना कि प्रभावशाली टीम बनाते समय व्यक्तिगत क्षमताओं की पहचान कैसे की जाती है और सही भूमिकाएँ कैसे सौंपी जाती हैं।
- यह समझना कि जिम्मेदारी के साथ एक नेता कैसे चुना जाता है और हर भूमिका टीम की सफलता में कैसे योगदान देती है।

निर्देश

- 4-5 विद्यार्थियों की एक टीम बनाएँ। एक साथ ऐसे बैठें कि आप आराम से बात कर सकें। पूरी गतिविधि के दौरान अपनी इसी टीम के साथ रहें।
- एक टीम के रूप में कल्पना करें कि आप एक छोटा बिज़नेस शुरू कर रहे हैं। यह स्कूल से जुड़ा हो सकता है (जैसे स्टेशनरी कॉर्नर या इको-क्लब प्रोजेक्ट) या समुदाय से जुड़ा (जैसे रीसाइक्लिंग ड्राइव या ट्यूशन सपोर्ट)। अभी आपको सब कुछ प्लान करने की आवश्यकता नहीं है—बस एक बुनियादी विचार पर सहमत हों।
- अब अपनी टीम में चर्चा करें और रुचि और क्षमता के आधार पर भूमिकाएँ तय करें। प्रत्येक विद्यार्थी को एक भूमिका लेनी चाहिए। कुछ मिनट बात करें और तय करें कि कौन किस रोल के लिए सबसे सही है।

भूमिका	ज़िम्मेदारी
CEO (लीडर)	टीम का मार्गदर्शन करना और अंतिम ज़िम्मेदारी लेना।
क्रिएटिव हेड	नए विचारों और समाधानों के बारे में सोचना।
ऑपरेशन्स मैनेजर	कामों और समय-सीमा की योजना बनाना।
वित्त योजनाकार	खर्चों और बजट का प्रबंधन करना।
स्थिरता चैंपियन	3P(People–Planet-Profit) का संतुलन सुनिश्चित करता है

- भूमिकाओं पर चर्चा के बाद,भूमिकाओं पर चर्चा होने के बाद, अपनी टीम के लिए एक CEO चुनें। आपका चयन निम्नलिखित आधार पर होना चाहिए: जिम्मेदारी, सभी की बातें सुनने की क्षमता, निष्पक्ष निर्णय लेना, आत्मविश्वास (प्रभुत्व या नियंत्रण नहीं)।

  याद रखें: CEO का काम टीम को सहारा देना है, दूसरों को हुक्म देना नहीं।
- एक समूह के रूप में संक्षेप में चर्चा करें: आपने इसी CEO को क्यों चुना? हर भूमिका टीम को बेहतर काम करने में कैसे मदद करेगी? इसके बारे में 2-3 लाइनें एक साथ मिलकर लिखें।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

मज़बूत विचार तभी सफल होते हैं जब उन्हें मज़बूत टीम वर्क का साथ मिले। स्पष्ट भूमिकाएँ, आपसी सम्मान और ज़िम्मेदार नेतृत्व ही व्यक्तिगत क्षमताओं को सबकी सामूहिक सफलता में बदल देते हैं।

टीम की कार्यप्रक्रिया पर चिंतन

साप्ताहिक कार्य

गतिविधि 6.1.1 में बनी अपनी टीम और सौंपी गई भूमिकाओं के बारे में सोचें

प्र.1. आपने अपनी टीम में कौन सी भूमिका चुनी और वह आपके लिए सही क्यों थी?

....

....

प्र.2. CEO चुनते समय आपकी टीम ने किन गुणों पर ध्यान दिया?

....

....

प्र.3. उस गतिविधि के दौरान एक ऐसा कार्य या व्यवहार बताएँ जिसने अच्छे नेतृत्व को दिखाया।

....

....

प्र.4. इस बारे में एक वाक्य लिखें कि स्पष्ट भूमिकाओं ने टीम को बेहतर काम करने में कैसे मदद की?

....

....

संकल्पना

भूमिकाएँ, नेतृत्व और नैतिकता

नेतृत्व का मतलब आदेश देना या समूह में सबसे ऊँची आवाज़ में बोलना नहीं है। सच्चा नेतृत्व ज़िम्मेदारी, समानुभूति और निष्पक्षता के साथ दूसरों का मार्गदर्शन करना है। एक अच्छा लीडर ध्यान से सुनता है, अलग-अलग विचारों की कद्र करता है और टीम को एक साथ आगे बढ़ने में मदद करता है।

एक टीम में, CEO कोई 'बॉस' नहीं बल्कि एक 'समन्वयक' होता है। CEO की भूमिका लोगों को एक साथ लाना, यह सुनिश्चित करना कि हर कोई अपनी ज़िम्मेदारी समझे और टीम को सही निर्णय लेने में मदद करना है। जब टीम के सदस्यों को सम्मान मिलता है और उनकी बात सुनी जाती है तो वे अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए प्रेरित होते हैं।

मज़बूत टीमें नैतिकता, ईमानदारी और आपसी सम्मान पर बनती हैं। नैतिक व्यवहार का मतलब है अपने निर्णयों में सच्चा, निष्पक्ष और ज़िम्मेदार होना। इसका अर्थ साथियों के साथ समान व्यवहार करना और मतभेदों को झगड़े की जगह बातचीत से सुलझाना भी है।

अंत में, अच्छा नेतृत्व केवल थोड़े समय की सफलता को नहीं देखता। सतत नेता लाभ से आगे बढ़कर लोगों और पर्यावरण पर अपने निर्णयों के प्रभाव के बारे में सोचते हैं। जब नेता दीर्घकालिक कल्याण की परवाह करते हैं, तो टीमें ऐसे समाधान तैयार करती हैं जो सार्थक, जिम्मेदार और स्थायी होते हैं।

6.2 विवाद प्रबंधन और सहमति निर्माण

जब लोग साथ मिलकर काम करते हैं तो विचारों में मतभेद होना स्वाभाविक है। टीम का प्रत्येक सदस्य अपने विचार, अनुभव और दृष्टिकोण लेकर आता है। कभी-कभी ये मतभेद असहमति या विवाद का कारण बनते हैं। विवाद हमेशा बुरी बात नहीं होती। वास्तव में, यह टीमों को गहराई से सोचने और बेहतर समाधान निकालने में मदद कर सकता है, बशर्ते इसे सही तरीके से संभाला जाए। विवाद तब समस्या बन जाता है जब लोग सुनना बंद कर देते हैं, अपनी आवाज़ उठाते हैं या यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि केवल उनका विचार ही सही है। ऐसी स्थितियों में टीम वर्क टूट जाता है, कुछ सदस्य उपेक्षित महसूस करते हैं और प्रगति धीमी हो जाती है या रुक जाती है। विवाद प्रबंधन असहमति को शांतिपूर्वक और सम्मानपूर्वक संभालने का कौशल है ताकि टीम आगे बढ़ सके।

आम सहमति बनाने का अर्थ है ऐसा निर्णय लेना जिसे हर कोई स्वीकार कर सके, भले ही वह हर किसी की पहली पसंद न हो। इसका मतलब तर्क जीतना नहीं है। इसका मतलब है, ऐसा समाधान खोजना जो टीम के साझा लक्ष्य को सर्वोत्तम रूप से पूरा करे। उद्यमी और नेता विवाद प्रबंधन और आम सहमति बनाने का उपयोग करके टकराव को सहयोग में और विचारों को कार्यों में बदलते हैं।

जयपुर रग्स की शुरुआत एक सरल लेकिन शक्तिशाली विचार से हुई—ग्रामीण कारीगरों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करना, जिनके पास पारंपरिक बुनाई कौशल तो था लेकिन आय के बहुत सीमित स्रोत थे। इनमें से कई कारीगर, विशेषकर महिलाएँ ऐसे गाँवों में रहती थीं जहाँ उनकी प्रतिभा के बावजूद काम के अवसर बहुत कम थे। आज जयपुर रग्स भारत के विभिन्न राज्यों में फैले हजारों कारीगरों के साथ काम करता है। अधिकांश कारीगर अपने घरों से ही कालीन बुनते हैं, जिससे वे अपने परिवारों और समुदायों से जुड़े रहते हुए एक स्थिर आय अर्जित कर पाते हैं। ये हस्तनिर्मित कालीन पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेचे जाते हैं जो वैश्विक मंच पर स्थानीय शिल्प कौशल का प्रदर्शन करते हैं।

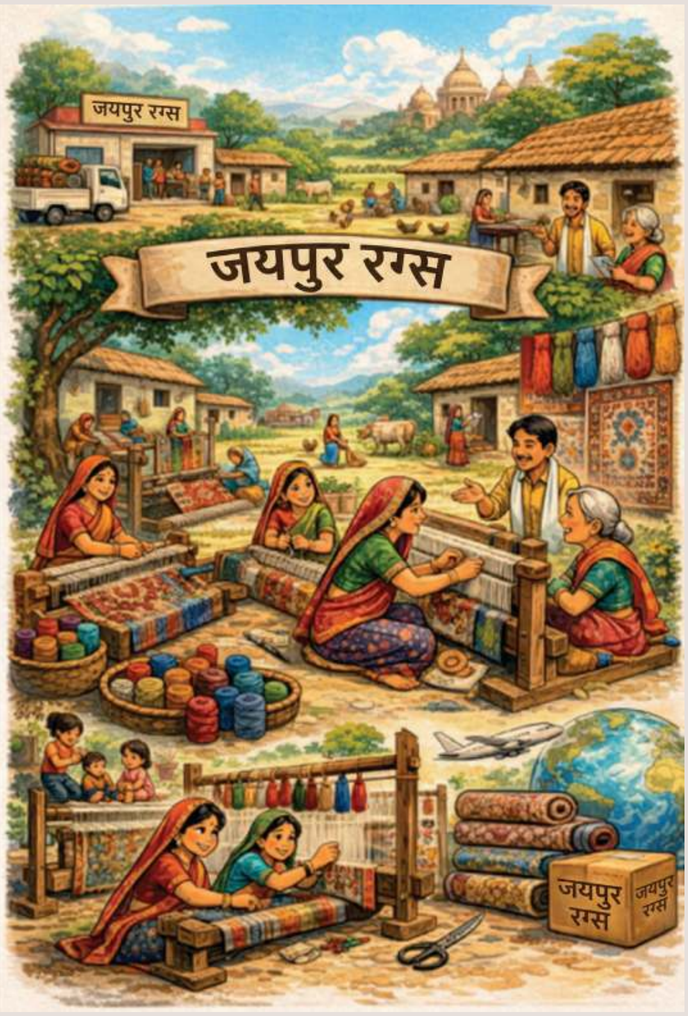

कंपनी की सफलता में टीमवर्क की अहम भूमिका होती है। काम इन सभी के बीच मजबूत समन्वय पर निर्भर करता है: कालीन बुनने वाले कारीगरों, कच्चे माल और मार्गदर्शन प्रदान करने वाले फील्ड कोऑर्डिनेटरों, पैटर्न विकसित करने वाले डिज़ाइनरों और तैयार उत्पादों को इकट्ठा करने और पहुँचाने वाली लॉजिस्टिक्स टीमों के बीच। अगर इस शृंखला का कोई भी हिस्सा बाधित हो जाता है, तो अंतिम उत्पाद ग्राहकों तक नहीं पहुंच सकता। इसलिए सहयोग, संचार और विश्वास बेहद ज़रूरी हैं।

जयपुर रग्स में नेतृत्व समर्थन और सशक्तिकरण पर आधारित है। नेता कारीगरों का मार्गदर्शन करने, उचित मजदूरी सुनिश्चित करने और स्थानीय स्तर पर चुनौतियों का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। लोगों को नियंत्रित करने की जगह यहाँ नेतृत्व का उद्देश्य कारीगरों को आत्मविश्वास और गरिमा के साथ आगे बढ़ने में सक्षम बनाना है।

विवाद प्रबंधन को संवेदनशीलता और सम्मान के साथ संभाला जाता है। देरी, गुणवत्ता संबंधी चिंताओं या गलतफहमियों जैसे मुद्दों को दोषारोपण की जगह खुले संवाद के माध्यम से सुलझाया जाता है। समस्याओं पर शांतिपूर्वक चर्चा करके और मिलकर समाधान ढूंढकर, कंपनी मजबूत और स्थायी संबंध बनाए रखती है। टीमवर्क, समावेशी नेतृत्व और सम्मानजनक मतभेद प्रबंधन के माध्यम से, जयपुर रग्स एक सफल उद्यम में विकसित हुआ है, साथ ही ग्रामीण कारीगरों के जीवन को बेहतर बनाने और पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद की है।

गतिविधि 6.2.1 जब विचार टकराते हैं

उद्देश्य

- यह समझना कि विचारों के अंतर के कारण विवाद उत्पन्न हो सकते हैं।
- यह पहचानना कि विवाद के दौरान सम्मानपूर्वक संवाद करना क्यों महत्वपूर्ण है।
- यह सीखना कि टीम में ध्यान से सुनना क्यों आवश्यक है।

स्थिति एक टीम पिछले कुछ दिनों से एक छोटे प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। सभी बहुत उत्साहित हैं और काम अच्छे से आगे बढ़ रहा है। चर्चा के दौरान, टीम के दो सदस्य उत्पाद के अलग-अलग डिज़ाइन का सुझाव देते हैं।एक विद्यार्थी कहता है, *"मेरा डिज़ाइन ज़्यादा रचनात्मक है और लोगों को ज़्यादा पसंद आएगा।"* दूसरा जवाब देता है, *"लेकिन मेरा डिज़ाइन सरल और सस्ता है। तुम्हारे डिज़ाइन पर खर्चा बहुत ज़्यादा होगा।"* जैसे-जैसे चर्चा आगे बढ़ती है, दोनों विद्यार्थी दूसरों को यह समझाने की कोशिश करते हैं कि उनका विचार बेहतर है। आवाज़ें तेज़ होने लगती हैं और बातचीत बहस में बदल जाती है। अन्य सदस्यों को असहज महसूस होने लगता है और वे अपने विचार रखना बंद कर देते हैं। कोई फैसला नहीं हो पाता और टीम का काम रुक जाता है। समस्या विचारों की नहीं है—दोनों डिज़ाइन अच्छे हैं। असली समस्या यह है कि असहमति को कैसे सुलझाया जा रहा है।

निर्देश

शिक्षक के निर्देशानुसार समूह बनाएँ।

- समूह में दी गई स्थिति को ध्यान से पढ़ें।
- चर्चा करें कि टीम की बातचीत में क्या गलत हुआ।
- बारी-बारी से बताएँ कि टीम का हर व्यक्ति कैसा महसूस कर रहा होगा।
- तय करें कि समूह इस विवाद को शांत और सम्मानजनक तरीके से कैसे सुलझा सकता है।
- चर्चा करें कि टीम ऐसा निर्णय कैसे ले सकती है जिसे हर कोई स्वीकार करे।
- एक समूह के रूप में 4-5 पंक्तियाँ लिखें जिसमें यह बताया गया हो कि:
  - विवाद को कैसे सुलझाया जा सकता है।
  - सहमति बनाने से टीम को आगे बढ़ने में कैसे मदद मिलती है।

सोचें और विचार करें

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें:

प्र.1. टीम में विवाद क्यों हुआ?

....

प्र.2. दूसरों को ध्यान से सुनने से बहस को रोकने में कैसे मदद मिल सकती है?

....

प्र.3. समूह में काम करते समय सबकी आपसी सहमति क्यों आवश्यक है?

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

टीम में काम करते समय विवाद होना एक आम बात है। जब इन्हें धैर्य, सम्मान, और खुले संवाद के साथ संभाला जाता है, तो असहमतियाँ बेहतर विचारों और मजबूत सहयोग की ओर ले जा सकती हैं। सबकी सहमति से काम करने से टीम एकजुट रहती है और अपने साझा लक्ष्य पर ध्यान दे पाती है।

दैनिक जीवन में मतभेदों को संभालना

साप्ताहिक कार्य

इस सप्ताह स्कूल, घर या दोस्तों के साथ हुई किसी ऐसी घटना के बारे में सोचें जहाँ आपकी राय दूसरों से अलग थी या कोई मतभेद हुआ था |

प्र.1. उस स्थिति के बारे में संक्षेप में लिखें और बताएँ कि किस बात पर असहमति थी।

....

....

प्र.2. संबंधित लोगों ने इस विवाद पर कैसे प्रतिक्रिया दी?

....

....

प्र.3. स्थिति को अधिक शांति और सम्मान के साथ संभालने के लिए क्या किया जा सकता था?

....

....

प्र.4. एक वाक्य लिखें जिसमें यह बताया जाए कि सुनना और सहमति कैसे सभी को आगे बढ़ने में मदद कर सकती थी।

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. टीम में काम करने से अलग-अलग विचार, कौशल और दृष्टिकोणों को एक साथ लेन में मदद मिलती है |
2. नेतृत्व का अर्थ दूसरों को रास्ता दिखाना, उनकी बात सुनना और ज़िम्मेदारी लेना है—केवल आदेश देना नहीं |
3. जब फीडबैक विनम्र, स्पष्ट और कुछ सिखाने वाला हो तो वह विचारों को और बेहतर बनाने में मदद करता है।

अधिगम चिंतन

प्र.1. फीडबैक देने और लेने के बारे में आपने क्या सीखा?

....

....

प्र.2. अगर आपसी विवादों को सही ढंग से सुलझाया जाए तो वे टीम को आगे बढ़ने में कैसे मदद कर सकते हैं?

....

....

प्र.3. आपको कौन सी नेतृत्व क्षमता पहले से ही प्राप्त है और आप किस क्षमता को विकसित करना चाहेंगे?

....

....

मुख्य संदेश

टीम में काम करते समय विवाद होना स्वाभाविक है। अगर इन्हें सम्मान के साथ सुलझाया जाए तो इनसे और भी बेहतर समाधान निकल सकते हैं।

अध्याय 07

डिजिटल कौशल का उपयोग

U3G4U7

कालांश – 3

इस अध्याय में, आप जानेंगे कि वर्ड (Word),एक्सेल (Excel), पावरपॉइंट (PowerPoint) और पीडीएफ (PDF) जैसे सामान्य एप्लिकेशन का उपयोग बुनियादी कार्यों को बेहतर तरीके से करने के लिए कैसे किया जा सकता है। आप यह भी समझेंगे कि डेटा कैसे एक मूल्यवान संपत्ति बन जाता है जो योजना बनाने, निर्णय लेने और विकास में मदद करता है।

जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, आप जानेंगे कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सरल और व्यावहारिक तरीकों से आधुनिक व्यवसायों का समर्थन कर रहा है, जिससे काम तेज़, समझदारी और कुशलता से हो रहा है।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी इस योग्य बन पाएंगे कि वे

- बेहतर रूप से बुनियादी व्यावसायिक कार्यों को करने के लिए Word, Excel, PowerPoint और PDF जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने में।
- यह समझने में कि डेटा; योजना बनाने, निर्णय लेने और विकास के लिए एक व्यावसायिक संपत्ति के रूप में कैसे कार्य करता है।
- यह जानने में कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सरल और व्यावहारिक तरीकों से आधुनिक व्यवसायों का समर्थन कैसे करता है।

एक ही विचार, अलग परिणाम

स्कूल का मेला उत्साह से भरा था। छात्रों ने हस्तनिर्मित सामान, स्नैक्स और रचनात्मक उत्पाद बेचने के लिए छोटे स्टॉल लगाए थे। उनमें सूरज और आयरा भी थे, दोनों उत्साही और मेहनती थे, और दोनों अपना छोटा उद्यम चला रहे थे।

सूरज हाथ से बने चाबियों के छल्ले बेच रहा था। उसने उन छल्लों को सावधानी से बनाने, रंग और आकार चुनने में कई दिन बिताये थे। उसके उत्पाद वास्तव में अच्छे थे, और कई छात्र उन्हें देखने के लिए रुके। हालाँकि, सूरज ने चाबियों के छल्ले बनाने के अलावा और कोई खास योजना नहीं बनाई थी। उसने कागज के छोटे टुकड़ों पर जल्दी-जल्दी कीमतें लिखीं और उन्हें टेबल पर रख दिया। जब ग्राहकों ने इस्तेमाल की गई सामग्री की गुणवत्ता के बारे में पूछा या यह पूछा कि उसका उत्पाद विशेष क्यों है, तो वह उसे स्पष्ट रूप

से समझाने में जूझता रहा। उसने अपने खर्चों या बिक्री को नोट नहीं किया था, इसलिए दिन के अंत तक, उसे पक्का नहीं पता था कि उसने मुनाफा कमाया है या नहीं।

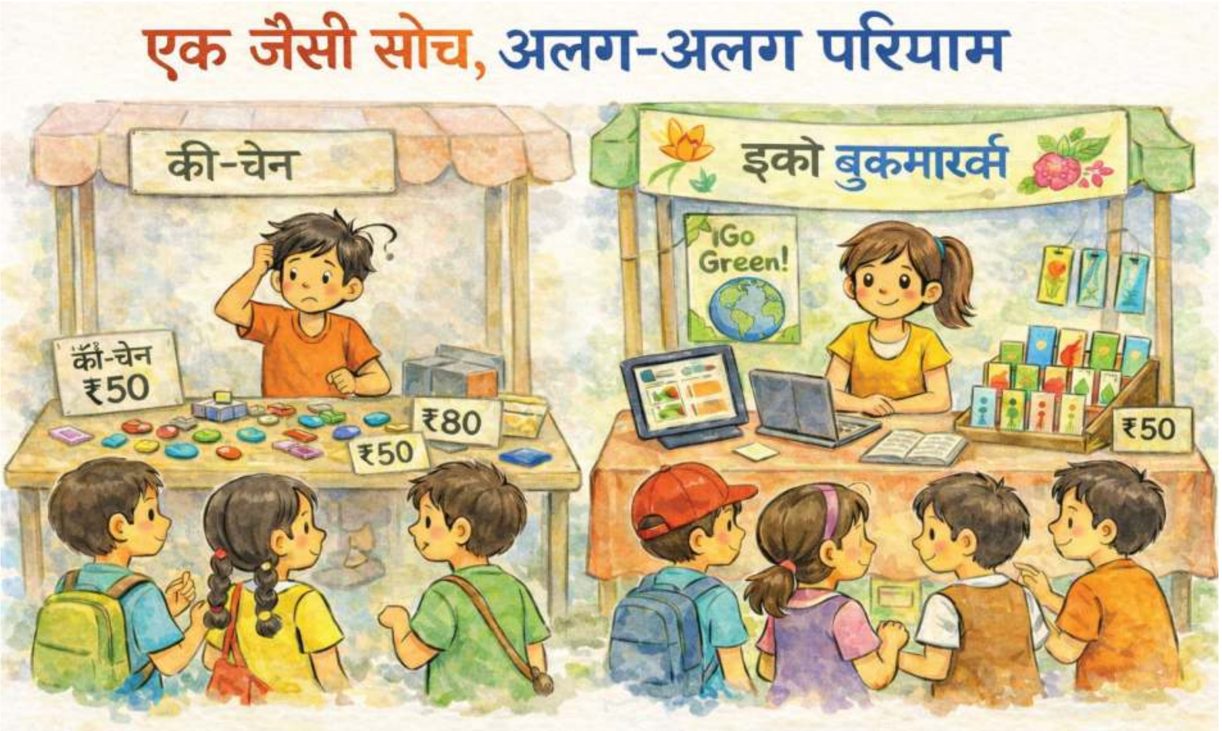

कुछ ही स्टॉल दूर, आयरा इको-फ्रेंडली बुकमार्क बेच रही थी। उसका विचार बहुत सरल था, लेकिन उसने उसे जिस तरह से लोगों के सामने रखा, उससे बड़ा फर्क पड़ा।

उसने एक डॉक्यूमेंट लिखने वाले टूल की मदद से एक साफ-सुथरी मूल्य सूची बनाई थी और उसे अपने स्टॉल पर साफ़ दिखाई देने वाली जगह पर लगाया था।

वह एक स्प्रेडशीट की मदद से यह भी देखती रहती थी कि उसने कितना खर्च किया और कितने बुकमार्क बेचे। जब लोग उससे सवाल पूछते, तो वह टैबलेट पर एक छोटी-सी प्रस्तुति दिखाकर अपने विचार को आत्मविश्वास के साथ समझाती थी।

लोगों का ध्यान खींचने के लिए उसने एक मुफ्त AI डिज़ाइन टूल से एक रंगीन पोस्टर भी बनाया था।

सूरज और आयरा दोनों ने पूरे दिन समान रूप से कड़ी मेहनत की। दोनों के पास अच्छे विचार थे। लेकिन मेले के अंत तक, आयरा के स्टॉल ने अधिक ग्राहकों को आकर्षित किया। लोगों ने उस पर अधिक भरोसा किया क्योंकि उसका काम व्यवस्थित और बेहतर लग रहा था। उसे अपनी लागत स्पष्ट रूप से पता थी, उसने अपना विचार अच्छे से समझाया और सवालों के जवाब आत्मविश्वास से दिए। परिणामस्वरूप, उसने अधिक विश्वास, अधिक स्पष्टता और अधिक लाभ अर्जित किया।

अंतर प्रतिभा या प्रयास का नहीं था - यह इस बात का था कि डिजिटल टूल्स का उपयोग कैसे किया गया।

7.1 डिजिटल कौशल क्यों महत्वपूर्ण हैं?

आज की दुनिया में, उद्यमिता तकनीक से बहुत ही गहराई से जुड़ी हुई है। अब आपको कुछ नया शुरू करने के लिए बड़े कार्यालय, महंगी मशीनों या बड़ी टीम की आवश्यकता नहीं है। आपको जिस चीज़ की ज़रूरत है, वह है बुनियादी डिजिटल कौशल।

साधारण डिजिटल टूल भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। वे आपको अधिक पेशेवर तरीके से संवाद करने, पैसे और रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने, और अपने विचारों को स्पष्ट व आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने में मदद करते हैं। साथ ही, वे गलतियों को कम करते हैं और समय बचाते हैं।

डिजिटल उपकरण आपके प्रयास के "गुणक" की तरह होते हैं। वे बार-बार होने वाले कामों को अपने-आप करने में मदद करते हैं और आपको दुनिया से जोड़ते हैं। इससे एक अकेला व्यक्ति भी कई बार पूरी टीम जितना काम कर सकता है।

गतिविधि 7.1.1 कार्य के अनुसार उपकरण का मिलान

उद्देश्य

- यह समझना कि उद्यमिता में उपयोग किए जाने वाले सामान्य डिजिटल उपकरणों का उद्देश्य क्या होता है।
- यह पहचानना कि विभिन्न व्यावसायिक कार्यों के लिए कौन सा डिजिटल उपकरण उपयुक्त है।
- यह समझना कि सही उपकरण चुनने से काम कैसे आसान और अधिक व्यवस्थित हो जाता है।

निर्देश

- अपने शिक्षक के निर्देशानुसार अकेले या जोड़े में काम करें।
- डिजिटल उपकरणों की सूची और उनके संभावित उपयोगों को ध्यान से पढ़ें।
- प्रत्येक डिजिटल टूल का उस कार्य के साथ मिलान करें जिसके लिए इसका सबसे अधिक उपयोग किया जाता है।
- सही मिलान अपनी नोटबुक में लिखें।

निम्नलिखित का मिलान करें

टूल	उपयोग
वर्ड	अंतिम दस्तावेजों को सुरक्षित रूप से साझा करने के लिए
एक्सेल	विचारों को प्रस्तुत करने और प्रस्तुतियाँ बनाने के लिए
पावरपॉइंट	बजट, खर्च और लाभ-हानि के रिकॉर्ड के लिए
डॉक्यूमेंट	पत्र, प्रस्ताव और नोटिस लिखने के लिए

- मिलान पूरा करने के बाद, अपने साथी या समूह के साथ चर्चा करें
  - आप अपने विचार या प्रोजेक्ट के लिए किस डिजिटल टूल का सबसे अधिक उपयोग करेंगे?
  - यह टूल आपके काम के लिए क्यों उपयोगी है?

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

उद्यमी दूसरों को प्रभावित करने के लिए डिजिटल टूल का उपयोग नहीं करते, बल्कि अधिक स्पष्टता, सटीकता और कुशलता से काम करने के लिए उपयोग करते हैं। सही काम के लिए सही टूल चुनने से विचार बेहतर लगते हैं और समय की बचत होती है।

सही डिजिटल टूल चुनना

साप्ताहिक कार्य

अ. अपने दैनिक कार्यों में डिजिटल टूल लागू करें उन तीन कार्यों के बारे में सोचें जिन्हें आपको इस सप्ताह पूरा करना है। प्रत्येक कार्य के लिए, सबसे उपयुक्त डिजिटल टूल चुनें और समझाएं कि आपने इसे क्यों चुना।

1. अपने शिक्षक को औपचारिक पत्र लिखना

   बेस्ट टूल ....

   कारण ....

2. इस महीने खर्च किए गए पॉकेट मनी का हिसाब रखना
   बेस्ट टूल ....
   कारण ....
3. अपना फाइनल एग्जाम प्रोजेक्ट साझा करना ताकि कोई उसकी सामग्री को बदल न सके
   बेस्ट टूल ....
   कारण ....

ब. एक उद्यमी की तरह सोचें

1. अब कल्पना करें कि आप एक छोटा उद्यम शुरू कर रहे हैं, जैसे कि स्कूल स्टेशनरी का स्टॉल। आप अपनी सभी लागतों को सूचीबद्ध करने और गणना करने के लिए किस डिजिटल टूल का उपयोग करेंगे?
   ....
   ....
2. आप प्रिंसिपल को अपना विचार प्रस्तुत करने के लिए किस डिजिटल टूल का उपयोग करेंगे?
   ....
   ....

7.2 रोजमर्रा के व्यापार में डेटा को समझना

जब भी हम निर्णय लेते हैं, हम जानकारी पर निर्भर होते हैं। उदाहरण के लिए, हम अपने प्रदर्शन को समझने के लिए अपने नंबर चेक करते हैं या अपने दिन की योजना बनाने के लिए टाइम-टेबल देखते हैं। उसी तरह, व्यवसाय यह समझने के लिए जानकारी पर भरोसा करते हैं, जिसे डेटा कहा जाता है, कि उनके विचार वास्तविक जीवन में कैसे काम कर रहे हैं। डेटा बेची गई वस्तुओं की संख्या, खर्च किए गए पैसे या ग्राहकों की प्रतिक्रिया जितना सरल हो सकता है।

उद्यमी अनुमान को कम करने और सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोग करते हैं। डेटा के छोटे-छोटे टुकड़े भी उन्हें पैटर्न नोटिस करने, समस्याओं की पहचान करने और अपनी योजनाओं को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। बुनियादी डेटा का निरीक्षण और उपयोग कैसे किया जाता है यह सीखना भी एक महत्वपूर्ण डिजिटल और उद्यमशील कौशल है।

गतिविधि 7.2.1 सरल डेटा ट्रैकर

इस गतिविधि में, आप जानेंगे कि डेटा को संभालना किसी विचार या उद्यम को बढ़ने में कैसे मदद करता है।

उद्देश्य

- यह समझना कि व्यावसायिक संदर्भ में डेटा का क्या अर्थ होता है।
- यह पहचानना कि निर्णय लेने के लिए किस प्रकार के सरल डेटा की आवश्यकता होती है।
- यह समझना कि डेटा का सही उपयोग उद्यमियों को योजना बनाने और अपने विचारों को बेहतर बनाने में कैसे मदद करता है।

निर्देश

- अपने शिक्षक के निर्देशानुसार अकेले या समूह में काम करें।
- उस व्यावसायिक विचार या उद्यम के बारे में सोचें जिस पर आप काम कर रहे हैं। यह स्कूल-आधारित या समुदाय-आधारित विचार हो सकता है।

- कल्पना करें कि यह विचार वास्तविक जीवन में कैसे काम करेगा।

लिखिए

प्र.1. डेटा जो आपका व्यवसाय एकत्र करेगा (उदाहरण: प्रत्येक दिन बेची गई वस्तुओं की संख्या, ग्राहकों की प्रतिक्रिया, या खर्च किया गया पैसा)

....

....

प्र.2. यह डेटा निर्णय लेने में कैसे मदद करता है (उदाहरण: यह तय करने में मदद करता है कि कितना उत्पादन करना है, ग्राहक क्या पसंद करते हैं, या पैसा कहाँ बर्बाद हो रहा है)

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

यह गतिविधि दिखाती है कि डेटा उद्यमियों को व्यवसाय की वास्तविक स्थिति समझने में मदद करता है। जब निर्णय अटकलों के बजाय जानकारी पर आधारित होते हैं, तो योजना बनाना आसान, स्पष्ट और अधिक विश्वसनीय हो जाता है।

घरेलू डेटा जांच

साप्ताहिक कार्य

यह समझने के लिए कि डेटा हमें स्मार्ट, तेज़ और बेहतर निर्णय लेने में कैसे मदद करता है, घर पर अपनी दैनिक गतिविधियों का अवलोकन करें।

1. **घर पर एक नियमित गतिविधि चुनें जिसमें संख्याएँ, उपयोग या विकल्प शामिल हों। इनमें से कोई भी एक चुनें:**
   - रसोई: किराने का सामान या स्नैक्स का प्रबंधन करना
   - ऊर्जा की बचत: यह देखना कि लाइट और पंखे का उपयोग कैसे किया जाता है
   - पढ़ाई की आदतें: होमवर्क या पढ़ाई पर खर्च किए गए समय को ट्रैक करना
   - पानी की निगरानी: किसी कार्य के लिए कितना पानी उपयोग किया जाता है, इसका अवलोकन करना
2. **अपनी चुनी हुई गतिविधि का सावधानीपूर्वक अवलोकन करें और एक प्रकार का डेटा रिकॉर्ड करें। (उदाहरण: एक दिन में खाए गए बिस्कुट की संख्या या जब कोई नहीं देख रहा हो तब टीवी कितने मिनट चालू रहता है)**

   मैं कौन सा डेटा एकत्र कर रहा/रही हूँ?

   ....

   ....

   मेरा दैनिक डेटा रिकॉर्ड

   ....

   ....

7.3 डेटा से प्रौद्योगिकी में AI को समझना

अब जब हम डेटा के महत्व को समझ चुके हैं, तो यह देखना उपयोगी है कि प्रौद्योगिकी व्यवसायों को इस डेटा का बेहतर उपयोग करने में कैसे मदद करती है। ऐसी ही एक तकनीक है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , जिसे आमतौर पर AI के रूप में जाना जाता है। आज, AI का उपयोग कई क्षेत्रों में काम को आसान और अधिक कुशल बनाने के लिए किया जा रहा है।

AI क्या है?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, या AI, उन कंप्यूटर सिस्टम या सॉफ़्टवेयर को संदर्भित करता है जो लोगों को जानकारी का विश्लेषण करने, काम को व्यवस्थित करने और समाधान जल्दी खोजने में मदद करते हैं। AI इंसानों की तरह अपने आप नहीं सोचता है। इसके बजाय, यह रोजमर्रा के कामों में सटीक रूप से बड़ी मात्रा में जानकारी को संभालकर और समय बचाकर लोगों की सहायता करता है।

व्यवसाय में AI का उपयोग कैसे किया जाता है

कार्यकुशलता में सुधार के लिए व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में AI का उपयोग किया जाता है। मार्केटिंग में, यह पोस्टर बनाने या उपयुक्त कैप्शन सुझाने में मदद कर सकता है। ग्राहक सहायता में, सामान्य सवालों के जवाब देने के लिए चैटबॉट्स का उपयोग किया जाता है। वित्त में AI खर्चों और खर्च करने के पैटर्न को ट्रैक करने में मदद करता है। योजना बनाने में AI विकल्पों की तुलना करने और काम करने के बेहतर तरीके सुझाने में सहायता कर सकता है। डिज़ाइन में AI उपकरण लोगो, दृश्य या लेआउट बनाने में मदद कर सकते हैं। ये उपयोग दिखाते हैं कि प्रौद्योगिकी किस तरह सरल और व्यावहारिक तरीकों से व्यावसायिक कार्यों का समर्थन करती है

AI को अपने विचार से जोड़ना

AI आपके उद्यमशील "सह-पायलट " के रूप में कार्य करता है, जो आपकी रचनात्मक और समालोचनात्मक सोच का बेहतर उपयोग कर उन्हें प्रारंभिक विचारों को पेशेवर उद्यमों में बदलने में सहयोग करता है। आप इसका उपयोग कुछ अलग नामों पर विचार-मंथन करने, पेशेवर संचार का प्रारूप तैयार करने, या निवेश करने से पहले अपने तर्क में संभावित खामियों को खोजने के लिए "रियलिटी चेकर" के रूप में कर सकते हैं। हालांकि, याद रखें कि AI केवल आपका सहायक है; आपको डेटा को सत्यापित करने के लिए, अपने स्वयं के दिल और समालोचनात्मक नज़र का उपयोग करना चाहिए।

याद रखने योग्य एक महत्वपूर्ण बात

AI एक उपकरण है जो लोगों का समर्थन करता है न की उनकी जगह लेता है। मानवीय सोच, रचनात्मकता, मूल्य, निर्णय और जिम्मेदारी हमेशा महत्वपूर्ण होते हैं। डेटा लोगों को स्थितियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, और AI जानकारी और नियमित कार्यों को तेजी से करने भी अहम भूमिका निभाता है। सफल उद्यमी प्रौद्योगिकी का सावधानीपूर्वक और सोच-समझकर उपयोग करते हैं। एक अच्छे व्यवसाय का अर्थ केवल कड़ी मेहनत करना नहीं होता; बल्कि अपने डेटा को समझकर आगे बढ़ने के लिए प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारी से उपयोग करना होता है।

गतिविधि 7.3.1 AI के साथ विचार-मंथन

उद्देश्य

- यह पहचानना कि किन कार्यों में AI व्यावसायिक काम का समर्थन कर सकता है।
- यह समझना कि किन कार्यों में मानवीय निर्णय और मूल्य अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।
- यह समझना कि AI एक सहायक उपकरण है, लोगों का विकल्प नहीं।

निर्देश

- अपने शिक्षक के मार्गदर्शन में जोड़ियों में काम करें।
- उस व्यावसायिक विचार या उद्यम के बारे में सोचें जिस पर आप इस अध्याय में काम कर रहे हैं।
- अपने साथी के साथ निम्नलिखित पर चर्चा करें:
- एक कार्य जहाँ AI आपके व्यवसाय में मदद कर सकता है।
- एक कार्य जहाँ मानवीय निर्णय अधिक महत्वपूर्ण है।
- लिखने से पहले एक-दूसरे के विचारों को ध्यान से सुनें।
- अपने उत्तर अपनी नोटबुक में स्पष्ट रूप से लिखें।

लिखिए

प्र.1. एक कार्य जहाँ AI मदद कर सकता है:

....

....

प्र.2. एक कार्य जहाँ इंसानों को नेतृत्व करना चाहिए:

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

AI समय बचाकर और नियमित कार्यों को संभालकर उद्यमियों की सहायता कर सकता है, लेकिन मानवीय सोच, निर्णय और मूल्य हमेशा अनिवार्य होते हैं। सफल व्यवसाय लोगों को निर्णय लेने के केंद्र में रखते हुए AI का बुद्धिमानी से उपयोग करते हैं।

AI और मानवीय सोच के बीच चयन करना

साप्ताहिक कार्य

सही टूल से मिलान करे

प्रत्येक व्यावसायिक कार्य के लिए लिखें कि AI या मेरा दिमाग (मानवीय सोच) में से कौन अधिक उपयुक्त है। फिर अपनी पसंद का एक छोटा कारण दें।

व्यावसायिक कार्य	सबसे अच्छा टूल? (AI / मेरा दिमाग)	कारण (क्यों?)
अपने ब्रांड के लिए लोगो बनाना		
उस ग्राहक से बात करना जिसका ऑर्डर देर से पहुँचा		
कई बिक्रियों से कुल लाभ की गणना करना		
यह तय करना कि क्या ऐसी सस्ती सामग्री का उपयोग किया जाए जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचा सकती है		
एक नए स्नैक के लिए कई रचनात्मक नामों पर विचार-मंथन करना		
टीम के दो सदस्यों के बीच के विवाद को सुलझाना		

चिंतन के क्षण

- आधुनिक उद्यमियों के लिए डिजिटल कौशल महत्वपूर्ण हैं।
- डेटा व्यवसायों को अटकलों से हटकर योजना बनाने में मदद करता है।
- जिम्मेदारी से उपयोग किए जाने पर AI रचनात्मकता और उत्पादकता में सहायता कर सकता है।
- सबसे मजबूत उद्यम डिजिटल उपकरणों को मानवीय सोच और मूल्यों के साथ जोड़ते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में दें

प्र.1. आपको कौन सा डिजिटल टूल सबसे उपयोगी लगता है? क्यों?

....

....

प्र.2. डेटा किसी व्यवसाय को नुकसान से बचने में कैसे मदद कर सकता है?

....

....

प्र.3. किसी ऐसे कार्य का नाम बताएं जहाँ AI मदद कर सकता है, लेकिन अंतिम निर्णय इंसानों को ही लेना चाहिए।

....

....

संकल्पना

डिजिटल टूल्स और AI

1. डिजिटल उपकरण व्यवसायों को बेहतर और अधिक कुशल तरीके से काम करने में मदद करते हैं।
2. लिखने के लिए वर्ड, संख्याओं के काम के लिए एक्सेल, विचार प्रस्तुत करने के लिए पावरपॉइंट, और सुरक्षित रूप से दस्तावेज़ साझा करने के लिए पीडीएफ का उपयोग किया जाता है।
3. डेटा एक मूल्यवान व्यावसायिक संपत्ति है, जो निर्णय लेने में मार्गदर्शन करता है।

मुख्य संदेश

AI समय बचाकर, डिज़ाइन को बेहतर बनाकर और जानकारी का विश्लेषण करके व्यवसायों की सहायता करता है।

डिजिटल टूल्स का जिम्मेदारी से उपयोग करने से विश्वास बढ़ता है, काम में सटीकता आती है और विकास के नए अवसर बनते हैं।

अध्याय 08

वित्तीय साक्षरता (व्यवसाय के लिए ईंधन)

कालांश – 3

इस अध्याय में, आप सीखेंगे कि किसी सफल उद्यम को चलाने के लिए वित्तीय साक्षरता क्यों आवश्यक है। आप यह जानेंगे कि आय और खर्च की पहचान कैसे करें, लाभ की गणना कैसे करें, और सरल बजट के माध्यम से बचत की योजना कैसे बनाएं।

जैसे-जैसे आप गतिविधियों को पूरा करेंगे, आप जिम्मेदारीपूर्ण वित्तीय निर्णय क्षमता का अभ्यास भी करेंगे, जो किसी छोटे व्यवसाय या उद्यम को लंबे समय तक बनाए रखने और विकसित करने में मदद करती है।

सीखने के प्रतिफल

आप सक्षम होंगे-

- यह समझाने में कि वित्तीय साक्षरता उद्यमियों और व्यवसाय की सफलता के लिए क्यों आवश्यक है।
- आय, खर्च, लाभ, और बचत की सही पहचान करके एक सरल बजट तैयार करने में |
- जिम्मेदारीपूर्ण वित्तीय निर्णय क्षमता का उपयोग करके किसी छोटे व्यवसाय या उद्यम को बनाए रखने और विकसित करने में।

8.1 एक ही विचार, लेकिन अलग-अलग वित्तीय विकल्प

दो मित्र, आरव और मीरा, ने अपनी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान घर का बना नींबू पानी बेचने का निर्णय लिया। उन्होंने एक ही उत्पाद बेचा, समान समय तक काम किया, और समान मेहनत की। हालाँकि, उनके वित्तीय परिणाम बहुत अलग थे। आरव का ध्यान मुख्य रूप से अधिक गिलास नींबू पानी बेचने और अपनी बिक्री बढ़ाने पर था। उसने यह रिकॉर्ड नहीं रखा कि उसने सामग्री पर कितना खर्च किया या वह हर दिन कितना पैसा कमा रहा था। सप्ताह के अंत में, उसके पास बहुत कम पैसा बचा और वह स्पष्ट रूप से यह नहीं समझ पाया कि

उसकी कमाई कहाँ चली गई। दूसरी ओर, मीरा ने अधिक योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाया। उसने सावधानीपूर्वक नींबू और चीनी की लागत को नोट किया। खर्च के आधार पर उसने अपने उत्पाद का मूल्य तय किया और अपनी दैनिक बिक्री का रिकॉर्ड रखा। सप्ताह के अंत तक, मीरा स्पष्ट रूप से यह गणना कर पायी कि उसने कितना पैसा कमाया, कितना खर्च किया, और उसे कितना लाभ हुआ। दोनों मित्रों के पास एक ही विचार था और दोनों ने समान मेहनत की, लेकिन उनके परिणामों में अंतर मीरा के सावधानीपूर्वक बजट निर्माण और वित्तीय योजना के कारण था।

बजट क्या है?

बजट एक सरल वित्तीय योजना है, जो यह दिखाती है कि किसी व्यवसाय में धन का प्रबंधन कैसे किया जाता है। यह बताता है कि व्यवसाय में कितना धन आता है, कितना धन खर्च होता है, और अंत में कितना धन बचता है। बजट तैयार करके, उद्यमी अपने व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं।

बजट निर्माण क्यों महत्वपूर्ण है

धन एक आवश्यक संसाधन है, जो किसी व्यवसाय को चलाए रखने में मदद करता है। उद्यमी केवल धन कमाने पर ध्यान नहीं देते; वे यह योजना भी बनाते हैं कि इसका उपयोग समझदारी से कैसे किया जाए। इस प्रक्रिया को बजट निर्माण कहा जाता है। बजट निर्माण व्यवसायों को खर्च को नियंत्रित करने, अनावश्यक खर्च से बचने, और बेहतर वित्तीय निर्णय क्षमता लेने में मदद करता है। यह उद्यमियों को भविष्य की वृद्धि और अचानक होने वाले खर्चों की योजना बनाने में भी मदद करता है।

व्यवसाय के बजट के मुख्य घटक

- 'राजस्व' उस धन को कहते हैं, जो उत्पाद या सेवाएँ बेचकर कमाया जाता है, जैसे ₹20 प्रति गिलास नींबू पानी बेचकर कमाया गया धन।
- खर्च वह लागत है, जो व्यवसाय को चलाने के लिए आवश्यक होती है। इसमें कच्चा माल जैसे नींबू और चीनी, पैकेजिंग जैसे कप, परिवहन, और विपणन शामिल होते हैं।
- लाभ वह धन है, जो सभी खर्चों का भुगतान करने के बाद बचता है। इसे इस सूत्र से निकाला जाता है:

$$\text{लाभ} = \text{राजस्व} - \text{खर्च}$$

बचत और पुनर्निवेश

जिम्मेदार उद्यमी अपना पूरा लाभ एक साथ खर्च नहीं करते। वे इसका कुछ हिस्सा भविष्य की आवश्यकताओं के लिए बचाते हैं और कुछ राशि अपने व्यवसाय को बेहतर बनाने या विस्तार करने के लिए पुनर्निवेश करते हैं। यह अभ्यास व्यवसाय को स्थिर बनाए रखने और समय के साथ विकसित करने में मदद करता है।

बचत वह धन है, जिसे तुरंत खर्च करने के बजाय भविष्य के उपयोग के लिए अलग रखा जाता है। यह व्यक्तियों या व्यवसायों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने, भविष्य की आवश्यकताओं की योजना बनाने, और वित्तीय सुरक्षा महसूस करने में मदद करता है। उदाहरण: भविष्य की आवश्यकताओं के लिए हर महीने अपनी जेब खर्च का कुछ हिस्सा बचाना।

पुनर्निवेश का अर्थ है, कमाए गए लाभ को वापस व्यवसाय में लगाना, ताकि उसे विकसित या बेहतर बनाया जा सके। यह व्यवसाय को बेहतर सामग्री खरीदने, उत्पादों में सुधार करने, या अपने कार्य का विस्तार करने में मदद करता है। उदाहरण: अगली बिक्री के लिए बेहतर उपकरण या अधिक स्टॉक खरीदने के लिए लाभ का उपयोग करना।

गतिविधि 8.1.1 वास्तविक लागत का अनुमान लगाएं

कोई छोटा व्यवसाय शुरू करते समय, बहुत से लोग केवल प्रत्यक्ष लागतों के बारे में ही सोचते हैं। हालाँकि, सफल उद्यमी यह समझते हैं कि प्रत्येक आगत की एक लागत होती है, चाहे वह छोटी हो या अप्रत्यक्ष। यह क्रियाकलाप आपको एक साधारण व्यवसाय चलाने में शामिल विभिन्न प्रकार की लागतों को पहचानने में मदद करेगा।

उद्देश्य

- यह पहचानना कि किसी छोटे व्यवसाय में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागतें क्या होती हैं।
- यह समझना कि बजट बनाते समय छोटे खर्च भी क्यों महत्वपूर्ण होते हैं।

निर्देश

- नीचे दी गई वस्तुओं की सूची पढ़ें।
- उन सभी वस्तुओं पर सही (✓) का निशान लगाएँ, जिनके बारे में आपको लगता है कि नींबू पानी के व्यवसाय में उनकी लागत आती है।
- निशान लगाने के बाद, अपने सहपाठियों के साथ अपने उत्तरों पर चर्चा करें।

उन वस्तुओं पर सही का निशान लगाएँ जिनकी लागत (पैसे) लगती है-

☐ नींबू ☐ चीनी ☐ कप ☐ बर्फ ☐ पानी

अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करें-किसी व्यवसाय की योजना बनाते समय उद्यमियों को छोटी या कम दिखाई देने वाली लागतों को भी क्यों गिनना चाहिए?

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

हर व्यवसाय में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के खर्च होते हैं। छोटे खर्चों को अनदेखा करने से लाभ कम हो सकता है और गलत वित्तीय निर्णय हो सकते हैं।

घरेलू खर्चों को समझना

साप्ताहिक कार्य

हर घर में नियमित खर्च होते हैं। उन्हें समझने से हमें घर में बजट निर्माण के महत्व को समझने में मदद मिलती है।

आपका कार्य

अपने घर में किसी बड़े व्यक्ति से बात करें और घर के किसी भी पाँच मासिक खर्चों की सूची बनाइए।

खर्च	अनुमानित लागत
उदाहरण- किराना	

सोचो और लिखो

प्र.1. कौन-सा खर्च टाला नहीं जा सकता, और क्यों?

....

....

प्र.2. कौन-सा खर्च नियंत्रित या कम किया जा सकता है? कैसे?

....

....

प्र.3. योजना बनाना परिवार को धन से जुड़ी समस्याओं से बचने में कैसे मदद करता है?

....

....

8.2 खर्च करने से पहले योजना बनाना

केवल एक अच्छा विचार होना ही किसी सफल व्यवसाय को चलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। उद्यमियों को यह भी योजना बनानी होती है कि वे अपने धन का उपयोग कैसे करेंगे। कई छोटे व्यवसाय असफल हो जाते हैं सिर्फ़ इसलिए नहीं कि उनका विचार कमजोर होता है , बल्कि इसलिए क्योंकि उनमे धन का प्रबंधन सावधानीपूर्वक नहीं किया जाता। बजट निर्माण उद्यमियों को आय का अनुमान लगाने, खर्च को नियंत्रित करने, और अचानक होने वाले नुकसान से बचने में मदद करता है। एक सरल बजट बनाना सीखना यह समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि व्यवसाय कैसे टिके रहते हैं और विकसित होते हैं।

केस स्टोरी — एक स्टॉल जो लगभग असफल हो गया

रोहन और काव्या, कक्षा IX के विद्यार्थी, ने अपने स्कूल मेले में हाथ से बने बुकमार्क बेचने के लिए एक छोटा स्टॉल लगाने का निर्णय लिया। दोनों अपने विचार को लेकर उत्साहित और आत्मविश्वास से भरे हुए थे। उन्हें विश्वास था कि चूँकि बुकमार्क बनाना आसान और सस्ता है, इसलिए वे निश्चित रूप से लाभ कमाएँगे। मेले से पहले, काव्या ने सुझाव दिया कि वे अपने सभी खर्चों की सूची बनाएँ। उसने चार्ट पेपर, रंग, रिबन और प्लास्टिक कवर की कीमत नोट की। उसने यह भी अनुमान लगाया कि वे कितने बुकमार्क बेच सकते हैं और उसी के अनुसार एक उचित बिक्री मूल्य तय किया। रोहन को यह अनावश्यक लगा और उसने कहा, “खर्च बहुत कम है। हम आसानी से अपने खर्च से अधिक पैसा कमा लेंगे।”

मेले के दिन, उनके स्टॉल पर कई विद्यार्थी आए। बिक्री अच्छी हुई, और दिन के अंत तक नकदी बॉक्स भरा हुआ दिखाई दे रहा था। रोहन खुश था और उसे विश्वास था कि उन्हें लाभ हुआ है। लेकिन काव्या ने अपनी कमाई की सही गणना करने का निर्णय लिया। जब उसने सभी खर्चों को जोड़ा, तो उसे पता चला कि छोटे-छोटे खर्च जैसे अतिरिक्त शीट, टेप, पेन, और यहाँ तक कि परिवहन खर्च ने कुल खर्च को बढ़ा दिया था। कुल आय में से सभी खर्च घटाने के बाद, लाभ उनकी अपेक्षा से बहुत कम था।

इस अनुभव ने दोनों को एक महत्वपूर्ण सीख दी। व्यवसाय का विचार अच्छा था और दोनों की मेहनत भी समान थी, लेकिन उचित बजट निर्माण की कमी के कारण उन्हें अधिक लाभ नहीं हुआ । काव्या ने समझा कि बजट निर्माण अचानक होने वाले परिवर्तनों से बचने में मदद करता है, जबकि रोहन ने महसूस किया कि छोटे खर्च भी महत्वपूर्ण होते हैं। अगले मेले में , दोनों मित्रों ने खर्च करने से पहले अपना बजट सावधानीपूर्वक तैयार किया। इस बार, उन्हें स्पष्ट लाभ हुआ और वे धन का प्रबंधन करने में अधिक आत्मविश्वास महसूस करने लगे।

गतिविधि 8.2.1 अपना पहला बजट बनाएं

उद्देश्य

- यह समझना कि बजट बनाने की मूल बातें क्या होती हैं।
- यह सीखना कि आय, खर्च और लाभ आपस में कैसे जुड़े होते हैं।

निर्देश

- कल्पना कीजिए कि आप अपने स्कूल मेले में एक छोटा स्टॉल चला रहे हैं।
- सोचिए कि आप क्या बेचेंगे और आप कितना पैसा कमा सकते हैं।
- सामग्री और अन्य खर्चों पर आपको कितना धन खर्च करना पड़ेगा, इसका अनुमान लगाइए।
- नीचे दी गई तालिका में उचित राशि भरें।

बजट तालिका

विवरण	राशि (₹)
आय – बिक्री से कमाया गया धन	
खर्च – सामग्री, पैकेजिंग आदि की लागत	
अपेक्षित लाभ – (आय – खर्च)	

सोचें और उत्तर दें

प्र.1. आपको क्या लगता है कि उचित बजट निर्माण के बिना कई छोटे व्यवसाय क्यों असफल हो जाते हैं?

....

....

प्र.2. यदि आप कोई व्यवसाय शुरू करते हैं, तो आप सबसे पहले किस पर धन खर्च करेंगे?

....

....

प्र.3. बजट निर्माण आपको अपने दैनिक खर्चों का प्रबंधन करने में कैसे मदद कर सकता है?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. धन का प्रबंधन करना, एक अच्छे व्यवसायिक विचार होने जितना ही महत्वपूर्ण है।
2. बजट निर्माण नुकसान और वित्तीय आश्चर्यों से बचने में मदद करता है।
3. यदि छोटे खर्चों की योजना नहीं बनाई जाती, तो वे भी लाभ को प्रभावित कर सकते हैं।
4. सफल व्यवसाय खर्च करने से पहले अपनी योजना बनाते हैं।

समझदारी से खर्च और सही निर्णय

साप्ताहिक कार्य

कल्पना कीजिए कि आपने अपने स्कूल मेले के छोटे स्टॉल से ₹1,000 का लाभ कमाया है। आप इस पूरे धन को एक साथ खर्च नहीं कर सकते। आपको यह निर्णय लेना होगा कि इसका उपयोग समझदारी से कैसे किया जाए।

प्र.1. आप इस ₹1,000 का उपयोग कैसे करेंगे?

धन को खर्च करने या बचाने के कोई भी तीन तरीके लिखिए।

उद्देश्य (Purpose)	राशि (₹)
उदाहरण: बेहतर सामग्री खरीदना	
उदाहरण: भविष्य के लिए बचत करना	
उदाहरण: पैकेजिंग/प्रचार में सुधार करना	

प्र.2. आपके व्यवसाय की वृद्धि के लिए कौन-सा खर्च सबसे महत्वपूर्ण है? क्यों?

....

....

प्र.3. कौन-सा खर्च टाला या बाद में किया जा सकता है? क्यों?

....

....

प्र.4. जब व्यवसाय लाभ कमा रहा हो, तब भी कुछ धन की बचत करना क्यों महत्वपूर्ण है?

....

....

चिंतन

2–3 पंक्तियों में लिखिए कि इस कार्य ने आपको व्यवसाय में वित्तीय निर्णय लेने के बारे में क्या सिखाया।

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. लाभ का उपयोग सावधानीपूर्वक और सोच-समझकर करना चाहिए।
2. सभी खर्च समान रूप से महत्वपूर्ण नहीं होते।
3. बचत और योजना बनाना व्यवसाय को अचानक आने वाली परिस्थितियों में बनाए रखने में मदद करता है।
4. अच्छे वित्तीय निर्णय लेना, धन कमाने जितना ही महत्वपूर्ण है।

8.3 व्यवसाय में बैंकों और उनकी भूमिका को समझना

जब उद्यमी बजट निर्माण के माध्यम से अपने धन की योजना बनाना सीख लेते हैं, तो अगला कदम यह समझना होता है कि बैंक उस धन का प्रबंधन और उसे बढ़ाने में कैसे मदद करते हैं। बैंक वित्तीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे लोगों और व्यवसायों को अपना धन सुरक्षित रखने, अपनी वित्तीय स्थिति का रिकॉर्ड रखने, और आवश्यकता पड़ने पर धन प्राप्त करने में मदद करते हैं।

बैंक एक वित्तीय संस्था है, जो धन सुरक्षित जमा करता है, लोगों को धन निकालने की अनुमति देता है, और बचत खाते, ऋण, और भुगतान जैसी सेवाएँ प्रदान करता है। व्यवसायों के लिए, बैंक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में कार्य करते हैं, जो वित्तीय योजना और विकास में सहायता करते हैं।

बैंक कैसे कार्य करते हैं बैंक मुख्य रूप से लोगों और व्यवसायों से धन स्वीकार करके कार्य करते हैं और फिर उस धन का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करके आर्थिक गतिविधियों को सहयोग प्रदान करते हैं। जब ग्राहक बैंक में धन जमा करते हैं, तो वह उनके खातों में सुरक्षित

रखा जाता है। बैंक जमा, निकासी, और शेष राशि का रिकॉर्ड रखते हैं, जिससे ग्राहकों को अपनी वित्तीय स्थिति को स्पष्ट रूप से समझने में मदद मिलती है। बैंक व्यक्तियों और व्यवसायों को ऋण के रूप में धन भी प्रदान करते हैं। ये ऋण विशेष उद्देश्यों के लिए दिए जाते हैं, जैसे व्यवसाय शुरू करना, व्यवसाय का विस्तार करना, या उपकरण खरीदना। ऋण लेने वाला व्यक्ति या व्यवसाय इस ऋण को ब्याज सहित किस्तों में वापस करता है। यह प्रणाली अर्थव्यवस्था में धन के प्रवाह को बनाए रखने में मदद करती है।

बैंक वित्तीय स्थिति को समझने में कैसे मदद करते हैं

बैंक व्यक्तियों और व्यवसायों को उनके लेन-देन का सही रिकॉर्ड रखकर उनकी वित्तीय स्थिति को समझने में मदद करते हैं। बैंक स्टेटमेंट प्राप्त धन, खर्च किए गए धन, प्राप्त ब्याज, और उपलब्ध शेष राशि का विवरण दिखाते हैं। इन स्टेटमेंट को नियमित रूप से देखने से, उद्यमी अपने नकदी प्रवाह और खर्च के पैटर्न को समझ सकते हैं।

बैंक वित्तीय अनुशासन को भी बढ़ावा देते हैं। बैंक खाता बनाए रखने से उद्यमी अपने व्यक्तिगत धन और व्यवसाय के धन को अलग रख सकते हैं, जिससे बजट निर्माण और लाभ का रिकॉर्ड रखना आसान हो जाता है। यह स्पष्टता सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए आवश्यक है।

बैंक व्यवसायों को कैसे सहयोग करते हैं

बैंक कई महत्वपूर्ण तरीकों से व्यवसायों को सहयोग करते हैं। वे दैनिक लेन-देन के प्रबंधन के लिए बचत खाते और चालू खाते प्रदान करते हैं। वे ऋण और क्रेडिट सुविधाएँ प्रदान करते हैं, जो उद्यमियों को अपना व्यवसाय शुरू करने या उसका विस्तार करने में मदद करती हैं। बैंक डिजिटल भुगतान की सुविधा भी प्रदान करते हैं, जिससे नकद की आवश्यकता कम होती है और लेन-देन अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनता है।

छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए, बैंक अक्सर वित्तीय योजना और ऋण चुकाने की समय-सारणी पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। एक अच्छा बैंकिंग संबंध विश्वास स्थापित करता है और व्यवसायों को स्थिर और जिम्मेदारीपूर्वक विकसित होने में मदद करता है।

बैंक और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवसाय विकास

बैंकिंग सेवाओं का सही उपयोग करने से उद्यमियों को भविष्य की योजना बनाने में मदद मिलती है। बैंक में धन की बचत करना, समय पर ऋण चुकाना, और स्पष्ट वित्तीय रिकॉर्ड रखना वित्तीय विश्वसनीयता का निर्माण करता है। इससे व्यवसायों को भविष्य में सहायता प्राप्त करना आसान हो जाता है। जिस प्रकार बजट निर्माण धन को नियंत्रित करने में मदद करता है, उसी प्रकार बैंक धन का प्रबंधन और सुरक्षा करने में मदद करते हैं। साथ मिलकर, बजट निर्माण और बैंकिंग मजबूत वित्तीय प्रबंधन की नींव बनाते हैं।

गतिविधि 8.3.1 भूमिका निर्वहन – बैंक की यात्रा

उद्देश्य

- यह समझना कि बैंक के मुख्य कार्य क्या होते हैं।
- यह समझना कि बैंक छोटे व्यवसायों को कैसे सहयोग करते हैं।
- यह अभ्यास करना कि संचार कौशल, निर्णय क्षमता और वित्तीय चिंतन कैसे विकसित किए जा सकते हैं।

भूमिका निर्वहन के लिए स्थिति

एक विद्यार्थी ने एक छोटा व्यवसाय शुरू किया है (जैसे स्कूल मेले का स्टॉल या पड़ोस में कोई सेवा) और वह अपनी कमाई का प्रबंधन करने, धन की बचत करने, और अपने व्यवसाय की वृद्धि की योजना बनाने के लिए बैंक जाता है।

समूह में भूमिकाएँ

- छोटे व्यवसाय का मालिक - बैंक खाता खोलना चाहता है और यह समझना चाहता है कि व्यवसाय के धन का प्रबंधन कैसे किया जाए।
- बैंक अधिकारी - बैंक की सेवाओं जैसे खाता, बचत, ऋण, और बैंक स्टेटमेंट के बारे में जानकारी देता है।
- खाता सहायक - समझाता है कि जमा , निकासी, और बैंक रिकॉर्ड कैसे कार्य करते हैं।
- ऋण सलाहकार - समझाता है कि व्यवसाय को कब और क्यों ऋण लेना चाहिए।

निर्देश

- अपने शिक्षक के मार्गदर्शन में 4–5 विद्यार्थियों के समूह बनाएँ।
- प्रत्येक समूह बैंक की यात्रा पर आधारित एक सरल भूमिका निर्वहन प्रस्तुत करेगा।
- नीचे दी गई सूची में से प्रत्येक विद्यार्थी को एक भूमिका दी जाएगी।
- अपनी भूमिका को ध्यान से पढ़ें और उस व्यक्ति के दृष्टिकोण से सोचें।
- चर्चा करें
  - व्यवसाय को बैंक खाता क्यों खोलना चाहिए?
  - बैंक धन को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने में कैसे मदद करता है?
  - बैंक स्टेटमेंट बजट निर्माण में कैसे मदद करता है?
  - व्यवसाय को ऋण लेने के बारे में कब विचार करना चाहिए?

लिखिए

प्र.1. बैंक व्यवसाय को धन का प्रबंधन करने में किस एक तरीके से मदद करता है।

....

....

प्र.2. बैंक व्यवसाय की वृद्धि में किस एक तरीके से मदद करता है।

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

बैंक व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण सहयोगी होते हैं। वे उद्यमियों को सुरक्षित रूप से धन की बचत करने, अपनी वित्तीय स्थिति को स्पष्ट रूप से समझने, और जिम्मेदारीपूर्वक विकास की योजना बनाने में मदद करते हैं।

मेरा व्यवसाय और बैंक — साप्ताहिक कार्य

भूमिका निर्वहन गतिविधि पूरी करने के बाद, यह सोचिए कि बैंक वास्तविक जीवन में व्यवसायों को प्रतिदिन कैसे सहयोग करते हैं।

निर्देश

अपने पड़ोस में किसी छोटे व्यवसायी (जैसे दुकानदार, दर्जी, सड़क विक्रेता, या सेवा प्रदाता) को देखें या उनसे बात करें।

सोचें और लिखें

प्र.1. व्यवसाय का नाम (वास्तविक या काल्पनिक):

....

प्र.2. इस व्यवसाय को बैंक खाते की आवश्यकता क्यों होगी?

....

प्र.3. इस व्यवसाय के लिए कौन-सी बैंक सेवा सबसे अधिक उपयोगी होगी?
(एक या अधिक विकल्पों पर ✓ लगाएँ)

☐ बचत खाता ☐ चालू खाता ☐ ऋण

☐ बैंक स्टेटमेंट ☐ डिजिटल भुगतान

प्र.4. भविष्य में बैंक इस व्यवसाय की वृद्धि में कैसे मदद कर सकता है?

....

प्र.2. इस व्यवसाय को बैंक खाते की आवश्यकता क्यों होगी?

....

आत्म-चिंतन

2–3 पंक्तियों में लिखिए कि भूमिका निर्वहन और इस कार्य से आपने धन के प्रबंधन में बैंकों के महत्व के बारे में क्या सीखा।

....

....

....

संकल्पना

बजट की मूल बातें

- वित्तीय साक्षरता का अर्थ है यह समझना कि धन कैसे कार्य करता है।
- बजट धन को समझदारी से कमाने और खर्च करने की योजना है।
- आय वह धन है जो कमाया जाता है, और खर्च वह धन है जो उपयोग या व्यय किया जाता है
- लाभ वह धन है, जो खर्च के बाद बचता है।
- बजट निर्माण व्यवसाय को बनाए रखने और विकसित करने में मदद करता है।

मुख्य संदेश

धन का प्रबंधन करना, एक अच्छे व्यावसायिक विचार के होने जितना ही महत्वपूर्ण है।

अध्याय 09

कानूनी साक्षरता और व्यावसायिक अनुपालन

Q913M8

कालांश – 3

इस अध्याय में, आप जानेंगे कि कैसे नियम, कानून और नैतिक प्रथाएं व्यवसायों को निष्पक्ष और जिम्मेदारी से काम करने के लिए मार्गदर्शन करती हैं। आप निष्पक्ष व्यापार का अर्थ समझेंगे और जानेंगे कि दीर्घकालिक सफलता के लिए ईमानदारी, पारदर्शिता और उचित आचरण क्यों आवश्यक हैं।

सरल उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से, आप व्यावहारिक आदतें भी सीखेंगे, जैसे रसीदें जारी करना, बुनियादी रिकॉर्ड रखना और उन दिशानिर्देशों का पालन करना जो किसी भी उद्यम में विश्वास, प्रतिष्ठा और स्थिरता बनाने में मदद करते हैं।

सीखने के प्रतिफल

आप सक्षम होंगे

- यह समझने में कि निष्पक्ष व्यापार का क्या अर्थ है और यह व्यवसाय में क्यों महत्वपूर्ण है।
- उन बुनियादी नियमों, कानूनों और नैतिक प्रथाओं को पहचानने और उनका वर्णन करने में जिनका पालन करने की व्यवसायों से अपेक्षा की जाती है।
- रसीदें जारी करने और रिकॉर्ड बनाए रखने जैसी सरल अनुपालन प्रथाओं को पहचानने और लागू करने , और यह समझने में कि निष्पक्षता कैसे विश्वास, प्रतिष्ठा और स्थिरता का निर्माण करती है।

9.1 व्यवसाय को दिशा देने वाले नियम

व्यवसाय में नियमों की ज़रूरत क्यों है?

कल्पना करें कि आप एक ऐसी दुकान पर जा रहे हैं जहाँ कीमतें बार-बार बदलती रहती हैं, कोई बिल नहीं दिया जाता और गलतियों के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेता। आप भ्रमित और असुरक्षित महसूस करेंगे। यही कारण है कि व्यवसायों को नियमों की आवश्यकता होती है। नियम व्यवसायों को सुचारू रूप से चलाने में मदद करते हैं और इसमें शामिल सभी लोगों की रक्षा करते हैं। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि ग्राहकों के साथ उचित व्यवहार किया जाए और व्यवसाय जिम्मेदारी से काम करें।

ये नियम कौन बनाता है?

सरकार कानून बनाती है और व्यवसायों के लिए नियमों को लागू करने के लिए नियामक प्राधिकरण बनाती है। ये प्राधिकरण जाँचते हैं कि क्या व्यवसाय-

- सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैं
- ईमानदारी से ग्राहकों के साथ व्यवहार कर रहे हैं
- निष्पक्ष रूप से काम कर रहे हैं

उनका काम व्यवसायों को रोकना नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि व्यवसाय लोगों या समाज को नुकसान न पहुँचाएँ।

1. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019

   उद्देश्य- उपभोक्ताओं को दोषपूर्ण सामान, खराब सेवाओं और भ्रामक विज्ञापनों से बचाता है।

   क. उपभोक्ता अधिकारों को सुनिश्चित करता है

   ख. ग्राहकों को शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है

   ग. निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देता है

   प्राधिकरण- उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (जिला, राज्य और राष्ट्रीय उपभोक्ता अदालतें)

2. **बौद्धिक संपदा अधिकार कानून-** ये कानून मूल विचारों, कृतियों और ब्रांड पहचान की रक्षा करते हैं।

   क. कॉपीराइट अधिनियम, 1957 – पुस्तकों, कलाकृतियों, संगीत, फिल्मों और डिजिटल सामग्री की रक्षा करता है।

   ख. ट्रेड मार्क्स अधिनियम, 1999 – ब्रांड नाम, लोगो, प्रतीकों और नारों की रक्षा करता है।

   ग. पेटेंट अधिनियम, 1970 – नए आविष्कारों और तकनीकी नवाचारों की रक्षा करता है।

   प्राधिकरण- महानियंत्रक पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेड मार्क्स , भारत

3. दुकान और स्थापना अधिनियम (राज्य कानून)

   उद्देश्य- दुकानों, कार्यालयों और छोटे व्यवसायों में काम करने की स्थितियों को नियंत्रित करता है।

   क. काम के घंटे और छुट्टियाँ तय करता है

   ख. सुरक्षित और निष्पक्ष कार्यस्थलों को सुनिश्चित करता है

   प्राधिकरण- राज्य श्रम विभाग

4. श्रम कानून (बुनियादी जागरूकता)

   क. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 – यह सुनिश्चित करता है कि श्रमिकों को उचित मजदूरी मिले।

   ख. बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 – खतरनाक कामों में बच्चों के नियोजन को रोकता है।

   उद्देश्य- श्रमिकों के अधिकारों और सुरक्षा की रक्षा करना।

   प्राधिकरण- श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार

5. वस्तु एवं सेवा कर (GST) अधिनियम, 2017

उद्देश्य- पूरे भारत में वस्तुओं और सेवाओं के लिए एक एकल कर प्रणाली लागू की गई।

क. एक निर्दिष्ट आय सीमा पार करने के बाद व्यवसायों को पंजीकरण करना अनिवार्य है।

ख. पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।

प्राधिकरण- वस्तु एवं सेवा कर परिषद, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड

केस स्टोरी

कहानी कोल्हापुरी चप्पल की

कोल्हापुरी चप्पलें महाराष्ट्र के शिल्पकारों द्वारा पीढ़ियों से बनाई जा रही हाथ से बनी चमड़े की चप्पलें हैं। ये चप्पलें अपने अनूठे डिज़ाइन और सांस्कृतिक मूल्य के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, कई बड़े विक्रेताओं ने स्थानीय शिल्पकारों को शामिल किए बिना उसी नाम का उपयोग करके मशीन से बने जूते बेचना शुरू कर दिया। इसने मूल शिल्पकारों को नुकसान पहुँचाया और खरीदारों को भ्रमित किया। शिल्पकारों की रक्षा के लिए, कोल्हापुरी चप्पलों को भौगोलिक संकेत (GI) संरक्षण दिया गया। इसका मतलब है कि केवल उस क्षेत्र में पारंपरिक तरीके से बने जूते ही इस नाम का उपयोग कर सकते हैं। यह दर्शाता है कि कैसे कानून और प्राधिकरण इनकी रक्षा करते हैं:

- पारंपरिक ज्ञान
- स्थानीय आजीविका
- उपभोक्ता विश्वास

गतिविधि 9.1.1 व्यवसायों को नियमों की आवश्यकता क्यों है?

उद्देश्य

- यह समझना कि व्यवसायों के लिए नियम क्यों महत्वपूर्ण होते हैं।
- यह समझना कि नियमों का पालन न करने पर कौन-कौन प्रभावित हो सकता है।
- यह पहचानना कि नियमों के अभाव में कौन-सी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।उत्पन्न हो सकती हैं।

निर्देश

- गतिविधि के प्रत्येक भाग के साथ निर्देश दिए गए हैं।

क: पढ़ें और निर्णय लें

प्रत्येक स्थिति को ध्यान से पढ़ें। सही विकल्प पर टिक लगाएँ।

क्रम सं	परिदृश्य	उचित	अनुचित
1	दुकानदार खरीदारी का बिल नहीं देता।		
2	एक व्यवसाय एक्सपायरी डेट (समाप्ति तिथि) वाली खाद्य वस्तुएं बेचता है।		
3	एक रेस्तरां रसोई में स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखता है और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करता है।		
4	एक दुकान ग्राहक के आधार पर कीमतें बदलती है।		
5	एक मरम्मत की दुकान अग्रिम पैसा लेती है लेकिन समय पर काम पूरा नहीं करती है।		
6	एक फार्मेसी ग्राहकों को बेचने से पहले सभी दवाओं पर एक्सपायरी डेट की सावधानीपूर्वक जाँच करती है।		
7	एक विक्रेता वारंटी के भीतर खराब उत्पाद को बदलने से मना कर देता है।		
8	एक फैक्ट्री श्रमिकों को भुगतान किए बिना अतिरिक्त घंटे काम करवाती है।		
9	एक व्यवसाय कचरे का उचित निपटान करने के बजाय उसे सड़क के किनारे फेंकता है।		
10	एक दुकान नकली या डुप्लिकेट उत्पाद बेचने के लिए एक प्रसिद्ध ब्रांड नाम का उपयोग करती है।		

ख. सोचें और चिंतन करें

अपने शब्दों में उत्तर दें। छोटे और स्पष्ट उत्तर लिखें।

प्र.1. आपको क्या लगता है कि जब व्यवसाय नियमों का पालन नहीं करते हैं तो कौन प्रभावित होता है? (ग्राहक, श्रमिक, पर्यावरण, समुदाय)

....

....

प्र.2. आपको क्यों लगता है कि व्यवसायों के लिए नियम आवश्यक हैं?

....

....

प्र.3. यदि कोई व्यावसायिक नियम ही न हों, तो क्या गलत हो सकता है?

....

....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

बैंक व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वे उद्यमियों को सुरक्षित रूप से पैसा बचाने, अपने वित्त को स्पष्ट रूप से समझने और जिम्मेदारी से विकास की योजना बनाने में मदद करते हैं।

नियम व्यवसायों को परेशान करने के लिए नहीं बनाए गए हैं। वे लोगों की रक्षा करने, विश्वास बनाने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। जिम्मेदार उद्यमी नियमों से बचते नहीं हैं। वे उन्हें समझते हैं और उनका पालन करते हैं।

व्यवसाय के नियमों का कार्यान्वयन

साप्ताहिक कार्य

किसी पास की जगह को चुनें, जैसे कि किराने या स्टेशनरी की दुकान, सड़क विक्रेता या स्टाल, फार्मेसी, सैलून, दर्जी, या मरम्मत की दुकान। आप सप्ताह के दौरान एक से अधिक बार उस स्थान पर जा सकते हैं या जब भी आप सामान्य रूप से वहां जाते हैं तो उसका अवलोकन कर सकते हैं।

क. सोचें कि व्यवसाय नियमित रूप से क्या करता है। आपके द्वारा देखे गए एक नियम के बारे में लिखें जिसका पालन किया जा रहा है।

उदाहरण- दुकान प्रत्येक खरीद के लिए बिल देती है। विक्रेता सही वजन करने वाले तराजू का उपयोग करता है।

यहाँ लिखें:

....

....

ख. अब एक ग्राहक की तरह सोचें। एक ऐसे नियम या प्रथा के बारे में लिखें जो ग्राहकों को आश्वस्त और सम्मानित महसूस कराती है। उदाहरण- कीमतें स्पष्ट रूप से दिखाई गई हैं, ताकि ग्राहक भ्रमित न हों। दुकानदार उत्पाद के बारे में विनम्रता और ईमानदारी से समझाता है।

....

....

ग. सुरक्षा और निष्पक्षता के बारे में सोचें। एक ऐसे नियम के बारे में लिखें जो ग्राहकों को नुकसान, धोखाधड़ी या भ्रम से बचाता है। उदाहरण- एक्सपायरी डेट की जाँच की जाती है, वापसी या विनिमय के नियम स्पष्ट रूप से समझाए जाते हैं।

....

....

9.2 लोगों और विचारों की सुरक्षा

व्यवसाय केवल उत्पादों के दम पर नहीं चलते। वे उन लोगों पर चलते हैं जो कड़ी मेहनत करते हैं और उन विचारों पर जिन्हें सावधानीपूर्वक बनाया जाता है। श्रमिकों को निष्पक्ष व्यवहार की आवश्यकता होती है ताकि वे सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। रचनाकारों को पहचान की आवश्यकता होती है ताकि उनके प्रयास और रचनात्मकता को महत्व दिया जाए। सुरक्षा के बिना, लोगों के साथ अनुचित व्यवहार किया जा सकता है, और विचारों की बिना अनुमति नकल की जा सकती है। यह अध्याय आपको यह समझने में मदद करता है कि कानून श्रमिकों और रचनाकारों दोनों की रक्षा कैसे करते हैं और नैतिक और व व्यवसायों के लिए यह सुरक्षा क्यों महत्वपूर्ण है।

श्रम सुरक्षा कानून

श्रम सुरक्षा कानून यह सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं कि काम करने वाले लोगों के साथ उचित व्यवहार किया जाए। ये कानून सुनिश्चित करते हैं कि श्रमिकों को समय पर भुगतान किया जाए, वे सुरक्षित परिस्थितियों में काम करें और उनके साथ गरिमा व सम्मान के साथ व्यवहार किया जाए। जब श्रमिक सुरक्षित और मूल्यवान महसूस करते हैं, तो वे बेहतर काम करने और व्यवसाय में सकारात्मक योगदान देने में सक्षम होते हैं। श्रम कानून कार्यस्थल पर निष्पक्षता बनाने और शोषण को रोकने में मदद करते हैं। वे व्यवसायों को याद दिलाते हैं कि लाभ कभी भी मानवीय भलाई की कीमत पर नहीं आना चाहिए।

बौद्धिक संपदा और प्रतिलिपि अधिकार (कॉपीराइट)

बौद्धिक संपदा- बौद्धिक संपदा मानवीय मस्तिष्क की रचनाओं को संदर्भित करती है, जैसे विचार, डिज़ाइन, लेखन, आविष्कार, लोगो, संगीत और कलाकृति। इन रचनाओं को कानून द्वारा संरक्षित किया जाता है ताकि अन्य लोग बिना अनुमति के इनकी नकल न कर सकें या इनका उपयोग न कर सकें।

कॉपीराइट- कॉपीराइट एक कानूनी अधिकार है जो मूल रचनात्मक कार्यों जैसे कि पुस्तकों, कविताओं, संगीत, फिल्मों, सॉफ़्टवेयर और कलाकृति की रक्षा करता है। यह रचनाकार को यह तय करने का अधिकार देता है कि उनके कार्य का उपयोग, साझा या नकल कैसे की जाए।

ट्रेडमार्क- ट्रेडमार्क एक शब्द, प्रतीक, लोगो, नाम या डिज़ाइन है जो एक व्यवसाय की वस्तुओं या सेवाओं को दूसरों से पहचानता है और अलग करता है। यह ग्राहकों को एक ब्रांड पहचानने में मदद करता है और इसे दुरुपयोग से बचाता है।

विचार, डिज़ाइन, लोगो, संगीत, आविष्कार और रचनात्मक कार्य उन लोगों के हैं जिन्होंने उन्हें बनाया है। बौद्धिक संपदा अधिकार इन रचनाओं की रक्षा करते हैं ताकि अन्य लोग अनुचित तरीके से इनकी नकल न कर सकें या इनका उपयोग न कर सकें। ये अधिकार नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं क्योंकि ये सुनिश्चित करते हैं कि रचनाकारों को उनके स्वयं के काम से लाभ मिले। कॉपीराइट इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट(IPR) का एक हिस्सा है। यह सुनिश्चित करता है कि लेखकों, कलाकारों, डिज़ाइनरों और संगीतकारों को उनकी रचनाओं के लिए श्रेय और प्रतिफल मिले। बौद्धिक संपदा का सम्मान करने का अर्थ है प्रयास, मौलिकता और रचनात्मकता का सम्मान करना।

केस स्टोरी — असली बनाम नकली उत्पाद

नाइकी(Nike), बाटा (Bata), रिलैक्सो (Relaxo) और एडिडास (Adidas) जैसे जाने-माने ब्रांड रातों-रात लोकप्रिय नहीं हुए। कई वर्षों तक, उनके डिज़ाइनरों ने नए विचारों पर काम किया, सामग्रियों का परीक्षण किया, आराम में सुधार किया और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने ग्राहकों को उत्पाद वितरित करके विश्वास भी बनाया जिस पर वह भरोसा कर सकें। हालांकि, इन

मूल उत्पादों के साथ-साथ बाजारों में नकली कॉपियाँ दिखाई देने लगीं। ये नकल किए गए जूते और कपड़े अक्सर पहली नज़र में एक जैसे लगते थे और बहुत कम कीमतों पर बेचे जाते थे। कई ग्राहक यह सोचकर उनकी ओर आकर्षित हुए कि उन्हें एक अच्छा सौदा मिल रहा है।

जल्द ही समस्याएँ सामने आने लगीं। नकल किए गए उत्पाद जल्दी खराब हो गए, जिससे असुविधा हुई और कभी-कभी चोटें भी लगीं। ग्राहकों ने ठगा हुआ महसूस किया। साथ ही, मूल ब्रांडों और डिज़ाइनरों को नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि उनके विचारों का उपयोग बिना अनुमति के किया गया था। नकल करना न केवल बड़ी कंपनियों को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि यह बाजार में विश्वास को भी कम करता है और लोगों को नए डिज़ाइन और विचार बनाने से हतोत्साहित करता है। जब मौलिकता की रक्षा नहीं की जाती है, तो नवाचार धीमा हो जाता है। यह केस अध्ययन दिखाता है कि मूल विचारों और डिज़ाइनों की रक्षा करना क्यों महत्वपूर्ण है। यह रचनाकारों को प्रेरित रहने में मदद करता है, यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मिलें, और व्यवसायों को ईमानदार और निष्पक्ष रखता है।

गतिविधि 9.2.1 मूल और नकल किए गए उत्पादों को समझना

उद्देश्य

- यह पहचानना कि मौलिकता क्या होती है।
- यह समझना कि बाज़ार मूल्य का विश्लेषण कैसे किया जाता है।
- यह समझना कि प्रतिस्पर्धात्मक लाभ क्या होता है।

निर्देश

चरण 1: उन चीजों के बारे में सोचें जो आपने हाल ही में दुकानों या बाजारों में, स्कूल की किताबों या कॉपियों में, पोस्टरों, पैकेजिंग, या विज्ञापनों में, या ऑनलाइन इमेज या वीडियो में देखी हैं। अपनी याददाश्त से दो उदाहरण चुनें: एक जिसके बारे में आपको विश्वास है कि वह मूल है और एक जिसे आप मानते हैं कि वह नकल या नकली है।

चरण 2: मूल उदाहरण के बारे में लिखें

- वह उत्पाद या विचार क्या है?
  ....
- आपने इसे कहाँ देखा?
  ....
- आपको क्या लगता है कि यह मूल क्यों है?
  ....

चरण 3: नकल किए गए उदाहरण के बारे में लिखें। अब नकल किए गए या नकली उदाहरण के बारे में लिखें:

- किस चीज़ की नकल की जा रही है
  ....
  ....
- आपने इसे कहाँ देखा?
  ....
  ....
- आप कैसे बता सकते हैं कि यह मूल नहीं है?
  ....

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

नैतिक व्यवसाय न केवल उत्पादों पर, बल्कि लोगों और विचारों के सम्मान पर भी निर्मित होते हैं। श्रम कानून श्रमिकों की गरिमा और सुरक्षा की रक्षा करते हैं, जबकि बौद्धिक संपदा कानून रचनात्मकता और नवाचार की रक्षा करते हैं। जब श्रमिकों के साथ उचित व्यवहार किया जाता है और रचनाकारों की रक्षा की जाती है, तो व्यवसाय विश्वास, ईमानदारी और दीर्घकालिक सफलता के साथ बढ़ते हैं।

अवलोकन करें और विचार पहचानें

साप्ताहिक कार्य

दैनिक जीवन में मूल विचारों या रचनाओं और नकल किए गए उदाहरणों को देखने के लिए अपने आस-पास का अवलोकन करें। यह कार्य आपको रचनात्मकता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के प्रति अधिक जागरूक होने में मदद करता है।

चरण 1- सप्ताह के दौरान, अपने आस-पास दुकानों, बाजारों, स्कूल की सामग्री, विज्ञापनों, ऑनलाइन सामग्री पर नज़र डालें। डिज़ाइन, उत्पादों, कलाकृतियों, लोगो या विचारों पर ध्यान दें।

चरण 2- आपके द्वारा देखी गई एक मूल विचार या रचना के बारे में लिखें। उदाहरण: एक हाथ से बनी पेंटिंग या शिल्प, एक अनूठा लोगो या डिज़ाइन, एक मूल स्कूल प्रोजेक्ट। अब लिखें- 1. विचार या उत्पाद क्या है? 2. आपको क्यों लगता है कि मूल विचार है?

....

....

चरण 3- आपके द्वारा देखे गए एक नकल किए गए या पायरेटेड उदाहरण के बारे में लिखें। उदाहरण: नकल की गई कलाकृति, नकली ब्रांडेड सामान, डुप्लिकेट डिज़ाइन। लिखें-किस चीज़ की नकल की जा रही है? आप कैसे बता सकते हैं कि यह मूल विचार नहीं है?

....

....

चरण 4- चिंतन करें और इन प्रश्नों के उत्तर दें:

क. नकल करने से मूल रचनाकार पर क्या प्रभाव पड़ता है?

....

ख. यह ग्राहकों या बाजार को कैसे प्रभावित करता है?

....

ग. व्यवसाय में मौलिकता का सम्मान क्यों किया जाना चाहिए?

....

9.3 निष्पक्ष व्यापार, ईमानदारी और रिकॉर्ड

कोई व्यवसाय केवल इसलिए विफल नहीं होता कि उसका विचार कमजोर है या उसका उत्पाद खराब है। कई बार व्यवसाय इसलिए विफल हो जाते हैं क्योंकि लोग उन पर भरोसा करना बंद कर देते हैं। ग्राहक उन जगहों पर वापस जाना पसंद करते हैं जहाँ वे सम्मानित महसूस करते हैं, उनके साथ उचित व्यवहार किया जाता है और ईमानदारी से बात की जाती है। जब विश्वास टूट जाता है, तो एक अच्छा व्यवसाय भी जीवित रहने के लिए संघर्ष करता है।

ईमानदारी ग्राहकों और श्रमिकों दोनों के साथ मजबूत संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब कोई व्यवसाय कीमतों, गुणवत्ता और व्यवहार के बारे में ईमानदार होता है, तो लोग आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं। विश्वास की यह भावना व्यवसाय को समय के साथ बढ़ने में मदद करती है। इस अध्याय में, आप सीखेंगे कि कैसे ईमानदारी और सरल रिकॉर्ड-कीपिंग व्यवसायों को विश्वास हासिल करने, व्यवस्थित रहने और निरंतर और जिम्मेदार तरीके से बढ़ने में मदद कर सकती है।

निष्पक्ष व्यापार क्या है?

निष्पक्ष व्यापार का अर्थ है ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी से व्यवसाय करना। यह सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों के साथ उत्पादों के लिए उचित मूल्य, श्रमिकों को उचित मजदूरी और सुरक्षित कार्य परिस्थितियाँ प्रदान करके उचित व्यवहार किया जाए। निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं का पालन करके, व्यवसाय विश्वास और मानवीय गरिमा का सम्मान करते हैं, और एक अधिक नैतिक और टिकाऊ बाजार में योगदान देते हैं।

अनुपालन क्या है?

अनुपालन का अर्थ है व्यवसाय चलाने से संबंधित नियमों और कानूनों का पालन करना। इसमें सरल लेकिन महत्वपूर्ण प्रथाएं शामिल हैं जैसे उचित बिल या रसीद जारी करना, आय और व्यय का स्पष्ट रिकॉर्ड रखना, ईमानदारी से कर भरना और सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों का पालन करना। ये प्रथाएं व्यवसायों को कानूनी रूप से काम करने, ग्राहकों और अधिकारियों के साथ विश्वास बनाने और सुचारू और जिम्मेदार कामकाज सुनिश्चित करने में मदद करती हैं।

व्यावसायिक नैतिकता - सही काम करना

नैतिक व्यवसाय उन मूल्यों का पालन करते हैं जो लाभ से परे होते हैं। वे अपने व्यवहार में सच बोलते हैं, मूल और अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बेचते हैं, अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लेते हैं और ग्राहकों और श्रमिकों के साथ सम्मान से पेश आते हैं। नैतिक रूप से कार्य करके, व्यवसाय विश्वास बनाते हैं, अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित करते हैं और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करते हैं, क्योंकि लोग उन व्यवसायों का समर्थन करना पसंद करते हैं जिन पर वे भरोसा कर सकें।

रसीदें और रिकॉर्ड क्यों महत्वपूर्ण हैं

रसीदें पारदर्शिता का प्रतीक हैं। वे ग्राहकों को सटीक रूप से दिखाती हैं कि उन्होंने किस चीज़ के लिए भुगतान किया है और खरीद के प्रमाण के रूप में कार्य करती हैं। रसीदें देना ग्राहकों को आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस कराता है। रिकॉर्ड रखना व्यवसायों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सरल रिकॉर्ड रखकर, व्यवसाय ट्रैक कर सकते हैं कि कितना पैसा आ रहा है और कितना पैसा खर्च हो रहा है। यह भ्रम से बचने, गलतियों को कम करने और भविष्य के लिए बेहतर योजना बनाने में मदद करता है। बुनियादी रिकॉर्ड भी, जब नियमित रूप से बनाए रखे जाते हैं, तो व्यवसाय की सफलता में बड़ा अंतर ला सकते हैं।

केस स्टोरी — दो दुकानें, दो प्रतिष्ठा

एक स्कूल के पास एक ही समय में दो स्टेशनरी की दुकानें खुलीं। दोनों ने नोटबुक, पेन, पेंसिल और अन्य स्टेशनरी का सामान बेचा। दुकान A ने अपना व्यवसाय सरल और ईमानदार तरीके से चलाने का निर्णय लिया। इसने प्रत्येक खरीद के लिए उचित बिल दिए, उचित और निश्चित कीमतें लीं, और सुनिश्चित किया कि उत्पाद अच्छी गुणवत्ता के हों। ग्राहकों को हमेशा पता होता था कि वे किस चीज़ के लिए भुगतान कर रहे हैं। दुकान B ने एक अलग तरीका चुना। इसने रसीदें नहीं दीं, एक ग्राहक से दूसरे ग्राहक के लिए कीमतें बदल दीं, और सस्ती लेकिन कम गुणवत्ता वाली वस्तुएं बेचीं। शुरुआत में, कई विद्यार्थी दुकान B में गए क्योंकि कीमतें कम लग रही थीं।

हालांकि, कुछ ही हफ्तों में चीजें बदल गईं। ग्राहकों को एहसास हुआ कि उनसे हर बार अलग शुल्क लिया जा रहा था, और उत्पाद लंबे समय तक नहीं चले। धीरे-धीरे, लोगों ने दुकान B पर भरोसा करना बंद कर दिया और उससे बचने लगे। दूसरी ओर, दुकान A ने वफादार ग्राहक हासिल किए। माता-पिता, शिक्षक और विद्यार्थी उसे पसंद करते थे क्योंकि वे वहां आत्मविश्वास और सम्मानित महसूस करते थे। अंतर केवल उत्पादों का नहीं था—यह ईमानदारी और निष्पक्षता थी।

गतिविधि 9.3.1 उचित या अनुचित?

उद्देश्य

- यह पहचानना कि दैनिक लेन-देन में नैतिक और अनैतिक व्यावसायिक प्रथाएँ क्या होती हैं।
- यह समझना कि निष्पक्षता का ग्राहकों के विश्वास और व्यवसाय की प्रतिष्ठा पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- यह समझना कि ईमानदार बिक्री और भ्रामक व्यापार प्रथाओं के बीच क्या अंतर होता है।

निर्देश

प्रत्येक स्थिति को ध्यान से पढ़ें। खुद से पूछें, अगर यह मेरे साथ होता तो मुझे कैसा लगता? फिर चिन्हित करें:

- उचित, यदि आपको लगता है कि क्रिया सही है।
- अनुचित, यदि आपको लगता है कि क्रिया गलत है।

परिस्थितियाँ

1. एक दुकानदार प्रत्येक खरीद के लिए उचित बिल देता है।
   उचित ☐ अनुचित ☐
2. एक विक्रेता बिक्री करने के लिए किसी उत्पाद की समस्याओं या दोषों को छिपाता है।
   उचित ☐ अनुचित ☐
3. एक व्यवसाय अपने श्रमिकों को उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए समय पर भुगतान करता है।
   उचित ☐ अनुचित ☐
4. एक ही उत्पाद की कीमत इस आधार पर बदल जाती है कि ग्राहक कैसा दिखता है या उसने कैसे कपड़े पहने हैं।
   उचित ☐ अनुचित ☐

सोचें

क. इन स्थितियों में एक ग्राहक के रूप में आप कैसा महसूस करेंगे?

ख. कौन सी क्रियाएं आपको किसी व्यवसाय पर अधिक विश्वास करने पर मजबूर करती हैं?

ग. भविष्य में आप किन क्रियाओं के कारण किसी व्यवसाय से बचेंगे?

संकल्पना

निष्पक्ष व्यापार और नैतिकता

निष्पक्ष व्यापार का अर्थ है व्यवसाय को इस तरह से चलाना जो ईमानदार, जिम्मेदार और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए निष्पक्ष हो। यह सही कीमत वसूलने, उचित बिल देने, अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बेचने और ग्राहकों और श्रमिकों के साथ सम्मान से व्यवहार करने के बारे में है।

प्रत्येक व्यवसाय को कुछ नियमों और कानूनों का पालन करने की भी आवश्यकता होती है। इसे अनुपालन कहा जाता है। ये नियम व्यवसायों को सुरक्षित, व्यवस्थित और भरोसेमंद रखने में मदद करते हैं। जब व्यवसाय नियमों का पालन करते हैं—जैसे रसीद देना, कर भरना, या सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करना—तो लोग उनके साथ व्यवहार करने में अधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं।

नैतिकता व्यावसायिक व्यवहार को निर्देशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नैतिकता व्यवसायों को यह तय करने में मदद करती है कि क्या सही है और क्या गलत, न कि केवल वह जो अधिक पैसा लाता है। नैतिक व्यवसाय लोगों, समाज और पर्यावरण पर अपने कार्यों के प्रभाव के बारे में सोचते हैं। वे शॉर्टकट और स्वार्थी लाभ के बजाय ईमानदारी और जिम्मेदारी को चुनते हैं।

जब कोई व्यवसाय निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं का पालन करता है, कानूनों का सम्मान करता है, और नैतिक रूप से कार्य करता है, तो यह विश्वास बनाता है। विश्वास वफादार ग्राहक, अच्छी प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक सफलता लाता है। यही कारण है कि निष्पक्षता और नैतिकता केवल अच्छे मूल्य नहीं हैं—वे टिकाऊ और सफल व्यवसायों की नींव हैं।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

1. विश्वास अर्जित करने के लिए व्यवसायों को नियमों का पालन करना चाहिए।
2. निष्पक्ष व्यापार ग्राहकों और श्रमिकों की रक्षा करता है।
3. रसीदें और रिकॉर्ड ईमानदार व्यवसाय के संकेत हैं।
4. नैतिक प्रथाएं दीर्घकालिक सफलता की ओर ले जाती हैं।

आइए चिंतन करें

अपने उत्तर लिखें

1. ग्राहक निष्पक्ष व्यवसायों को क्यों पसंद करते हैं?
2. ईमानदारी किसी व्यवसाय को बढ़ने में कैसे मदद करती है?

निष्पक्षता का अवलोकन

साप्ताहिक कार्य

अपने पड़ोस की किसी भी एक स्थानीय दुकान या व्यवसाय का अवलोकन करें। यह एक किराने की दुकान, स्टेशनरी की दुकान, फल विक्रेता, मेडिकल स्टोर या कोई छोटा सेवा प्रदाता हो सकता है। ध्यान से देखें कि व्यवसाय कैसे संचालित होता है और ग्राहकों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। अपने अवलोकन के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

देखे गए व्यवसाय का विवरण

1. दुकान/व्यवसाय का प्रकार

   ....

   ....

ब. स्थान

   ....

   ....

अवलोकन प्रश्न

1. क्या दुकान या व्यवसाय खरीदारी के बाद बिल या रसीद देता है?

   ☐ हाँ ☐ नहीं

   यदि हाँ, तो उल्लेख करें कि कब या कैसे:

   ....

2. क्या कीमतें स्पष्ट रूप से दिखाई गई हैं या ग्राहकों को स्पष्ट रूप से बताई गई हैं?

   ☐ हाँ ☐ नहीं

   अपने अवलोकन की व्याख्या करें:

   ....

3. क्या लेन-देन के दौरान ग्राहक संतुष्ट और सहज दिखाई देते हैं?

   ☐ हाँ ☐ नहीं

   आपको ऐसा क्यों लगा?

   ....

चिंतन

आपका अवलोकन आपको इस व्यवसाय में निष्पक्षता और ईमानदारी के बारे में क्या बताता है? 2-3 पंक्तियाँ लिखें।

....

....

....

कक्षा में साझा करना

अपनी कक्षा में अपने अवलोकन साझा करने के लिए तैयार रहें और आपके द्वारा देखी गई निष्पक्ष या अनुचित प्रथा का एक उदाहरण समझाएं।

अंतर्दृष्टि निष्कर्ष

ईमानदार, पारदर्शी और सम्मानजनक व्यवहार करने वाले व्यवसाय लोगों का विश्वास बनाते हैं। ऐसी अच्छी प्रथाएँ ग्राहकों में भरोसा पैदा करती हैं और लंबे समय तक सफलता पाने में मदद करती हैं।

मुख्य संदेश

जो व्यवसाय नियमों का पालन करते हैं, वह लोगों का भरोसा जीतते हैं और यही भरोसा उन्हें सफल बनाता है।

शब्दावली

अंग्रेजी शब्द (English Term)	हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)
3P Framework 3P ढांचा	एक उपकरण जिसका उपयोग यह जाँचने के लिए किया जाता है कि क्या कोई विचार लोग (People), ग्रह (Planet) और लाभ (Profit) को संतुलित करता है।
AI (Artificial Intelligence)	ऐसी तकनीक जो मशीनों को इंसानों की तरह सोचने, सीखने और कार्य करने में सक्षम बनाती है।
Budget बजट	आय और व्यय के प्रबंधन की एक योजना।
Business Ethics व्यावसायिक नैतिकता	व्यावसायिक गतिविधियों में अपनाए जाने वाले नैतिक मूल्य और सिद्धांत।
Collaboration सहयोग	एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करना।
Complianceअनुपालन	नियमों, विनियमों और कानूनों का पालन करना।
Conflict Management संघर्ष प्रबंधन	असहमति को सम्मानपूर्वक और शांतिपूर्वक सुलझाना।
Consensus आम सहमति	एक निर्णय जिसे सभी के द्वारा स्वीकार और सहमति दी गई हो।
Convergent Thinking अभिसरण सोच	सबसे तार्किक और व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए कई विचारों को कम करने की प्रक्रिया।
Creativity रचनात्मकता	नए और उपयोगी विचार उत्पन्न करने की क्षमता।
Data डेटा	विश्लेषण और निर्णय लेने के लिए एकत्र की गई उपयोगी जानकारी।
Decision-Making निर्णय प्रक्रिया	विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के बाद सबसे अच्छा विकल्प चुनने की प्रक्रिया।
Digital Literacy डिजिटल साक्षरता	डिजिटल उपकरणों और तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता।
Divergent Thinking भिन्न सोच	एक ही समस्या के कई अलग-अलग संभावित समाधान उत्पन्न करने की प्रक्रिया।
Empathy समानुभूति	दूसरों की भावनाओं और जरूरतों को समझना।
Entrepreneur उद्यमी	एक व्यक्ति जो समाज के लिए मूल्य सृजन करके समस्याओं का समाधान करता है।
Entrepreneurial Ecosystem उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र	लोगों, संस्थानों और संसाधनों का नेटवर्क जो उद्यमिता का समर्थन करता है।
Ethics नीति	सिद्धांत जो व्यवसाय में सही और गलत व्यवहार का मार्गदर्शन करते हैं।
Expenses खर्च	वस्तुओं या सेवाओं पर खर्च किया गया पैसा।
Fact तथ्य	कुछ ऐसा जो सत्य और सिद्ध हो।
Fair Trade निष्पक्ष व्यापार	उत्पादों को इस तरह से खरीदना और बेचना जो न्यायपूर्ण और नैतिक हो।
Feedback प्रतिपुष्टि	काम या विचारों को बेहतर बनाने के लिए दिए गए सहायक सुझाव।
Financial Literacy वित्तीय साक्षरता	यह समझना कि पैसा कैसे कमाया, खर्च किया, बचाया और प्रबंधित किया जाता है।
Fixed Mindset निश्चित मानसिकता	यह विश्वास कि क्षमताएं और बुद्धिमत्ता बदल नहीं सकती हैं।
Growth Mindset विकास मानसिकता	यह विश्वास कि कौशल और बुद्धिमत्ता प्रयास और सीखने के माध्यम से बेहतर हो सकते हैं।
Income आय	काम या व्यावसायिक गतिविधियों से प्राप्त धन।
Incubator ऊष्मानियंत्रक	एक संगठन जो स्टार्टअप को मेंटरिंग, स्थान और मार्गदर्शन के साथ सहायता करता है।

Innovation नवाचार	विचारों को उपयोगी और व्यावहारिक समाधानों में बदलना।
Leadership नेतृत्व	जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ दूसरों का मार्गदर्शन करना।
Market बाज़ार	ग्राहकों का वह समूह जो किसी उत्पाद या सेवा को खरीदने में रुचि रखता है।
Mind Mapping मन मानचित्रण	एक केंद्रीय विषय के इर्द-गिर्द विचारों को व्यवस्थित करने की एक दृश्य विधि।
Mindset मानसिकता	अपनी क्षमताओं और सीखने के बारे में किसी व्यक्ति के विश्वास।
Myth मिथक	एक व्यापक रूप से माना जाने वाला लेकिन गलत विचार।
Opportunity अवसर	एक अनुकूल स्थिति जो एक व्यावसायिक विचार को शुरू करने या बेहतर बनाने की अनुमति देती है।
Planning योजना	पहले से निर्णय लेने की प्रक्रिया कि क्या कार्रवाई करने की आवश्यकता है।
Presentation प्रस्तुति	विचारों की एक दृश्य व्याख्या, जो अक्सर पावरपॉइंट (PowerPoint) जैसे उपकरणों का उपयोग करके बनाई जाती है।
Problem Identification समस्या की पहचान	एक वास्तविक मुद्दे को पहचानने की प्रक्रिया जिसे समाधान की आवश्यकता है।
Product उत्पाद	किसी आवश्यकता या इच्छा को पूरा करने के लिए बनाई गई वस्तु या चीज़।
Profit लाभ	आय में से व्यय घटाने के बाद बची राशि।
Receipt रसीद	वस्तुओं या सेवाओं की खरीद का प्रमाण।
Reinvestment पुनर्निवेश	व्यवसाय को बढ़ाने या विस्तार करने के लिए लाभ का उपयोग करना।
Reputation प्रतिष्ठा	किसी व्यवसाय के प्रति जनता का विश्वास और उसकी छवि।
Resilience लचीलापन	कठिनाइयों का सामना करने के बाद उबरने और जारी रखने की क्षमता।
Resources संसाधन	व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक सामग्री, पैसा, लोग या उपकरण।
Risk जोखिम	व्यावसायिक निर्णय में हानि या विफलता की संभावना।
SCAMPER स्कैम्पर	एक रचनात्मक चिंतन उपकरण जिसका उपयोग व्यवस्थित प्रश्न पूछकर विचारों को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है।
Self-Efficacy आत्म प्रभावकारिता	विशिष्ट स्थितियों में सफल होने की अपनी क्षमता में विश्वास।
Service सेवा	दूसरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई एक गतिविधि।
Spreadsheet स्प्रेडशीट	गणना और डेटा व्यवस्थित करने के लिए उपयोग की जाने वाली एक डिजिटल शीट, जैसे कि एक्सेल (Excel)
Startup स्टार्टअप	एक नया गठित संगठन जो समस्याओं को हल करने के लिए नवीन विचारों का परीक्षण करता है।
Startup Hub स्टार्टअप हब	एक शहर या क्षेत्र जहाँ मजबूत पारितंत्र (ecosystem) समर्थन के कारण कई स्टार्टअप विकसित होते हैं।
Sustainability स्थिरता	भविष्य की पीढ़ियों को नुकसान पहुँचाए बिना वर्तमान जरूरतों को पूरा करना।
Teamwork सम्मिलित काम	एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करना।
Trait प्रवृत्ति	किसी व्यक्ति का गुण या विशेषता।
Value Creation मूल्य निर्माण	उपयोगी समाधान प्रदान करना जिससे ग्राहकों या समाज को लाभ हो।
Venture उद्यम	एक व्यवसाय जो अपने परिचालन का विस्तार और विकास कर रहा है।

संदर्भ

- भट्ट, इला। वी आर पुअर बट सो मेनी: द स्टोरी ऑफ सेल्फ-एम्प्लॉयड वीमेन इन इंडिया। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2006
- ड्वेक, कैरल एस.माइंडसेट: द न्यू साइकोलॉजी ऑफ सक्सेस। रैंडम हाउस, 2006
- भारत सरकार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा मंत्रालय, 2020
- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, स्किल इंडिया मिशन दस्तावेज़, भारत सरकार
- स्टार्टअप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया पहल, भारत सरकार, www.startupindia.gov.in
- नीति आयोग, अटल इनोवेशन मिशन: वार्षिक रिपोर्ट, भारत सरकार
- संयुक्त राष्ट्र, ट्रांसफॉर्मिंग अवर वर्ल्ड: द 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, संयुक्त राष्ट्र, 2015
- ओस्टरवाल्डर, अलेक्जेंडर, और यवेस पिग्नूर,बिजनेस मॉडल जनरेशन, विली, 2010
- रीस, एरिक, द लीन स्टार्टअप,क्राउन बिजनेस, 2011
- सेवा (SEWA - स्वरोजगार महिला संघ)। सेवा और महिला उद्यमिता पहल के बारे में। www.sewa.org

अस्वीकरण

इस NEEEV (छात्र मैनुअल) में सभी कहानियाँ वास्तविक लोगों की घटनाओं से संबंधित हैं। कुछ मामलों में, समयरेखा या अन्य तत्व वास्तविक उद्यमियों के अनुभवों से थोड़े भिन्न हो सकते हैं। इन कहानियों और गतिविधियों का उद्देश्य उनके यात्रा के विशिष्ट पहलुओं को उजागर करना है, जिससे छात्र प्रेरित और उत्साहित हों। ये कहानियाँ केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए चुनी गई हैं और किसी उद्यमी या उनके व्यवसाय का समर्थन या प्रचार नहीं समझी जानी चाहिए। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT) किसी भी कानूनी मामले, उल्लंघन या विवादास्पद कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जा सकती। पाठ्यचर्या के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर सरल और संवादात्मक भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठकों से अनुरोध है कि वे भाषा के मानक रूप से मेल खाने पर ध्यान न दें।

NEEEV – Multi-Peer Assessment Sheet / समूह मूल्यांकन तालिका

Entrepreneurship is a Journey / उद्यमिता एक यात्रा है

Name / नाम: ______________________________ Class / कक्षा: __________ Date / दिनांक: ___________

Rating Scale / रेटिंग पैमाना:

- **5 – Excellent (उत्कृष्ट):** Always contributes; a role model. / हमेशा योगदान देता है; एक आदर्श साथी।
- **4 – Very Good (बहुत अच्छा):** Consistent and highly engaged. / निरंतर और अत्यधिक जुड़ाव।
- **3 – Good (अच्छा):** Performs tasks well most of the time. / अधिकांश समय कार्यों को अच्छी तरह से करता है।
- **2 – Developing (विकासशील):** Needs more consistency or effort. / और अधिक निरंतरता या प्रयास की आवश्यकता है।
- **1 – Emerging (नवोदित):** Minimal contribution; needs guidance. / न्यूनतम योगदान; मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

Assessment Table / मूल्यांकन तालिका

Rate your Peer on a scale of 1 to 5 for each category.

प्रत्येक श्रेणी के लिए अपने साथियों को 1 से 5 के पैमाने पर रेट करें।

Parameters / मापदंड	**Peer Classmate A**	**Peer Classmate B**
1. Responsibility & Contribution (On-time work, dependability) **जिम्मेदारी और योगदान (समय पर कार्य, विश्वसनीयता)**		
2. Teamwork &Behavior (Listening, cooperation, respect) **टीमवर्क और व्यवहार (सुनना, सहयोग, सम्मान)**		
3. Thinking & Effort (Ideas, problem-solving, curiosity) **सोच और प्रयास (विचार, समस्या-समाधान, जिज्ञासा)**		
4. Communication (Active participation, clear speaking) **संचार (सक्रिय भागीदारी, स्पष्ट बोलना)**		
5. Growth & Attitude (Accepting feedback, taking initiative) **विकास और दृष्टिकोण (फीडबैक स्वीकारना, पहल करना)**		
TOTAL SCORE / कुल अंक	**/25**	**/25**

Feedback / फ़ीडबैक

One strength or suggestion for peer / प्रत्येक साथी के लिए एक खूबी या सुधार का सुझाव:

- **Peer Classmate A**____
- **Peer Classmate B**____

Note to Students: Be fair, honest, and respectful. Feedback helps us grow together!
छात्रों के लिए नोट:निष्पक्ष, ईमानदार और सम्मानजनक रहें। फीडबैक हमें एक साथ बढ़ने में मदद करता है!

NEEEV – Self-Assessment Checklist / स्वयं मूल्यांकन चेकलिस्ट

Name / नाम ________________________________ Class / कक्षा ________ Date / दिनांक ___________

Rating Scale / रेटिंग पैमाना

5: Excellent (Always/नेतृत्व) | 4: Very Good (Consistent/निरंतर) | 3: Good (Mostly/अक्सर) | 2: Developing (Needs Practice/अभ्यास की जरूरत) | 1: Emerging (Just Started/प्रारंभिक स्तर)

Pillars of Assessment / मूल्यांकन के स्तंभ	Description (English & Hindi) / विवरण	Score (1-5)
1. Responsibility जिम्मेदारी	Completing tasks on time and taking ownership of work. कार्यों को समय पर पूरा करना और काम की जिम्मेदारी लेना।	
2. Participation भागीदारी	Being active in discussions and staying attentive. चर्चाओं में सक्रिय भाग लेना और एकाग्र/सजग रहना।	
3. Teamwork टीमवर्क	Respecting peers, supporting teammates, and including everyone. साथियों का सम्मान करना, टीम का समर्थन करना और सबको साथ लेकरचलना।	
4. Problem-Solving समस्या समाधान	Sharing creative ideas and showing curiosity to find solutions. रचनात्मक विचार साझा करना और समाधान खोजने की जिज्ञासा दिखाना।	
5. Communication संचार	Expressing ideas clearly and listening respectfully to others. विचारों को स्पष्ट व्यक्त करना और दूसरों को सम्मान से सुनना।	
6. Leadership नेतृत्व	Volunteering for tasks and encouraging others to participate. कार्यों के लिए स्वयं पहल करना और दूसरों को प्रोत्साहित करना।	
7. Personal Growth व्यक्तिगत विकास	Learning from mistakes and accepting feedback positively. अपनी गलतियों से सीखना और फीडबैक को सकारात्मकरूप से स्वीकारना।	
TOTAL SCORE	Out of 35 / कुल अंक (35 में से)	/35

Reflection Questions / चिंतन प्रश्न

1. One skill I improved this year (एक कौशल जिसमें मैंने इस वर्ष सुधार किया)।______________________________

2. One challenge I overcame (एक चुनौती जिसका मैने सामना किया)____________________________________

3. One area I still want to improve (एक क्षेत्र जिसमें मैं अभी भी सुधार करना चाहता/चाहती हूँ)________________

Student Signature / छात्र-छात्रा के हस्ताक्षर ____________________________

सलाहकार

श्री पांडुरंग के. पोले, सचिव (शिक्षा), दिल्ली सरकार
सुश्री वेदिता रेड्डी, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार
डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली सरकार

मार्गदर्शन

डॉ. मुकेश यादव, सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

संपादक

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
डॉ. समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

योगदानकर्ता

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार गोयल, वाणिज्य विभाग, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
सुश्री मीतू पुरी, संस्थापक, यंगप्रेन्योर समिट
सुश्री भावना सिंह, टी.जी.टी., सामाजिक विज्ञान, सी.एम. श्री सरोजिनी नगर
सुश्री सविता मिश्रा तिवारी, टी.जी.टी., प्राकृतिक विज्ञान, एस.वी. सं. 3, सेक्टर 7, आर.के. पुरम
सुश्री कृति पालित, विभागाध्यक्ष (वाणिज्य), आई.टी.एल. पब्लिक स्कूल, द्वारका
सुश्री अंकिता दुबे, फ्रीलांसर
श्री किशन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री मीनू गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

समीक्षा विशेषज्ञ

डॉ. दीपश्री, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
श्री सतीश प्रियदर्शी, उप-प्रधानाचार्य, जी.एस.बी.वी.,के ब्लॉक, मंगोलपुरी, दिल्ली

अनुवादक समूह

सुश्री पूनम रानी गौतम, टी.जी.टी., अंग्रेजी, राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, ई ब्लॉक नंद नगरी
श्री कुलदीप धनखड़, प्राथमिक शिक्षक, सर्वोदय बाल विद्यालय, ए ब्लॉक, सुल्तानपुरी
सुश्री अनुपमा शर्मा टी.जी.टी., हिंदी, सीएम श्री स्कूल, विवेक विहार, फेस 2

विजुअल डिजाइन

श्री हरि कृष्ण पंत, फ्रीलांसर

एस.सी.ई.आर.टी.–NEEEV टीम

श्री फिरदौस अहमद, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री सोनम यादव, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रकाशन टीम

श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री फ़ौज़िया, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

ISBN No : 978-93-6291-879-6

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)

विद्यार्थी निर्देशिका 2026–27

कक्षा–9